



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 171]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 27, 2009/वैशाख 7, 1931

No. 171]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 27, 2009/VAISAKHA 7, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 2009

अंतिम जाँच परिणाम

**विषय :** मै. अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर (निर्यातक) के जरिए मै. फोशन लिहुआ सेरामिक्स कं. लि., चीन जन. गण. (उत्पादक), मै. फोशन हेनरी ट्रेडिंग कं., चीन जन.गण. (निर्यातक) के अनुरोध पर चीन जन.गण. से हुए विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलों के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की (नियम 22 के अंतर्गत) न्यू शिपर समीक्षा के मामले में अंतिम जाँच परिणाम।

सं. 15/23/2008-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए :

प्रक्रिया

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- मै. फोशन लिहुआ सेरामिक्स कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक), मै. फोशन हेनरी ट्रेडिंग कं. (निर्यातक), चीन तथा मै. अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर (निर्यातक) ने एक आवेदन दायर किया और निर्दिष्ट प्राधिकारी से नियमावली के नियम 22 के अंतर्गत अलग-अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण और दिनांक 04-02-2003 की अधिसूचना सं. 37/1/2001 की "न्यू शिपर" समीक्षा शुरू करने का अनुरोध किया है।
- आवेदकों ने दावा किया कि वे संबंधित उत्पाद के बारे में लागू पाटनरोधी शुल्क के अधीन चीन जन.गण. में किसी भी निर्यातक/उत्पादक से संबंधित नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि उन्होंने मूल जाँच की जाँच अवधि के दौरान संबंधित उत्पाद का निर्यात नहीं किया है। प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना की प्रथमदृष्ट्या जाँच की और पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के उपबंधों के अनुसार न्यू शिपर समीक्षा जाँच शुरू करने के औचित्य को पर्याप्त माना।
- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 11 नवम्बर, 2008 की अधिसूचना सं. -डीजीएडी के तहत नियम 22 के अंतर्गत मै. फोशन लिहुआ सेरामिक्स कं. लि., चीन जन.गण., मै. फोशन हेनरी ट्रेडिंग कं., चीन तथा मै. अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर द्वारा किए गए अनुरोध के आधार पर न्यू शिपर समीक्षा शुरू की।

- iv. उपर्युक्त न्यू शिपर जॉच चीन जन. गण. तथा यूएई के मूल की या वहाँ से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाली विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलों के आयात से संबंधित मामले में शुरू की गई थी जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी 04.02.2003 की अपनी अंतिम जॉच परिणाम सं. 37/1/2001-डीजीएडी के तहत निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुँचे थे ।
- क. यूएई तथा चीन जन. गण. से भारत को विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलों का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है;
- ख. भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- ग. यह क्षति संघर्षी रूप से संबद्ध देशों से हुए आयातों द्वारा हुई है ।
- v. केन्द्र सरकार ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाली विट्रीफाइड औद्योगिक टाइलों से भिन्न यूएई तथा चीन जन. गण. से विट्रीफाइड एवं पोर्सिलेन टाइलों के आयात से संबंधित मूल जॉच में 01.05.2003 की अधिसूचना सं. 73/2003-सी.शु. के तहत अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की तारीख अर्थात् 02.05.2002 से पाटनरोधी शुल्क लागू किया था ।
- vi. प्राधिकारी ने मै. फोशन लिहुआ सेरामिक्स कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) और मै. फोशन हेनरी ट्रेडिंग कं. (निर्यातक), चीन तथा मै. अजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर (निर्यातक), द्वारा विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलों के सभी निर्यातों का अनंतिम निर्धारण भारतीय पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अनुसार शुरू की गई समीक्षा पूरी होने तक करने की संस्तुति की ।
- vii. प्राधिकारी ने दिनांक 21 अप्रैल, 2008 की अधिसूचना सं. 15/17/2006-डीजीएडी के तहत निर्णायक समीक्षा जॉच पूरी करने के बाद पाटनरोधी शुल्क को सतत् रूप से लगाने की संस्तुति की । ऐसी संस्तुतियों के आधार पर केन्द्र सरकार ने 27 जून, 2008 के अधिसूचना सं. 82/2008-सी.शु. के तहत पाटनरोधी शुल्क लगाया था ।
- viii. वित्त मंत्रालय ने अधिसूचना सं. 134/2008-सी.शु. के तहत निर्दिष्ट प्राधिकारी के निर्णय का कार्यन्वयन करते हुए 22 दिसंबर, 2008 को अधिसूचना जारी की जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ यह प्रावधान किया गया कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा समीक्षा के परिणाम संबंधित रहने तक मै. फोशन लिहुआ सेरामिक्स कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक), मै. फोशन हेनरी ट्रेडिंग कं. सिंगापुर (निर्यातक) तथा मै. अजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर (निर्यातक) द्वारा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले विट्रीफाइड औद्योगिक टाइलों से भिन्न विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलों के सभी आयात समीक्षा होने तक अनंतिम निर्धारण के अधीन रहेंगे ।

ix. संगत सूचना माँगने के लिए प्राधिकारी ने मै. फोशन लिहुआ सेरामिक्स कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक), मै. फोशन हेनरी ट्रेडिंग कं. को निर्यातक प्रश्नावली तथा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली एवं मै. अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर को निर्यातक प्रश्नावली की प्रति भेजी। प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आवश्यक समझी गई सीमा तक समस्त सूचना माँगी और उसका सत्यापन किया। प्राधिकारी ने मै. फोशन लिहुआ सेरामिक्स कं. लि. (उत्पादक) और मै. फोशन हेनरी ट्रेडिंग कं. (निर्यातक), चीन तथा मै. अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर (निर्यातक) द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का मौके पर सत्यापन किया।

x. इस न्यू शिपर समीक्षा जाँच में जाँच अवधि पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु 1 जुलाई, 2008 से 31 दिसम्बर, 2008- 6 माह की है।

xi. प्राधिकारी ने न्यू शिपर समीक्षा जाँच की शुरुआत के बारे में निर्यातक देशों के प्राधिकारियों को आधिकारिक तौर पर सूचित किया और सभी हितबद्ध पार्टियों को जाँच अवधि अर्थात् जुलाई, 08- 31 दिसम्बर, 08 की समाप्ति से 40 दिन के भीतर अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया।

xii. प्राधिकारी ने 12 फरवरी, 2009 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए सभी हितबद्ध पार्टियों को अवसर प्रदान किया। जिन पार्टियों ने मौखिक सुनवाई में भाग लिया था और मौखिक रूप से विचार व्यक्त किए थे उनसे लिखित अनुरोध प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया था। प्राधिकारियों को यह भी सलाह दी गई थी कि वे विपक्षी पार्टियों द्वारा अपने अनुरोधों में व्यक्त विचारों की प्रतियाँ और उनके उत्तर, यदि कोई हों, की प्रतियाँ ले लें।

xiii. सार्वजनिक सुनवाई के बाद घरेलू उद्योग ने अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत कीं और आवेदक के साथ उनका आदान- प्रदान किया गया।

xiv. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत सूचना के अगोपनीय रूपांतरण वाली सार्वजनिक फाइल उपलब्ध कराई।

xv. \*\*\* यह चिह्न इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय भी माना है। संबंधित हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय रूप में दावा की गई कीमत और लागत से संबंधित सूचना को प्राधिकारी ने गोपनीय ही माना है।

### विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

3. मूल जाँच और निर्णायक समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद “ 30% से कम जल अवशोषण वाली पॉलिश की गई या पॉलिश न की गई तैयार मुलम्मा रहित टाइलें तथा मुलम्मा युक्त पॉर्सिलेन/सिरेमेक दोनों प्रकार की टाइलें हैं (जिन्हें आमतौर पर विट्रीफाइड टाइलों/पॉर्सिलेन टाइलों के रूप में जाना जाता है) ” (जिन्हें संबद्ध वस्तु भी कहा गया है)। मुलम्मा युक्त और मुलम्मा रहित का मुख्यतः उपयोग फर्शाच्छादन तथा दीवारों पर किया जाता है। इन टाइलों का उपयोग भवनों, घरों, रेस्तराओं, सिनेमा हॉलों, हवाई अड्डों, तरण तालों, रेलवे स्टेशनों आदि में किया जाता है।

यह वस्तु के सभी प्रकार कागजातों के भीतर उद्गीकृत है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल वर्गीकृत है और वर्तमान जॉच के तहत पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

यह इस जॉच में विचारणीय उत्पाद विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइल है जैसाकि मूल मामले में स्पष्ट किया गया था अर्थात् "विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलें"। विचारणीय उत्पाद और समान वस्तु के बारे में किसी हितयुक्त पार्टी के कोई तर्क नहीं दिया है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उत्पादक उत्पादित विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलें हैं, फोशन लिमिटेड, सिंगामिक्स कं. लि. (उत्पादक) द्वारा निर्माण हेनरी ट्रेडिंग कं. लि. (निर्यातक) चीन तथा मै. अजमेर ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर के द्वारा। इस निर्यात विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलों के नियन्त्रण हेतु "समान वस्तु हैं"। अतः जॉच के अन्तर्गत प्राधिकारी का मत है कि वर्तमान जॉच में विचारणीय उत्पाद वही है जैसाकि वर्गीकृत किया गया था। अतः अन्तर्गत वैश्व आर्थिक आधिकारिक, अध्याय 69 के अंतर्गत वर्गीकृत विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलें हैं।

### विशेष नोटिफिकेशन द्वारा व्यापक विचार और निर्यात प्राधिकारी द्वारा निर्णय

#### आवृत्ति और विचार

यह आवृत्ति में निम्नलिखित संदर्भित है :

यह आवृत्ति उत्पादक के द्वारा लिखित सिंगामिक्स कं. लि. (मूल जन. गण.) वर्ष 1992 में निर्माण किया था और उसने जॉच के तहत विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलों के निर्यात हेतु एक संयंत्र स्थापित किया था। वर्तमान आवृत्ति में वर्तमान उत्पाद है और इस पर प्राधिकारी शुल्क लागू है।

यह आवृत्ति वर्ष 1992 में उद्गीकृत उत्पादक शुरू किया था।

यह आवृत्ति में मूल उत्पाद वर्गीकृत के दौरान तथा निर्यात के दौरान जॉच अवधि में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सभी अन्य कंपनियों के द्वारा उत्पादित होने के जॉच के तहत उत्पाद वस्तु का निर्यात नहीं किया गया है।

यह आवृत्ति उत्पादक कंपनी के द्वारा जॉच के समय निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर दिया था। मूल जॉच के समय कंपनी द्वारा जॉच के तहत उत्पाद के उत्तर की एक प्रति प्रेसिडेंट में पहले से है और जॉच के तहत दिया जाता है। जॉच के तहत प्रतिक्रिया किया जाता है। तथापि, प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा जॉच के तहत उत्पाद के उत्तर में जॉच के तहत प्राधिकारी का निर्धारण नहीं किया क्योंकि ये निर्यात जॉच के तहत उत्पाद के तहत है।

यह निर्यातक कंपनी जॉच के तहत निर्धारित हुई थी। इस तथ्य से उद्भव है कि कंपनी 2005 में जॉच के तहत निर्धारित जॉच के तहत जॉच के दौरान जॉच के तहत वस्तु का कोई निर्यात नहीं किया गया है। जॉच के तहत कंपनी ने निर्धारित जॉच के तहत जॉच की अवधि में संबद्ध जॉच के तहत नहीं किया है।

यह जॉच के तहत निर्धारित जॉच के तहत जॉच की है और उसने जॉच के तहत जॉच या निर्धारित जॉच के तहत जॉच के दौरान जॉच के तहत वस्तु का निर्यात नहीं किया है।

छ. समस्त आवेदक कंपनियों ने मूल जाँच अवधि तथा निर्णायक समीक्षा जाँच अवधि में निर्यात नहीं किया है, एकमात्र स्थिति यह देखने की बनी हुई है कि क्या आवेदक ऐसी किसी अन्य कंपनी से संबंधित है जिसने मूल जाँच अवधि और निर्णायक समीक्षा जाँच अवधि के दौरान निर्यात किया था ।

ज. आवेदन के साथ संबद्ध कंपनियों के ब्यौरे उपलब्ध कराए गए थे । इस प्रकार, यह दर्शाया गया था कि फोशान लिहुआ सिरैमिक्स कंपनी तथा फोशान हेनरी ट्रेडिंग कंपनी को छोड़कर किसी अन्य संबद्ध कंपनी ने संबद्ध वस्तु का उत्पादन या बिक्री नहीं की है ।

झ. फोशान लिहुआ सिरैमिक्स कं. लि. द्वारा भारत को निर्यात मूल जाँच अवधि के बाद परंतु निर्णायक समीक्षा जाँच अवधि से पूर्व किए गए हैं ।

ट. आवेदक संबद्ध कंपनी तथा उनके व्यापार कार्यकलापों से संबंधित सूचना अत्यंत व्यापार संवेदनशील सूचना मानते हैं और इस सूचना को समग्र रूप में प्रकटित नहीं किया जा सकता है । तथापि, आवेदक निम्नलिखित सूचना का खुलासा कर रहे हैं :

i. समस्त आवेदक अपने-अपने कानूनों के अंतर्गत पंजीकृत निजी कंपनियाँ हैं । पूर्ववर्ती तीन वर्षों में इनकी विधिक या संगठनात्मक संरचना में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है । फोशान लिहुआ सिरैमिक्स कं. लि. तथा फोशान हेनरी ट्रेडिंग कंपनी में समस्त शेयरधारक निजी चीनी राष्ट्रिक हैं । अंजनेय ट्रेडिंग के मामले में समस्त शेयरधारक सिंगापुर के राष्ट्रिक हैं ।

ii. कोई भी शेयरधारक विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन या बिक्री में संलग्न किसी अन्य कंपनी में कोई पद धारण नहीं कर रहे हैं ।

iii. उत्पादक कंपनी में पाँच शेयरधारक हैं और सभी उक्त कंपनी में निदेशक हैं ।

iv. चीन की निर्यातक कंपनी में वही शेयरधारक हैं जो कि उत्पादक कंपनी में हैं और सभी चीन के राष्ट्रिक हैं ।

v. सिंगापुर की निर्यातक कंपनी में तीन शेयरधारक हैं जो कि उत्पादक कंपनी में हैं और सभी सिंगापुर के राष्ट्रिक हैं ।

vi. आवेदक कंपनियों के पास प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष राज्य का कोई स्वामित्व/धारित नहीं है ।

vii. कीमत, लागत तथा निविष्टि, कच्ची सामग्री सहित प्रौद्योगिकी तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्री एवं निवेश के बारे में दोनों कंपनियों के निर्णय बाजारी संकेतों के प्रत्युत्तर में लिए जाते हैं जिनमें इस संबंध में राज्य के किसी हस्तक्षेप के बिना माँग तथा आपूर्ति प्रदर्शित होती है ।

viii. उत्पादक कंपनी द्वारा खरीदे गए विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए अपेक्षित प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य का पर्याप्त प्रदर्शन होता है ।

ix. दोनों कंपनियों की उत्पादन लागत एवं वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से मिली किसी विकृति के अधीन नहीं है ।

x. आवेदक कंपनियाँ दिवालियापन तथा संपत्ति कानूनों के अधीन हैं जिनके तहत फर्मों के प्रचालन हेतु विधिक निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी प्राप्त है ।

xi. विनिमय दर में परिवर्तन बाजार दर पर किए जा रहे हैं ।

xii. आवेदकों द्वारा यह प्रदर्शित करने के लिए वर्तमान आवेदन के साथ कई दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं कि दोनों आवेदक बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के पात्र हैं ।

#### घरेलू उद्योग के एक घटक एचआर जॉनसन के विचार

6. मूल जॉच एवं निर्णायक समीक्षा दोनों में घरेलू उद्योग के घटकों में से एक घटक मै. एचआर जॉनसन ने प्राधिकारी के समक्ष निम्नलिखित अनुरोध किए हैं : -

क. न्यू शिपर्स द्वारा दायर प्रश्नावली का उत्तर दिनांक 09.02.2009 के बाद प्राप्त हुआ । न्यू शिपर्स के विस्तृत उत्तर पर अनुरोध करने के लिए केवल दो दिन का समय प्रदान किया जाता है । इस प्रकार प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों की अपेक्षाओं के अनुसार समय प्रदान नहीं किया जाता है ।

ख. हमें कार्यवाहियों के उस परिणाम के बारे में बताया नहीं गया है जिन्हें निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अंजनव ट्रेडिंग पीटीई लि०, सिंगापुर के लिए पूर्व में शुरू किया था जिनके संबंध में प्रकटन विवरण दिनांक 04.11.2008 को जारी किया गया था । ऐसा प्रतीत होता है कि न्यू शिपर्स हर समय न्यू शिपर्स होने का दावा कर विविध कार्यवाहियों के जरिए बाजार पहुंच प्राप्त करना चाहते हैं जो नियम 22 के अंतर्गत अनुमत्य नहीं है ।

ग. यदि सार्वजनिक फाइल में कोई अन्य अतिरिक्त दस्तावेज है तो वह मुझे शीघ्र प्रदान किया जाए ताकि हम उस पर अपनी टिप्पणियाँ दे सकें । इसके अलावा, सार्वजनिक सुनवाई के दौरान किए गए अनुरोधों से ऐसा प्रतीत होता है कि चीन के वर्तमान न्यू शिपर्स ने कुछ दस्तावेजों का अगोपनीय रूपांतरण दायर किए बिना ऐसे दस्तावेज दायर कर दिए हैं । हमारा अनुरोध है कि ऐसे दस्तावेज सार्वजनिक फाइल में रखे जाएं और हमारी टिप्पणियों के लिए उनके निरीक्षण की अनुमति दी जाए । न्यू शिपर्स के साथ किए गए समस्त पत्राचार और प्राप्त उत्तरों के अगोपनीय रूपांतरण भी उपलब्ध कराया जाए ।

घ. न्यू शिपर्स द्वारा दायर और हमें भेजे गए आवेदन का अगोपनीय रूपांतरण निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा हाल के सभी मामलों में अपनाए जा रहे नए दिशा-निर्देशों के अनुरूप नहीं है जिनमें यह अपेक्षित है कि अगोपनीय रूपांतरण गोपनीय आवेदन की सही अनुकृति होनी चाहिए ।

ड. आवेदन तथा बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रश्नावली के उत्तर सहित प्रश्नावली के उत्तर से उत्पन्न मुद्दों पर हमारे प्रारंभिक उत्तर निम्नानुसार हैं :

i. सूचना और उसमें निहित आंकड़ों के बारे में प्रत्येक आवेदक ने कोई स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया है ।

ii. संयुक्त आवेदन अहस्ताक्षरित और तारीख रहित है ।

iii. आवेदन एवं जाँच शुरूआत के समय ऐसी कोई सामग्री नहीं थी जिससे इस बात की जांच की जा सके कि क्या उत्पादक ने मूल जांच अवधि तथा निर्णायक समीक्षा जांच अवधि के दौरान कोई निर्यात किया है। अतः नियम 22 की शर्तों की पूर्ति हेतु किए गए प्रथम दृष्ट्या निर्धारण त्रुटिपूर्ण हैं।

iv. उत्पादक कंपनी यह खुलासा करने में विफल रही है कि उन्हें जाँच शुरूआत के चरण पर मूल जाँच अवधि में वस्तुतः प्रश्नावली का उत्तर दायर किया था। सुनवाई के दौरान प्रदत्त उसका अगोपनीय रूपांतरण हमें उपलब्ध नहीं कराया गया है।

v. उन परिस्थितियों से संबंधित सूचना का प्रकटन नहीं किया गया है जिनमें उत्पादक के नाम में परिवर्तन, शेयरधारिता की पद्धति में परिवर्तन के बारे में ब्यौरे अथवा व्यापार स्थल में परिवर्तन अथवा कारखाना हटाए जाने आदि के ब्यौरे अपेक्षित होते हैं।

vi. उत्पादक तथा निर्यातक के बीच संबंध के बारे में आवेदन के गोपनीय रूपांतरण में कोई जानकारी नहीं है। इसके अलावा, ऐसे संबंध के मद्देनजर कोई निर्यात न होने की शर्त की जाँच वर्ष 2005 में स्थापित किए गए चीन के निर्यातक के संदर्भ में जांच शुरूआत के समय नहीं की जा सकी।

vii. संबद्ध कंपनियों के बारे में नाम और ब्यौरे गोपनीयता के कारण बताए बिना गोपनीय रखे गए। यह दावा भी अपुष्ट है कि ये संबद्ध कंपनियाँ भी भारत को संबद्ध उत्पाद का निर्यात नहीं कर सकीं।

viii. संबंध की जांच ऐसी संबद्ध पार्टी के संदर्भ में की जाती है जिस पर शुल्क लगाया गया हो। इसके मद्देनजर आवेदन में की गई घोषणाएं नियम 22 की अपेक्षाओं के अनुसार नहीं हैं।

ix. यदि उत्पादक या निर्यातक से संबद्ध एक भी कंपनी होती है तो वर्तमान कार्यवाही हेतु आवेदक पात्र नहीं होते हैं क्योंकि चीन के सभी उत्पादकों तथा निर्यातकों पर निर्णायक समीक्षा जांच में उल्लिखित नामों को छोड़कर शुल्क लागू है।

x. व्यापार लाइसेंस, अनुमोदन प्रमाणपत्र, नाम परिवर्तन प्रमाण पत्र, संस्था के अंतर्नियम, वार्षिक रिपोर्ट, संबद्ध पार्टियों की सूची तथा भारत को हुए निर्यात के ब्यौरों से संबंधित गोपनीयता के दावों के समर्थन में कोई कारण नहीं बताए गए हैं।

xi. माननीय न्यायाधिकरण ने 2007 (218) ईएलटी 273 (ट्रि-डेल) में सूचित एचआर जॉनसन लि. बनाम वित्त मंत्रालय एवं अन्य के मामले में स्पष्ट रूप से यह निर्णय दिया है कि जांच शुरूआत के बाद जांच अवधि का निर्धारण कानूनन दोषपूर्ण और नियम 22 के प्रतिकूल है। इसके मद्देनजर वर्तमान कार्यवाहियाँ क्षेत्राधिकार से बाहर हैं।

xii. आवेदन में इस बारे में कोई सूचना प्रदान नहीं की गई है कि जांच अवधि के दौरान उत्पादक के कुल उत्पादन के कितने प्रतिशत का निर्यात किया गया है। इस आशय की भी कोई सूचना दायर नहीं की गई है कि क्या चीन के उत्पादक द्वारा अन्य देशों को भी निर्यात किया जा रहा है।

xiii. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रश्नावली का उत्तर दायर करने के लिए आयातक को बुलाया नहीं है ताकि न्यू शिपर्स द्वारा दायर सूचना की प्रति जांच की जा सके और यह सत्यापन किया जा सके कि भारत में वस्तुतः किस वीमात पर वस्तु पहुँची है।

xiv. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सीमाशुल्क से न्यू शिपर्स के लिए आयात के आंकड़े नहीं माँगे हैं ताकि सीमाशुल्क के समक्ष वस्तुतः घोषित वीमतों की प्रति-जाँच की जा सके।

v. चीन के उत्पादक, व्यापारी तथा सिंगापुर के निर्यातक ने गलत घोषणा और झूठे रिकॉर्ड देकर तथा ऐसी वास्तविक सूचना को रोककर जिसका वर्तमान मामले की शुरुआत हेतु निर्दिष्ट प्राधिकारी के निर्धारण पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ सकता था, द्वारा जाँच शुरू करवाई है जैसाकि निम्नलिखित अनुरोधों से स्पष्ट हो जाता है :

i. न्यू शिपर्स को अपने सम्पूर्ण मूल्य तथा निर्यात कीमत की योजना हेतु अवसर मिलता है क्योंकि उन्हें निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जाँच की भूतलक्षी अवधि में अंशतः प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, वर्तमान जाँच की शुरुआत नियम 22 के प्रतिकूल और न्यायिक सिद्धांत तथा नवीनतम सिद्धांत के विरुद्ध है।

ii. चीन के न्यू शिपर्स अन्य नामों से एक समूह के रूप में प्रचालन कर रहे हैं और उनके पास एक से अधिक कारखाने हैं जिसका खुलासा वर्तमान प्रश्नावली के उत्तर में नहीं किया गया है।

iii. हमारी आसूचना एवं चीन से प्राप्त अन्य सूचना से यह पता चलता है कि उत्पादक ऐसे नाम से ही प्रचालन नहीं करता है जिसके लिए न्यू शिपर समीक्षा की माँग की जा रही है।

iv. उत्पादक ने विभिन्न वेबसाइटों में वर्ष 1992 में स्थापित विनिर्माता और निर्यातक होने का दावा किया है जबकि उत्तर में उन्होंने कोई निर्यात न करने का दावा किया है। इसके अलावा, उनके पूर्ववर्ती कंपनी के बारे में पहले के नाम तथा ब्याँरे प्राप्त किए जा सकते हैं ताकि न केवल नियम 22 की पूर्व शर्तों की जाँच हेतु सही निर्धारण किया जा सके अपितु नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 की शर्त का भी निर्धारण किया जा सके।

v. निर्दिष्ट प्राधिकारी को सिंगापुर की निर्यातक कंपनी तथा भारत के लिए संबद्ध वस्तु के पूर्ववृत्त एवं उनके गंतव्यों के बारे में पूर्ण सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि उन्होंने क्या भूमिका निभाई और उनकी क्षतिपूर्ति किसने की।

vi. संयुक्त आवेदन भ्रम पैदा करने और किसी विशेष न्यू शिपर के लिए विशिष्ट विवरण रोकने से बचने के लिए दायर किए जाते हैं। इसके अलावा, हमने यह पाया है कि उसमें निहित सूचना की सत्यता के बारे में कोई अनिवार्य स्पष्टीकरण प्रदान नहीं किया गया है। प्रत्येक भागीदार न्यू शिपर द्वारा अधिकांश प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया गया है।

छ. नियम 22 की शर्तें पूरी नहीं हुई हैं : हमारा सादर निवेदन है कि वर्तमान न्यू शिपर समीक्षा की शुरुआत कानूनन दोषपूर्ण है। जाँच की शुरुआत से पूर्व नियम 22 की अपेक्षाओं और पूर्व शर्तों की पूर्ति नहीं की गई है। आवेदन में किए गए समस्त दावों के समर्थन में प्राधिकारी के समक्ष साक्ष्य या दस्तावेज के रूप में कुछ सामग्री प्रस्तुत की जानी चाहिए।



ज. प्रश्नावली का त्रुटिपूर्ण उत्तर : न्यू शिपर्स द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर अपर्याप्त और अपुष्ट हैं।

झ. सूचना गोपनीयता के दावों के समर्थन में कारण बताए बिना गोपनीय मानी गई है।

ट. उत्पादक कंपनी ने दावा किया है कि उन्होंने कोई निर्यात बिक्री नहीं की है। ऐसे दावे के मद्देनजर आवेदन स्वयं स्वीकार्य नहीं है क्योंकि निर्यात बिक्री के बिना किसी पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया जा सकता।

ठ. हमारे पास इस आशय की विशिष्ट सूचना है कि संबद्ध निर्यात कंपनी ने स्थानीय बिक्री की है। उनकी कड़ाई से जांच की जाए कि क्या उन्होंने स्थानीय बिक्री नहीं की है।

ड. न्यू शिपर्स ने उल्लेख किया है कि भारत को निर्यातित तथा अन्य देशों को निर्यातित वस्तु के बीच कोई अंतर नहीं है जिसके समर्थन में कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है। ग्रेड-वार सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है जिसके बिना प्राधिकारी द्वारा कोई उचित तुलना नहीं की जा सकती।

ढ. शामिल उत्पाद के उत्पादन में संलग्न सभी कारखानों के नाम घोषित नहीं किए गए हैं। अन्य उत्पादों में संलग्न अन्य कारखानों के नाम भी घोषित नहीं किए गए हैं। चीन के उत्पादक तथा निर्यातक की वेबसाइट में कई कारखाने दिए गए हैं।

ण. यह बताया गया है कि उत्पादित और घरेलू बाजार में बेचे गए उत्पाद तुलनीय हैं। हम इस बात के प्रति भी आश्चर्य नहीं है कि क्या वे समनुरूप हैं या केवल तुलनीय हैं क्योंकि ग्रेड/मॉडल के बारे में कोई सूचना प्रदान नहीं की गई है।

त. व्यापार व्यवस्थाओं के बारे में ब्यौरों का खुलासा नहीं किया गया है। छूट, कमीशन, रिबेट या भुगतान की शर्तों के बारे में किसी ब्यौरे का खुलासा नहीं किया गया है।

थ. अनेक प्रश्नों के उत्तर में न्यू शिपर्स ने यह उल्लेख किया है कि ब्यौरे जांच की शुरुआत के समय प्रदान किए जा चुके हैं। हमें ऐसे ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए गए हैं और इसलिए हम ऐसे अनुरोधों तथा उचित उत्तर दायर करने में समर्थ नहीं हैं। हमारा अनुरोध है कि ऐसे ब्यौरे या उनका अगोपनीय रूपांतरण हमें उपलब्ध कराया जाए ताकि हम उचित उत्तर दायर कर सकें।

द. यह सुनिश्चित करने के लिए भ्रामक उत्तर दिए गए हैं कि संगत प्रश्न का उत्तर नहीं दिया गया है। उदाहरणार्थ सिंगापुर की व्यापार कंपनी ने बताया है कि वह चीन के कंपनी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत एक निजी कंपनी है। सिंगापुर की व्यापार कंपनी के विधिक प्रतिनिधि से संबंधित प्रश्न के उत्तर में यह बताया गया है कि लिहुआ सिरैमिक्स का एक पत्र संलग्न है जबकि यह कंपनी सिंगापुर की है। सिंगापुर की व्यापार कंपनी के वितरण माध्यमों से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में बताया गया है कि वह अपनी संबद्ध उत्पादक कंपनियों से वस्तु खरीदती है और उसके बाद उसकी बिक्री विदेशी ग्राहकों को करती है। यह विवरण व्यापारी द्वारा आवेदन में और प्रश्नावली के उत्तर में दिए गए शेष विवरणों से पूर्णतः उलट है।

ध. प्रश्नावली के किसी भी उत्तर में निर्णायक समीक्षा जांच की अवधि के दौरान किए गए निर्यातों के बारे में तथ्यों का उल्लेख नहीं है।

न. परिशिष्ट 1, 2, 2क, 3, 3क, 3ख, 3ग, 4, 5, 6, 8 और 9 कोरे हैं और इस प्रकार कोई टिप्पणी नहीं दी जा सकती ।

प. उत्पादक ने यह नहीं बताया है कि क्या यह एक नया संयंत्र है अथवा ऐसे किसी उत्पादक से लिया गया पुराना संयंत्र है जिस पर मूल शुल्क लागू था । इस बात के मद्देनजर यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि न्यू शिपर समीक्षा केवल नए निर्यातक के लिए ही शुरू की जाए - न कि ऐसे निर्यातकों के लिए जो मूल जांच में पाटी हैं या जिन्होंने मूल जांच अवधि या निर्णायक समीक्षा जांच अवधि में संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है या उनपर शुल्क लागू रहा है ।

फ. निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा न्यू शिपर समीक्षा जांच में आयातक प्रश्नावली का उत्तर जारी नहीं किया जा रहा है । अन्य मामलों में अपनाई गई प्रक्रिया से हटने के कारण न्यू शिपर समीक्षा की कार्यवाही के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाते हैं ।

ब. निर्यात किए जाने के लिए प्रस्तावित मात्राओं का अगोपनीय रूपांतरण प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं कराया गया है ताकि इस बात की जांच की जा सके कि क्या ऐसे आवेदक इस व्यवहार में गंभीर प्रतिस्पर्धी थे अथवा क्या ये पहले से लगाए गए शुल्क के अपवंचन हेतु तौर-तरीकों को ही इजाद कर रहे थे ।

भ. नियम 22 के अनुसार संबन्धीन निर्यातक कंपनी का निर्यातक ही पाटन मार्जिन के अलग निर्धारण का अनुरोध कर सकता है । एक कंपनी से अधिक हेतु संयुक्त निर्धारण की परिकल्पना नियमों में नहीं की गई है ।

म. नियम 22 का दुरुपयोग किया गया है ।

य. नियम 22 के अनुसार न्यू शिपर समीक्षा का कोई मामला प्रत्येक बार उस स्थिति में शुरू नहीं किया जा सकता जब कोई आवेदन न्यू शिपर से प्राप्त होता है । नियम 22 में प्रयुक्त “ आवेदक ” शब्द का स्पष्ट अर्थ यह है कि प्राधिकारी के लिए उक्त अवधि से पूर्व प्राप्त न्यू शिपर समीक्षा हेतु सभी आवेदनों की आवधिक समीक्षा (प्राधिकारी द्वारा निर्धारित) करनी अपेक्षित है ।

र. चीन “ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश ” है और उसे मूल जांच में ऐसा ही माना गया है । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा रिलायंस इंडस्ट्रीज के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई व्याख्या के मद्देनजर अलग-अलग किसी सामान्य मूल्य की अनुमति नहीं दी जा सकती । प्राधिकारी द्वारा आरआईएल बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय की इस समय व्याख्या की जा रही है ताकि यह अर्थ निकाला जा सके कि माननीय उच्चतम न्यायालय के अनुसार प्रत्येक देश के लिए केवल एक सामान्य मूल्य हो सकता है ।

ल. न्यू शिपर्स ने अपने साझा उत्तर में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है । न्यू शिपर्स ने लगभग सभी दस्तावेजों के बारे में गोपनीयता के ऐसे दावों के कारण नहीं बताए हैं । इस बारे में भी कारण नहीं बताए गए हैं कि उस सूचना के बारे में गोपनीयता का दावा क्यों किया गया है और सारांश प्रस्तुत न करने के लिए उसकी स्पष्ट अनुमति क्यों दी गई है ।

व. जांच शुरूआत कानूनन दोषपूर्ण है क्योंकि वैध जांच शुरूआत हेतु नियम 22 की पूर्व शर्तों की जांच नहीं की गई है । अतः कार्यवाही न्यायाधिकार से बाहर है और उसे शीघ्र समाप्त किया जाना चाहिए ।

श. विकल्पतः और पूर्वोक्त के प्रति पूर्वाग्रह के बिना अनुरोध है कि न्यू शिपर्स से तुरंत सूचना/दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए कहा जाए। उसे हमें टिप्पणियों के लिए उपलब्ध कराया जाए जो गोपनीयता की अनुमति देने वाले निर्दिष्ट प्राधिकारी के विशिष्ट आदेशों के अधीन हो।

7. घरेलू उद्योग के इस एक प्रतिनिधि के उत्तर संबंधी अनुरोधों में उनके द्वारा लिखित अनुरोध में उल्लिखित अधिकांश विचारों को दोहराया गया है। ये संक्षेप में निम्नानुसार हैं :

i. चूँकि निर्दिष्ट प्राधिकारी को उचित सामग्री प्रस्तुत नहीं की गई थी इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि जांच की शुरुआत से पूर्व इस मामले में नियम 22 की पूर्व शर्तों की जांच की गई थी। इस प्रकार, उस सीमा तक वर्तमान जांच शुरुआत नियम 22 की अपेक्षाओं के प्रतिकूल और कानूनन दोषपूर्ण है।

ii. सार्वजनिक सुनवाई के समय किए गए किसी भी अनुरोध को लिखित अनुरोधों में पुनः प्रस्तुत नहीं किया गया है। सार्वजनिक सुनवाई के दौरान दी गई पेपर बुक भी प्रस्तुत नहीं की गई है और इस प्रकार, उसे किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए इस मामले के रिकॉर्ड में नहीं लिया जा सकता।

iii. न्यू शिपर्स ने इस आशय की कोई घोषणा नहीं की है कि वे चीन के किसी ऐसे निर्यातक या उत्पादक से संबद्ध हैं जिस पर पाटनरोधी शुल्क लागू है। हमारी वेब रिसर्च के अनुसार आवेदन दायर करते समय और प्रश्नावली का उत्तर भी दायर करते समय संबंध मौजूद था, परंतु इसका खुलासा नहीं किया गया था।

iv. निम्नलिखित तथ्य (जो वेब प्रिंट आउट द्वारा विधिवत समर्थित हैं) प्रकटित नहीं किए गए थे जिससे निर्दिष्ट प्राधिकारी को वर्तमान जांच की शुरुआत करने में भ्रमित किया गया है :-

- उत्पादक कंपनी स्टेट इन्फॉर्मेशन सेंटर की वेबसाइट में राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी के रूप में सूचीबद्ध है, न्यू शिपर की इस घोषणा के प्रतिकूल है कि राज्य का कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं है।
- एक ही पता तथा टेलीफोन नम्बरों का उपयोग करते समय संबद्ध वस्तु के उत्पादक एवं विक्रेता के रूप में फोशान विडौली सिरैमिक्स लि., फोशान सर्विस सिरैमिक्स कं. लि., फोशान लिहुआ सिरैमिक्स ग्रुप कार्पोरेशन के नाम प्राधिकारी से छिपाए गए हैं।
- विभिन्न वेबसाइटों तथा रिपोर्टों के साथ हुए साक्षात्कारों में उल्लिखित नए निवेश का उल्लेख उत्तर में नहीं किया गया है।
- उत्पादक कंपनी के 40 से अधिक देशों के लिए निर्यातक हैं और विदेशों में उसके विपणन केंद्र हैं। प्रश्नावली के उत्तर में इसने यह उल्लेख किया है कि उसने कोई निर्यात नहीं किया है।
- उत्पादों के विभिन्न प्रकार वेबसाइट में सूचीबद्ध हैं जबकि अपने उत्तर में उन्हें गोपनीय होने का दावा किया गया है।
- ऐसी वेबसाइटों में अनेक शो रूम और विपणन केंद्र दर्शाए गए हैं। ऐसे सभी शो रूमों आदि की लागत का खुलासा नहीं किया गया है।
- टाइलों के विभिन्न प्रकारों की सांकेतिक दरें भी वेबसाइटों में दी गई हैं जबकि उन्हें गोपनीय होने का दावा किया गया है।

- हेनरी ट्रेडिंग ने अपने सभी कार्यालयों का खुलासा नहीं किया है। वेब प्रिंट से यह पता चलता है कि यह संस्था 64 जिन्हांग एसटी टेक्साइल सिटी, जिकाओ, फोशान सिटी, चीन से भी प्रचारित करती है। इस प्रकार, उनके कार्यालयों के बारे में सूचना प्रदान किए बिना लागत एवं अन्य पहलुओं की जांच नहीं की जा सकती है।
- अंजनेय ट्रेडिंग ने कम्पारिया ससय, दिल्ली से प्रचालनरत एका अन्य फर्म अंजनेय के साथ अपने संबंध का खुलासा नहीं किया है। इस कंपनी ने भी वेब विज्ञापन दिए हैं जिनमें इसी प्रकार की वस्तु का व्यापार करने का दावा किया गया है।
- अंजनेय ट्रेडिंग के वेब विज्ञापन से यह पता चलता है कि उसे केवल न्यू शिपर्स के लिए ज्ञात सर्वोत्तम कारणों हेतु संबद्ध वस्तु का व्यापार करने के लिए ही स्थापित किया गया है। इसके अलावा, प्रश्नावली के परिशिष्ट के उत्तर की अपेक्षाओं के अनुसार जांच अवधि एवं उसके बाद की जांच के लिए ऐसी वस्तु के कुल मापदंड के बारे में कोई सूचना नहीं दी गई है।
- अंजनेय ट्रेडिंग स्वयं एक निर्यातकर्ता के रूप में सूचीबद्ध है जबकि ऐसे तथ्य का खुलासा वर्तमान कार्यवाही में नहीं किया गया है।
- रिकॉर्ड में ऐसा कोई नोट नहीं रखा गया है जिससे यह पता चल सके कि मूल जांच अवधि और निर्णायक समीक्षा के अवधि के दौरान कोई निर्यात नहीं हुआ है।
- न्यू शिपर्स के लिखित अनुरोधों में पहली बार यह खुलासा किया गया है कि उत्पादक ने मूल जांच में प्रश्नावली का उत्तर दायर किया था। आवेदन में इस तथ्य को रोक लिया गया था और इसे पूर्व में दायर व्यौरों के साथ जांच की शुरुआत से पूर्व प्रकटित किया जाना चाहिए था। ऐसे व्यौरों और उत्तर के अगोपनीय स्वतंत्रता हमारे टिप्पणियों के लिए आज तक दायर नहीं किए गए हैं।
- ऐसी कंपनियों द्वारा निर्यात से विशिष्ट तौर पर उक्त रिश्ते में इन्कार नहीं किया जा सकता जब व्यापार से संबंधित कंपनी वर्ष 2005 में स्थापित हुई थी जबकि उत्पादक द्वारा वर्ष 1992 से संबद्ध वस्तु का व्यापार किया जा रहा है। न्यू शिपर्स के लिखित अनुरोधों के साथ संलग्न लिखित जानकारी से संबंधित चार्ट में उन्होंने आवश्यकता के डंग से उत्पादक द्वारा किए गए निर्यातों के बारे में सूचना रोक ली है जबकि हेनरी ट्रेडिंग के बारे में यह बताया गया है कि वह निर्यात कर रही है। इसके अलावा हेनरी ट्रेडिंग द्वारा निर्यातित सभी मर्चें के व्यौरों को रोक लिए गए हैं।

यह प्रदर्शित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य है कि चीन के वर्तमान निर्यातक तथा उत्पादक का समूह के भाग हैं और वे अन्य कंपनियों से संबद्ध हैं जिनका प्रकटन वर्तमान कार्यवाही में नहीं किया गया है। ऐसी अगोपनीय कंपनियों द्वारा उक्त के अधीन हैं और ऐसे संबंध को प्राधिकारी से छिपाया गया है।

नियम 22 के अंतर्गत ऐसी कोई कार्यवाही जो जांच की आवश्यकता की अवधि पर आधारित है प्राधिकारी न्यायाधिकरण के निर्णय के अनुसार नियम 22 के प्रतिकूल है।

निर्णय 19.02.2009 के हमारे लिखित अनुरोधों में माँगी गई सूचना/दस्तावेज/आंकड़े अभी तक प्रस्तुत नहीं कराए गए हैं। अतः हम पूर्ण तथा सार्थक उत्तर संबंधी अनुरोध दायर करने में असमर्थ हैं।

हम यह भी उल्लेख करना चाहेंगे कि नॉफकॉम द्वारा की गई न्यू शिपर समीक्षा कार्यवाही में निम्नलिखित नियमों के अनुसार न्यू शिपर समीक्षा की कार्यवाही शुरू करने से पूर्व भी चीन

के घरेलू उद्योग को अवसर प्रदान किया गया है । भारत में घरेलू उद्योग को ऐसा कोई अवसर नहीं प्रदान किया गया है ।

ix. जांच की अवधि जांच शुरूआत की तारीख से पूर्व की होती है और वह कानून के ठोस सिद्धांतों तथा इस विषय पर निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय नजीरों के आधार पर भविष्यलक्षी नहीं हो सकती ।

x. भविष्यलक्षी जांच अवधि के मुद्दे पर दिल्ली उच्च न्यायालय के दिनांक 14.05.008 के निर्णय का बहाना बनाकर माननीय न्यायाधिकरण के निर्णय का पालन नहीं किया गया है । इस प्रकार, निर्दिष्ट प्राधिकारी 2007(218) ईएलटी273 (ट्रि-डेल) में सूचित एचआर जॉनसन (इं.) लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के निर्णय द्वारा बाध्य है ।

xi. न्यू शिपर्स को आंकड़े/सूचना या साक्ष्य जोड़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती जिन्हें सार्वजनिक सुनवाई तथा लिखित अनुरोधों के चरण के बाद आवेदन के साथ दायर करना अपेक्षित था ।

xii. निर्दिष्ट प्राधिकारी को जांच समाप्त करते हुए अंतिम जांच परिणाम तुरंत जारी करने चाहिए ।

xiii. एक बार गोपनीयता का मुद्दा तय हो जाने और दस्तावेज/सूचना/आंकड़े/पत्राचार आदि उपलब्ध हो जाने के बाद निष्पक्ष एवं प्राकृतिक न्याय के हित में सार्वजनिक सुनवाई तथा लिखित अनुरोध हेतु नया अवसर प्रदान किया जाए ।

xiv. हमारा निर्दिष्ट प्राधिकारी से पुनः अनुरोध है कि वह समस्त निर्यातकों के नाम और वर्तमान कार्यवाही हेतु निर्धारित जांच अवधि के लिए वर्तमान न्यू शिपर्स हेतु आयात के आंकड़ों के साथ मूल जांच अवधि तथा निर्णायक समीक्षा जांच अवधि हेतु सीमाशुल्क से आयात के आंकड़े प्राप्त करें ।

xv. स्वीकार्य रूप से संबद्ध कंपनियों द्वारा इस आशय का कोई विधिवत् सत्यापित आंकड़ा प्रस्तुत नहीं किया गया है कि उनकी स्थापना कब हुई थी और देश-वार उनके कुल निर्यात कितने हुए थे । नियम 8 की अपेक्षाओं के अनुसार सूचना की सत्यता की जांच नहीं की गई है ।

xvi. इस बात का पता चलने के बाद आगे कोई जांच अपेक्षित नहीं होती है कि ऐसे संबंध का प्रकटन वस्तुतः आवेदन, प्रश्नावली का उत्तर दायर करते समय और लिखित अनुरोध प्रस्तुत करते समय कर दिया गया था । अतः हमारी प्रार्थना है कि यह मामला शुल्क से अंतरिम छूट मांगते हुए बाजार कीमतों में विकृति लाने हेतु प्रतिकूल टिप्पणियों एवं कड़े जुर्माने के साथ न्यू शिपर्स समीक्षा जांच को समाप्त करने के लिए उपयुक्त है ।

xvii. निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा रिलायंस इंड. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई व्याख्या के मद्देनजर कोई पृथक सामान्य मूल्य प्रदान नहीं किया जा सकता ।

xviii. हमारा यह भी निवेदन है कि न्यू शिपर्स द्वारा दायर उत्तर संबंधी अनुरोधों की एक प्रति उपलब्ध कराई जाए ताकि प्रकटन विवरण जिसके जारी किए जाने की संभावना है, पर कारगर

टिप्पणियाँ दायर कर सके। उपर्युक्त के प्रति पूर्वाग्रह के बिना हमारा प्राधिकारी से यह भी अनुरोध है कि कृपया सत्यापन रिपोर्ट हमें उपलब्ध कराई जाए और जांच की आगे की कार्यवाही शुरू करने से पूर्व हमारी टिप्पणियाँ माँगी जाए।

xix. न्यू शिपर को मूल मामले में अंतिम जांच परिणामों के जरिए शुल्क के स्तर तथा अन्य ब्यौरों की जानकारी पट्टे से हो है और उसे पूर्व निर्धारित ढंग से अपनी कीमत का विरोध करने का अवसर मिला है और इस प्रकार जांच की शुरुआत से पूर्व विशेष ध्यान देने की जरूरत पर बार-बार जोर दिया गया है।

xx. हमने यह देखा है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी मौखिक सुनवाई के बाद सत्यापन के दौरान नए सत्य तथा समग्र नई सूचना को रिकॉर्ड में लेते हैं। इससे हितबद्ध पार्टियाँ कानून के प्रावधान के अनुसार प्रभावी अवसर से वंचित हो जाती हैं।

xxi. उपर्युक्त परिस्थितियों में अनुरोध है कि आवेदकों को प्रदत्त छूट तुरंत वापस ली जाए और उन्हें चीन के समस्त अन्य असहयोगी निर्यातकों पर अन्यथा लागू शुल्क अदा करने के लिए बाध्य किया जाए। पार्टी होने के कारण सजस्व के बारे में इस प्रकार की गंभीर धोखाधड़ी और घरेलू उद्योग को हुई गंभीर क्षति के लिए भारत के आयातकों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाए।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

8 निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के उपबंधों को ध्यान में रखते हुए न्यू शिपर समीक्षा शुरू की थी जिन्हें नीचे पुनः प्रस्तुत किया जा रहा है :

नियम 22 : (1) यदि किसी उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लागू है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संदर्भाधीन निर्यातक देश में ऐसे किन्हीं निर्यातकों या उत्पादकों जिन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को उत्पाद का निर्यात नहीं किया है, के लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आवधिक समीक्षा की जाएगी बशर्ते कि ऐसे उत्पादक या निर्यातक यह प्रदर्शित करें कि वे निर्यातक देश में ऐसे किसी निर्यातक या उत्पादक से संबंधित नहीं है जिनके उक्त उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लागू है।

2. केन्द्र सरकार द्वारा इस नियम के उप नियम (1) में उल्लिखित समीक्षा अवधि के दौरान ऐसे निर्यातकों या उत्पादकों से हुए आयातों पर अधिनियम की धारा 9क की उप धारा (1) के अनुरूप पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं किया जाएगा :

परंतु यह कि केन्द्र सरकार अंतिम निर्धारण का सहारा ले सकती है और निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा ऐसी सिफारिश किए जाने पर आयातक से गारंटी के लिए कह सकती है और यदि ऐसी किसी समीक्षा की परिणति ऐसे उत्पाद या निर्यातक के संबंध में पाटन के निर्धारण में होती है तो वह समीक्षा की शुरुआत की तारीख से भूतलक्षी प्रभाव से ऐसे मामलों में शुल्क लागू कर सकती है।

9. नियम 22 में वे परिस्थितियाँ स्पष्ट तौर पर विनिर्दिष्ट की गई हैं जिनमें अलग-अलग पाटन मार्जिन की गणना हेतु कोई न्यू शिपर जांच की जा सकती है। संदर्भाधीन निर्यातक देश के किसी निर्यातक या उत्पादक के संबंध में अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जा सकता है बशर्ते निम्नलिखित दो शर्तें पूरी होती हों:

- (क) कि उत्पादक या निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है और,
- (ख) कि उत्पादक या निर्यातक यह प्रदर्शित करता है कि वे निर्यातक देश में ऐसे किसी निर्यातक या उत्पादक से संबंधित नहीं हैं जिनके संबंधित उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लागू है।

10. उपर्युक्त से यह स्पष्ट हो जाता है कि नियम 22 का उद्देश्य ऐसे किसी निर्यातक या उत्पादक के संबंध में अलग-अलग पाटन मार्जिन निर्धारित करने का है जिन्होंने जांच अवधि में संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है। चूंकि ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों ने मूल जांच अवधि में संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया था इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा मूल जांच के समय उनके निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं किया जा सका। अतः न्यू शिपर समीक्षा के प्रावधानों का प्रयोजन यह है कि ऐसे निर्यातक को इस बात पर विचार करते हुए अपने खुद के पाटन मार्जिन का दावा करने का अवसर प्रदान किया जाए कि इन निर्यातकों को मूल जांच अवधि में अवशिष्ट पाटन मार्जिन प्रदान किया गया है।

11. इस मामले में निम्नलिखित आवेदकों ने न्यू शिपर समीक्षा हेतु आवेदन किया है :

- i) फोशान लिहुआ सिरैमिक्स कं. लि. (उत्पादक)
- ii) फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि. (निर्यातक)
- iii) अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर (निर्यातक)

11.1 अपने आवेदन में ओवदकों ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार दावा किया है :-

- (क) आवेदकों ने मूल जांच अवधि में सामग्री का निर्यात नहीं किया था;
- (ख) कि आवेदक मूल जांच अवधि के दौरान निर्यात करने वाले किसी निर्यातक या उत्पादक से संबंधित नहीं थे;

12. आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर इस मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह पाया है कि निर्यातक तथा उत्पादक ने जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है और इस आशय का स्पष्टीकरण दिया है कि वे निर्यातक देश में ऐसे किसी निर्यातक या उत्पादक से संबंधित नहीं हैं जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है। प्राधिकारी ने न्यू शिपर के दावे के बारे में कोई प्रतिकूल सामग्री भी नहीं पाई है।

13. आवेदकों ने जांच की शुरुआत से पूर्व आवेदकों अर्थात् फोशान लिहुआ सिरैमिक्स कं. लि., चीन जन. गण. (उत्पादक), फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि. (निर्यातक), अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर (निर्यातक) के व्यापार लाइसेंस उपलब्ध कराए और सूचना से इस बात की किसी भी प्रकार पुष्टि नहीं हुई कि जांच की शुरुआत या जांच निरर्थक है।

14. इस बात का सत्यापन किया गया था कि क्या फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. के अलावा कोई अन्य कंपनी फोशान लिहुआ सिरैमिक्स कं. लि. (उत्पादक) से संबद्ध है। सत्यापन के दौरान यह पाया गया था कि मै. फोशान सर्विस सिरैमिक कं. लि., फोशान और मै. फोशान विडौली सिरैमिक कं. लि., फोशान आवेदक उत्पादक के पारिवारिक सदस्यों की शोयरधारिता के कारण फोशान लिहुआ सिरैमिक की संबद्ध कंपनियाँ हैं। ये कंपनियाँ चीनी प्रोधिकारियों के पास पंजीकृत की गई

हैं। यह बताया गया था कि इन कंपनियों की स्थापना सिरैमिक एच फोशान लिहुआ के अन्य उत्पादों के व्यापार हेतु स्थापित की गई हैं। परंतु इन्हें आज तक व्यापार प्रतिष्ठान ने अपने हाथ में नहीं लिया है। मै. फोशान लिहुआ सिरैमिक कं. लि. ने इस आशय का एक प्रमाण-पत्र दिया है। जांच की शुरुआत से पूर्व आवेदक ने इन कंपनियों के साथ संबंध का खुलासा किया था। रिकॉर्ड के सत्यापन से यह पता नहीं चला है कि न्यू शिपर किसी अन्य नाम से प्रचालन करता है।

15. न्यू शिपर के रूप में आवेदक की पात्रता से संबंधित दावे की इस हेतु जांच की गई थी कि क्या कंपनी ने मूल जांच अवधि या निर्णायक समीक्षा जांच अवधि में भारत को उत्पाद का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष निर्यात किया है। आवेदकों से इस दावे की पुष्टि करने के लिए कहा गया था कि क्या उक्त कंपनी या उसकी संबंध कोई अन्य कंपनी ने मूल जांच अवधि या निर्णायक समीक्षा जांच अवधि में भारत को संबंधित उत्पाद का निर्यात किया था। यह बताया गया था कि यद्यपि कंपनी वर्ष 1992 में स्थापित की गई थी किंतु उसके पास उस तारीख तक निर्यात लाइसेंस नहीं था। इस दावे का सत्यापन जांच अवधि के प्रत्येक माह के लिए वैट विवरणी संबंधी दस्तावेजों से भी किया गया था और यह देखा जाता है कि कोई निर्यात बिक्री नहीं हुई है और वैट की किसी वापसी का दावा भी नहीं किया गया है। खास तौर पर यह प्रदर्शित किया गया था कि वैट विवरणी में (क) बिक्री कर राशि से मुक्त निर्यात वस्तु (ख) निर्यात पर वैट के बारे में सूचना दी जाती है। यह प्रदर्शित किया गया था कि जांच अवधि के समस्त माह हेतु इन कॉलमों में राशि शून्य दर्शायी गयी थी जिससे यह पता चलता है कि मै. फोशान लिहुआ सिरैमिक कं. लि. ने मूल जांच अवधि के दौरान कोई निर्यात नहीं किया था। जहां तक निर्यातक मै. फोशान हैनरी ट्रेडिंग कं. लि. का संबंध है, यह वर्ष 2005 में निगमित हुई थी और इस प्रकार, यह मूल जांच के समय अस्तित्व में नहीं थी। फोशान हैनरी ट्रेडिंग के संगत रिकॉर्डों का सत्यापन किया गया था ताकि इस तथ्य की पुष्टि की जा सके कि उन्होंने निर्णायक समीक्षा जांच अवधि के दौरान भारत को संबंध वस्तु का निर्यात नहीं किया है।

16. प्राधिकारी का मानना है कि प्राधिकारी ने स्वयं को इस तथ्य से प्रथम दृष्टया संतुष्ट कर लिया है कि आवेदक न्यू शिपर समीक्षा जांच शुरू करने से पूर्व नियम 22 के अंतर्गत निर्धारित शर्तों को पूरा करते हैं। जांच शुरुआत के बाद विस्तृत जांच की गई थी ताकि यह सिद्ध किया जा सके कि क्या आवेदक नियम 22 के अंतर्गत निर्धारित अपेक्षा को पूर्णतः पूरा करते हैं और अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जा सके। रिकॉर्ड के सत्यापन के आधार पर प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदक नियम 22 में निर्धारित अपेक्षा को पूरा करते हैं।

### अन्य मुद्दे

#### प्रक्रियागत मुद्दों की जांच

17. एचआर जॉनसन द्वारा उठाए गए विभिन्न प्रक्रियागत मुद्दों के संबंध में प्राधिकारी ने निम्नानुसार माना है :

(i) प्राधिकारी के रिकॉर्ड में संबंध वस्तु के भारतीय उत्पादक मै. एचआर जॉनसन को जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना पर अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान किया गया था और प्राप्त याचिका का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल में रखा गया था। प्राधिकारी पर उस स्थिति में घरेलू उद्योग को याचिका भेजने का कोई दायित्व नहीं होता है जब वह सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध हो। तथापि, एचआर जॉनसन ने मौखिक सुनवाई के चरण तक कोई टिप्पणी नहीं दी थी।



(ii) वर्तमान मामले में किसी अन्य मामले का परिणाम संगत नहीं है। जहाँ तक मै. अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर का संबंध है, ऐसा पहली बार हुआ है जब उन्होंने चीनी उत्पादक/निर्यातक हेतु एक मध्यवर्ती व्यापारी के रूप में न्यू शिपर समीक्षा जांच हेतु आवेदन किया है। इससे पूर्व प्राधिकारी से संपर्क करने का एकमात्र अवसर वह था जब उन्होंने न्यू झोंगजियान सिरैमिक इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. के साथ उत्पादक मै. विंगयुआन सदरन बिल्डिंग मैटेरियल एंड सेनेटरी वेयर कं. लि. द्वारा समर्थित निर्यातक के रूप में अपने नाम को शामिल करने की माँग की थी। बाद में यह अनुरोध वापस ले लिया गया था और मामला बंद हो गया था।

(iii) हितबद्ध पार्टियों सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण करने और उसमें उपलब्ध दस्तावेजों को नोट करने के लिए स्वतंत्र थीं।

(iv) मै. एच एंड आर जॉनसन ने अपने इस विवरण के समर्थन में कोई वास्तविक साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है कि न्यू शिपर जांच की शुरुआत हेतु पूर्व शर्तों के बारे में आरंभिक घोषणाएं गलत और भ्रामक हैं तथा वास्तविक सूचना का वर्तमान कार्यवाही की ग्राह्यता पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है, को प्राधिकारी से छिपाया गया है।

(v) यह तथ्य कि उत्पादक कंपनी मै. फोशान लिहुआ ने मूल जांच अवधि में प्रश्नावली का उत्तर दायर किया था जो प्राधिकारी के रिकॉर्ड में है और इसकी जांच शुरुआत के चरण पर जांच की गई थी।

(vi) यह कंपनी वर्ष 1992 में नन हाई लिहुआ सुपिरियर वॉल एंड फ्लोर टाइल्स फैक्टरी के रूप में निगमित की गई थी जिसका नाम बदलकर जनवरी, 2001 में ननहाई लिहुआ सिरैमिक इंड. कं. लि. कर दिया गया था। 19 जून, 2003 को इस कंपनी का नाम पुनः बदलकर फोशान लिहुआ सिरैमिक इंड. कं. लि. कर दिया गया था। दिनांक 25 सितम्बर, 2003 के आवेदन के आधार पर इस कंपनी का नाम पुनः बदलकर फोशान लिहुआ सिरैमिक कं. लि. कर दिया गया था। नाम में परिवर्तन से यह पता नहीं चला था कि कंपनी के गठन में कोई परिवर्तन हुआ है क्योंकि न तो शेयरधारकों या उनकी शेयरधारिता में कोई परिवर्तन हुआ है और कंपनी स्थापना के बाद एक निजी कंपनी बनी रही है।

(vii) इस आरोप का कोई आधार नहीं है कि जांच की भविष्यलक्षी अवधि निर्धारित करने के लिए कीमत का खंडन करने हेतु निर्यातक को अवसर प्रदान किया जाए। इस बात की पुष्टि करते हुए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि सामान्य मूल्य या निर्यात कीमत का किसी रूप में खंडन किया गया है। इस संबंध में माननीय उच्च न्यायालय ने रिट याचिका का निपटान करते समय 14 मई, 2008 के अपने निर्णय में यह मत व्यक्त किया था कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 की भाषा और उसका उद्देश्य प्रथम दृष्ट्या न्यायाधिकरण द्वारा निकाले गए निष्कर्ष का समर्थन करना नहीं है तथापि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जांच की भविष्यलक्षी अवधि के मुद्दे पर माननीय सैस्टेट के आदेशों के खिलाफ एसएलपी दायर की है।

(viii) जहाँ तक उनकी प्रश्नावली दायर करने के लिए आयातक को बुलाने का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी प्रश्नावली का उत्तर दायर करने के लिए असंबद्ध आयातक पर जोर नहीं डाल सकता।

(ix) मै. एच एंड आर जॉनसन ने ऐसा कोई वास्तविक साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है कि न्यू शिपर्स द्वारा निर्यात कीमत में ऐसी छेड़छाड़ की गई है जिसकी अन्य स्रोतों से प्रति-जाँच करने की जरूरत है।

(x) आवेदकों ने जांच की शुरुआत से पूर्व आवेदकों अर्थात् फोशान लिहुआ सिरैमिक्स कं. लि., चीन जन. गण. (उत्पादक), फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि. (निर्यातक), अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापूर (निर्यातक) के व्यापार लाइसेंस उपलब्ध कराए और सूचना से इस बात की किसी भी प्रकार पुष्टि नहीं हुई कि जांच की शुरुआत या जांच निरर्थक है।

(xi) प्राधिकारी का मानना है कि प्राधिकारी ने स्वयं को इस तथ्य से प्रथम दृष्ट्या संतुष्ट कर लिया है कि आवेदक न्यू शिपर समीक्षा जांच शुरू करने से पूर्व नियम 22 के अंतर्गत निर्धारित शर्तों को पूरा करते हैं। जांच शुरुआत के बाद विस्तृत जांच की गई थी ताकि यह सिद्ध किया जा सके कि क्या आवेदक नियम 22 के अंतर्गत निर्धारित अपेक्षा को पूर्णतः पूरा करते हैं और अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जा सके।

(xii) जहाँ तक मै. एचआर जॉनसन द्वारा दिए गए इस तर्क का संबंध है कि उत्पादक ने अपने इस दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि भारत को निर्यातित और अन्य देशों को निर्यातित वस्तु के बीच कोई अंतर नहीं है। यह नोट किया जाता है कि न्यू शिपर्स ने क्रमशः पॉइण्ट 1 और 2 के प्रपत्र में सूचना प्रस्तुत की है जिसमें सौदा-दर-सौदा आधार पर आकार/ग्रेडों के बारे में निहित हैं। फोशान लिहुआ सिरैमिक्स ने जांच अवधि के दौरान भारत को हुए निर्यात सहित निर्यातों के लिए फोशान हेनरी ट्रेडिंग द्वारा की गई बिक्री के बारे में सूचना दायर की है।

(xiii) जहाँ तक इस मुद्दे का संबंध है कि निर्यात किए जाने के लिए प्रस्तावित मात्रा का कोई उल्लेख प्राधिकारी के समक्ष नहीं किया गया है। यह नोट किया जाता है कि आवेदकों द्वारा किए जाने के लिए प्रस्तावित निर्यात की मात्रा को पूर्व निर्धारित करने की कोई जरूरत नहीं होती है।

(xiv) जहाँ तक इस तर्क का संबंध है कि प्राधिकारी के लिए आवधिक समीक्षाएं करना अपेक्षित है प्राधिकारी नोट करते हैं कि सेरटेट ने इस मुद्दे पर पहले ही निर्णय दे दिया है।

(xv) मॉफ्कॉम द्वारा की गई न्यू शिपर समीक्षा कार्यवाही ने चीन के संहिताबद्ध नियमों के अनुसार न्यू शिपर समीक्षा की कार्यवाही शुरू करने से पूर्व भी चीन के घरेलू उद्योग को मॉफ्कॉम द्वारा प्रदत्त अवसर और ऐसा अवसर भारत में घरेलू उद्योग को प्रदान न किए जाने का संबंध है, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने नोट किया है कि मै. एचआर जॉनसन ने जांच शुरुआत की सार्वजनिक सूचना के जारी होने के बाद भी कोई टिप्पणी देने का कोई प्रयास नहीं किया था जिसमें 40 दिन का समय दिया गया था। कंपनी ने सुनवाई के बाद लिखित अनुरोध के चरण तक कोई टिप्पणी दायर नहीं की।

(xvi) अंजनेय ट्रेडिंग के रिकॉर्डों के सत्यापन से कटवारिया सहाय, दिल्ली से प्रचालित एक अन्य फर्म अंजनेय के साथ किसी संबंध का खुलासा नहीं हुआ है।

(xvii) जहाँ तक नियम 22 के संभावित दुरुपयोग का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि "न्यू शिपर्स" की वास्तविकता के यथोचित जांच करके इन उपकरणों का दुरुपयोग नहीं किया जा रहा है। प्राधिकारी को इस बात की जांच करने की जरूरत है कि ऐसे आवेदक निर्यातक देश में ऐसे निर्यातकों या उत्पादकों से संबंधित नहीं हैं जिन पर

पाटनरोधी शुल्क लागू है। ऐसे आवेदकों के लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण इस बात की पुष्टि करने वाले ऐसे आवेदकों पर निर्भर करता है कि वे पाटनरोधी शुल्क के अधीन किसी निर्यातक से संबंधित नहीं हैं। जहाँ तक न्यू शिपर्स द्वारा की गई संभावित झूठी घोषणाओं का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि मामले के तथ्यों की जांच करने के बाद अब तक प्राधिकारी की जानकारी में इस मामले में की गई जांच में नियम 22 के किसी गलत उपयोग या दुरुपयोग का मामला नहीं आया है। इसके अलावा, प्राधिकारी को जांच की प्रक्रिया के दौरान न्यू शिपर द्वारा किसी दुरुपयोग की जानकारी नहीं हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि नियमों में ही इस संबंध में पर्याप्त रक्षोपाय का प्रावधान है जहाँ यह प्रावधान किया गया है कि प्रत्येक मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के अनुसार ऐसे आयातकों से ऐसे बंधपत्र या गारंटी, जैसा केन्द्र सरकार उचित समझे, प्रस्तुत करने के लिए कहा जाए।

### गोपनीयता के मुद्दे की जांच

18. निर्दिष्ट प्राधिकारी यह मानते हैं कि मै. एचआर जॉनसन ने मौखिक सुनवाई के बाद दायर लिखित अनुरोधों और अपने उत्तर संबंधी अनुरोधों में कई स्थानों पर आवेदकों द्वारा सूचना की गोपनीयता के मुद्दे को उठाया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी आगे यह मानते हैं कि माननीय सेस्टेट ने एचआर जॉनसन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में दिनांक 19.05.2005 के आदेश में यह मत व्यक्त किया है कि :

- i) नियम 7(1) के अनुसार गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना को केवल तब गोपनीय माना जाएगा जब निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता के बारे में संतुष्ट हो।
- ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए तकनीकी रूप में किसी पार्टी द्वारा सूचना को गोपनीय रखे जाने की मंशा व्यक्त किए जाने के कारण ही उसके द्वारा प्रदत्त सूचना को गोपनीय मानना अपेक्षित नहीं है।
- iii) निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना की प्रकृति तथा क्या ऐसी सूचना को कानून, परंपरा या प्रथा के अनुसार गोपनीय माना जाता है जैसे विभिन्न कारकों के आधार पर सूचना की गोपनीयता के बारे में संतुष्ट करना होता है।
- iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस विशेष मामले में गोपनीयता के संबंध में कोई औपचारिक आदेश पारित नहीं किया है।

19. प्राधिकारी यह मानते हैं कि नियम 7(1) में यह प्रावधान है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सूचना की गोपनीयता के बारे में संतुष्ट हो जाने के बाद ही गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना को गोपनीय माना जाएगा। नियम 7(1) में निर्दिष्ट प्राधिकारी पर यह दायित्व भी डाला गया है यदि प्राधिकारी गोपनीयता के बारे में संतुष्ट हो जाता है तो ऐसी सूचना को ऐसी सूचना प्रदाता पार्टी के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पार्टी के समक्ष प्रकटित नहीं किया जाएगा।

20. इसके अलावा, नियम 7(2) में यह उल्लेख है कि प्राधिकारी गोपनीय सूचना प्रदान करने वाली पार्टियों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने की माँग कर “सकते” हैं। यह भी प्रावधान है कि यदि ऐसी गोपनीय सूचना का सारांश व्यवहार्य न हो तो हितबद्ध पार्टी इस आशय के कारणों का एक विवरण प्रस्तुत कर सकती है कि इसका सारांश क्यों संभव नहीं है।

21. इसके अलावा, नियम 7(3) में यह प्रावधान है कि यदि प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है और जहाँ सूचना प्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने अथवा सामान्य रूप में या सारांश रूप में उसका प्रकटन करने का प्राधिकारी देने का इच्छुक नहीं है वहाँ प्राधिकारी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।

22. उपर्युक्त के भट्टेनजर प्राधिकारी ने हितवद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए आवेदक के गोपनीयता के दावे की जांच की है। जांच करने के बाद प्राधिकारी ने प्राप्ति के लागत, वित्तीय संबंधी सूचना तथा व्यापार संवेदनशील स्वरूप की सूचना को गोपनीय माना है।

### निर्यात मूल्य निर्धारित कीमत के निर्धारण और पाटन मार्जिन की गणना हेतु कार्य प्रणाली

#### के. जे. वनर जॉनसन के विचार

23. चीन " गैर-बाजार आधारित देश " है और इसे मूल जांच में ऐसा ही माना गया है। विशिष्ट प्राधिकारी द्वारा किया गया ई.ड. के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई व्याख्या के अनुसार अलग-अलग सामान्य मूल्य प्रदान नहीं किया जा सकता।

24. आईएल बनान निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार प्रत्येक देश के लिए केवल एक सामान्य मूल्य हो सकता है। कोई निर्यातक-विशिष्ट या अन्य मूल्य निर्धारित नहीं किया जा सकता। अतः नियम 8(3) का सहाय लेने का प्रश्न नहीं पड़ता। प्राधिकारी उस सामान्य मूल्य को ही ले सकते हैं जिसका निर्धारण मूल जांच में चीन के मूल्य किया गया है क्योंकि वह सर्वोच्च न्यायालय में जांच अवधि के दौरान प्रचलन में था।

#### निर्यातक, आवेदक (न्यू रिप्ले) के विचार

25. भारत के संबंध में आवेदक तथा प्रतिवक्षी पार्टियों के विचार इस प्रकटन के अनुबंध I में प्रस्तुत किए गए हैं।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

26. प्राधिकारी यह मानते हैं कि इस नियम के अंतर्गत सामान्य मूल्य निम्नानुसार परिभाषित है :

अनु(1)(ग) के(बी) वस्तु-वस्तु से " सामान्य मूल्य " का तात्पर्य है-

(क) समान वस्तु के लिए निर्यात की साधारण प्रक्रिया ने तुलनीय कीमत जब वस्तु निर्यातक देश का उद्योग क्षेत्र में उपभोग से बाहर हो जाता कि उप-धारा (ब) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारण किया गया हो।

(ख) निर्यातक देश का उद्योग क्षेत्र के घरेलू बाजार में प्रचलन की साधारण प्रक्रिया में समान वस्तु को कोई विक्रियां न हो सकें कि निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र के घरेलू बाजार में बाजार की वस्तु विक्रियां या विक्रियां को उद्योग क्षेत्र के कारण ऐसी विक्रियां के उचित तुलना की अनुमति न मिले। सामान्य मूल्य या तो

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधि कीमत जब वस्तु निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र या किसी उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात की गई हो जैसा कि उप- धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारण किया गया है; या

(ख) प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों और लाभों के लिए यथोचित वृद्धि के साथ- साथ उद्गम के देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत होगी, जैसा कि उप- धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारण किया गया है;

बशर्त उद्गम के देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में और जहाँ निर्यात के देश के जरिए वस्तु का केवल वाहनान्तरण किया गया हो या जहाँ निर्यात के देश में ऐसी वस्तु का उत्पादन न किया जाता हो या निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत न हो, तो सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम के देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा । "

26.1 यद्यपि यह स्पष्ट है कि प्राधिकारी को व्यापार की सामान्य प्रक्रिया की जांच करनी होती है जिसके लिए उत्पादन लागत से संबंधित सूचना महत्वपूर्ण है तथापि यह नोट किया जाता है कि आवेदक ने जांच की कार्यवाही के दौरान ऐसी संबद्ध वस्तु के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं जिसका भारत को निर्यात किया गया है और जिसका उत्पादन तो किया गया है किंतु भारत को बिक्री नहीं की गई है । जांच की कार्यवाही के दौरान यह नोट किया गया था कि मै. फोशान लिहुआ सिरैमिक्स कं. लि. ने पर्याप्त घरेलू बिक्री की है ।

27. जहाँ तक सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु न्यू शिपर समीक्षा मामलों में रिलायंस मामले में दिए गए माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय को लागू करने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सेस्टेट ने 27.8.2007 के अपने निर्णय में यह माना है कि रिलायंस मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय का अभिमत नियम 22 के अंतर्गत न्यू शिपर समीक्षाओं में लागू नहीं होता है ।

28. सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(2) के अनुसार इस अनुमान के आधार पर आगे कार्यवाही की है कि ऐसा कोई देश गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है जिसका निर्दिष्ट प्राधिकारी या किसी डब्ल्यूटीओ सदस्य के सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस जांच से पूर्व की तीन वर्ष की अवधि के दौरान किसी पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित किया गया है या ऐसा माना गया है । पिछले तीन वर्षों में ईयू तथा अमरीका जैसे डबल्यूटीओ सदस्यों ने पाटनरोधी जांचों में चीन जन. गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है । इस मामले में चीन जन. गण. की जांच गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में करने का प्रस्ताव है ।

29. प्राधिकारी ने मै. फोशान लिहुआ सिरैमिक्स कं. लि. (उत्पादक) तथा फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि. (निर्यातक), चीन और अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर (निर्यातक) को बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार (एमईटी) संबंधी प्रश्नावलियाँ और निर्यातक प्रश्नावलियाँ भेजीं । उन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के दावे के समर्थन में उत्तर दायर किए और भारत से भिन्न देशों को संबद्ध वस्तु के निर्यात के आधार पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 1 से 6 के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण का अनुरोध किया क्योंकि उनके घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई थी । एमईटी व्यवहार के उनके दावे के मद्देनजर प्रतिवादी उत्पादक तथा निर्यातक के परिसरों का मौके पर सत्यापन किया गया था । चीन के उत्पादक ने इस आधार पर अलग व्यवहार का दावा किया है कि वह राज्य के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप या उनके व्यापार

कार्यकलाप पर प्रभाव के बिना बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति में प्रचालन कर रहा है। भले ही देश में प्रचलित अर्थव्यवस्था की स्थिति कुछ भी हो।

30 पाटनरोधी जांच में चीन जन. गण. मूल की आयातों के बारे में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार किया जाएगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में यह प्रावधान है कि :

"गैर-बाजार देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकल्पित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहाँ यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा।"

30.1 इसके अलावा, पाटनरोधी नियमावली (यथासंशोधित) के अनुबंध 1 के पैरा 8 में यह प्रावधान है कि :

"8.1(1) गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश " शब्द का अर्थ है कि कोई देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत हानि के बाजार सिद्धांतों को लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं। इसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की विक्रियाँ उप पैराग्राफ 3 में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य का दर्शाती हैं।

(2) यह परिकल्पित किया जाएगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू टी ओ के किसी सदस्य के सक्षम प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू टी ओ के किसी सदस्य के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

परंतु यह और कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश की संबंधित फर्मों द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी को ऐसी सूचना या साक्ष्य जिससे यह सत्यापित होता हो कि उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर वह देश गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है, प्रस्तुत करके ऐसी परिकल्पना का विरोध कर सकते हैं।"

31 यह नोट किया जाता है कि आवेदकों ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(3) में दिए गए उल्लेख के अनुसार सक्षम और सूचना प्रस्तुत की है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि उक्त

(क) पद्योगिकी की कच्ची सामग्रियों की लागत और श्रम, निविष्टि विक्रियाँ और निवेश समेत कीमतों, लागतों और निविष्टियों के बारे में ऐसे देश में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य के अधिकार हस्तक्षेप के बिना क्या प्रमुख निष्ठियों की लागत बाजार मूल्यों का पर्याप्त रूप से प्रदर्शित करता है,

(ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसम्पत्तियों के मूल्य अथवा अन्य बट्टे खातों दस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान

के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;

(ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और सम्पत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और

(घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है ।

परंतु यह और कि जहां इस पैराग्राफ में दिए गए मानदंडों के आधार पर पर्याप्त साक्ष्यों द्वारा लिखित में यह दर्शाया गया हो कि पाटनरोधी जांचाधीन एक या अधिक फर्मों में बाजार संबंधी स्थितियाँ विद्यमान हैं, प्राधिकारी इस पैराग्राफ में निर्धारित सिद्धांतों के स्थान पर पैरा 1-6 में निर्धारित सिद्धांतों को लागू करेंगे ।

32. आवेदक के पास स्वामित्व, प्रबंधन, नियंत्रण, वाणिज्यिक एवं व्यापार नीतियों के निर्धारण तथा वित्तीय स्थिति आदि से संबंधित विस्तृत प्रश्न भेजे गए थे । न्यू शिपर द्वारा दायर उत्तरों का विश्लेषण किया गया था ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि आवेदक ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश में प्रचलित स्वतंत्रता की तुलना में चीन की सरकार से स्वतंत्रता के किस स्तर का उपयोग किया है । आवेदक ने मै. फोशान लिहुआ सिरैमिक्स कं. लि. (उत्पादक) और फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि. (निर्यातक), चीन तथा अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर (निर्यातक) के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई । प्राधिकारी ने आवेदकों से निम्नलिखित मापदण्डों के बारे में सामान्य और कुछेक विशिष्ट सूचना माँगी :

- स्वामित्व के ब्यौरे
- शेयर धारिता की पद्धतियाँ
- प्रवर्तक/नियंत्रक कंपनी/कंपनियों से संबंधित सूचना
- निदेश मंडल का गठन, उनकी विधिक स्थिति तथा उनमें प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति/पक्षकार
- कच्ची सामग्री की निविष्टि तथा लागत
- किसी न्यूनतम मजदूरी की मौजूदगी अथवा अन्यथा राज्य द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी संबंधी शर्त और क्या उद्यम बाजार मांग के अनुसार मजदूरी निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र है
- उत्पादन सुविधाएं एवं लागत
- ऋण एवं सब्सिडियाँ
- वस्तु विनिमय व्यापार/प्रति व्यापार
- लाभ वितरण
- दिवालियापन तथा संपत्ति कानून
- विनिमय दर परिवर्तन

33. आवेदक कंपनियों के परिसरों पर सत्यापन 2 मार्च, 2009 से 6 मार्च, 2009 तक किया गया था । निर्यातकों से वर्तमान एवं गत स्वामित्व स्थापना की तारीख, शामिल उत्पाद, कंपनियों की स्थापना के तरीके, निधियों के स्रोत आदि सहित समस्त संबद्ध कंपनियों के पूर्ण ब्यौरे उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था ।

34. यह देखा गया था कि मै. फोशान लिहुआ सिरैमिक्स द्वारा उत्पादन की जिम्मेवारी ली जा रही है जबकि फोशान हेनरी ट्रेडिंग निर्यात कार्यकलाप करती है।

35. इस बात की जांच करने के लिए कि क्या संसाधनों के आवंटन तथा आवेदक के निर्णयों पर राज्य का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष कोई प्रभाव या हस्तक्षेप रहता है, आवेदक के स्वामित्व के पद्धति की जांच की गई थी। इस संबंध में, हितबद्ध पार्टियों के दावों/प्रतिक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए सत्यापन किया गया था। प्राधिकारी ने इन कंपनियों के निदेशक मंडल की संरचना, बोर्ड में व्यक्तियों की पहचान, उनके कार्य, इन व्यक्तियों द्वारा धारित अन्य पद आदि की जांच की गई थी ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि कंपनियों के प्रबंधन तथा कार्यकरण में राज्य का कोई हस्तक्षेप या भागीदारी है। प्राधिकारी ने निदेशक मंडल की संरचना, पर्यवेक्षण बोर्ड, महाप्रबंधक, उनके कार्य एवं शक्तियों, नियुक्ति एवं निरसन, नियुक्ति आदि के मामले में कंपनी की स्वायत्तता और ऐसी कंपनियों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से राज्य या राज्य के स्वामित्व वाले/नियंत्रित व्यक्तियों/निकायों की भूमिका, यदि कोई हो, से संबंधित संगत प्रावधानों पर भरोसा किया था।

36. यह पाया गया है कि मै. फोशान लिहुआ सिरैमिक्स कं. लि. (उत्पादक), फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि., चीन जन. गण. (निर्यातक) के पास राजा शेयरधारिता है अर्थात् शेयरधारिता पर कुल्लेवा सामान्य व्यक्तियों का नियंत्रण है। इन कंपनियों के शेयरधारक चीन की पहचान रखने वाले निजी व्यक्ति हैं।

37. बाजार अर्थव्यवस्था के दृष्टि से संबंधित सूचना और निम्नलिखित प्रश्नावली के उत्तर में निहित सूचना का सत्यापन किया गया है ताकि निम्नलिखित पहलुओं को शामिल किया जा सके :-

- (क) कंपनी समूह (समस्त संबद्ध कंपनियों सहित) की विधिक संरचना
- (ख) कंपनी समूह के कार्यकलाप एवं अंतर्संबंध यदि कोई हो
- (ग) भारतीय पाटनशेही नियमावली के नियम 1(8) में शूचीबद्ध मापदंडों में निहित जांच की पूर्ति
- (घ) कंपनी समूह (समस्त संबद्ध कंपनियों सहित) की भूतारतन संरचना
- (ङ) प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत आंकड़े/सूचना
- (च) मौके पर मॉगी गई अन्य विविध सूचना

### आवेदकों की विधिक संरचना

38. प्राधिकारी ने आवेदक की विधिक संरचना का सत्यापन किया और निम्नानुसार नोट किया है।

39. यह कंपनी ननहाई लिहुआ सुपीरियर वॉल एंड फ्लोर टाइल्स फैक्ट्री के रूप में वर्ष 1992 में निगमित की गई थी। मै. ननहाई लिहुआ सुपीरियर वॉल एंड फ्लोर टाइल्स फैक्ट्री के पक्ष में जारी 21 सितम्बर, 1992 के उद्योग एवं वाणिज्य के ननहाई प्रशासन ब्यूरो द्वारा जारी व्यापार लाइसेंस संख्या 1992 की \*\*\* प्रति का सत्यापन किया गया था। व्यापार लाइसेंस के अनुसार पंजीकृत पूंजी \*\*\* मि. आरएमबी थी और कंपनी को सिरैमिक उत्पादों के व्यापार क्षेत्र के साथ एक निजी उद्यम दर्शाया गया था। 15 जनवरी, 2001 के व्यापार लाइसेंस सं. \*\*\* का भी सत्यापन किया गया था जिसमें कंपनी को \*\*\* मि. आरएमबी की पूंजी वाली एक निजी कंपनी के रूप में दर्शाया गया था और व्यापार क्षेत्र पॉलिश की गई पोर्सिलेन टाइलों के निर्माण, बिक्री और निर्यात के रूप में दर्शाया गया था। इस समय यह व्यापार लाइसेंस लागू है।



40. दिनांक 14 अगस्त, 1992 की सीपीए की पूंजी सत्यापन रिपोर्ट की प्रति का भी सत्यापन किया गया था जिसमें यह उल्लेख है कि \*\*\* मि. आरएमबी की कंपनी की पंजीकृत पूंजी में अलग-अलग पाँचों शेयरधारकों का समान योगदान है। पूंजी मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार उपर्युक्त शेयरधारकों ने \*\*\* में खाता सं. \*\*\* में पूंजी धनराशि जमा की थी। कंपनी ने उपर्युक्त सभी शेयरधारकों की चीन की पहचान भी प्रस्तुत की।

41. कंपनी वर्ष 1992 में जारी मूल प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं करा सकी क्योंकि यह स्पष्ट किया गया था कि वर्ष 1998 में आई बाढ़ के कारण अधिकांश कागजात बह गए थे। इसकी पुष्टि हेतु कंपनी ने इसके समर्थन में बीमा दावे से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। दावे के इस दस्तावेज के अनुसार बाढ़ के कारण हुई हानि लगभग \*\*\* मि. आरएमबी की थी जिसमें \*\*\* मि. आरएमबी की नियत परिसम्पत्ति एवं उपकरण तथा \*\*\* मि. आरएमबी के चल स्टॉक के रूप में वर्तमान परिसम्पत्ति शामिल थी। कंपनी ने बीमा कंपनी से \*\*\* मि. आरएमबी का दावा प्राप्त किया। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि यह कारखाना वर्ष 1992 के अंत से एक सिरैमिक विनिर्माता है और इसने अगस्त, 1993 में उत्पादन शुरू किया है।

42. कंपनी ने उद्योग एवं वाणिज्य के ननहाई प्रशासन ब्यूरो, जिकिआओ शाखा द्वारा जारी प्रमाण पत्र की एक फोटो प्रति भी प्रस्तुत की जिसमें यह उल्लेख किया गया कि नन हाई लिहुआ सुपिरियर वॉल एंड फ्लोर टाइल्स फैक्टरी का नाम बदलकर जनवरी, 2001 में ननहाई लिहुआ सिरैमिक इंड. कं. लि. कर दिया गया था। 19 जून, 2003 को कंपनी के आवेदन पर उद्योग एवं वाणिज्य प्रशासन, ननहाई जिला, फोशान सिटी द्वारा जारी उद्योग पंजीकरण अनुमोदन अधिसूचना द्वारा इसका नाम पुनः बदलकर फोशान लिहुआ सिरैमिक इंड. कं. लि. कर दिया गया था। दिनांक 25 सितम्बर, 2003 के आवेदन के आधार पर इस कंपनी का नाम पुनः बदलकर फोशान लिहुआ सिरैमिक कं. लि. कर दिया गया था। नाम में परिवर्तन से यह पता नहीं चला था कि कंपनी के गठन में कोई परिवर्तन हुआ है क्योंकि न तो शेयरधारकों या उनकी शेयरधारिता में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

43. वर्ष 2005 में कंपनी ने निर्यात शुरू करने का निर्णय लिया और इस प्रयोजनार्थ फोशान लिहुआ सिरैमिक्स (उत्पादक) की निर्यात शाखा के रूप में मै. फोशान हेनरी ट्रेडिंग का गठन किया गया था। मै. फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि. 29 अप्रैल, 2005 को निगमित हुई थी। फोशान हेनरी कं. लि. के व्यापार लाइसेंस से \*\*\* मि. आरएमबी की पंजीकृत पूंजी का पता चलता है। व्यापार के क्षेत्र का उल्लेख भी वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों के आयात और निर्यात के रूप में किया गया है। आर्काइव फाइलिंग एंड रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी के मुहर से 30 मई, 2005 को जारी निर्यात लाइसेंस (विदेश व्यापार कारोबार प्रचालकों के लिए पंजीकरण प्रपत्र) का भी सत्यापन किया गया था।

44. मै. फोशान हेनरी ट्रेडिंग का मूलभूत उद्देश्य उत्पादक कंपनी के लिए निर्यात कार्यकलाप संपन्न करना है और उत्पाद की कीमत का आंतरिक हस्तांतरण अंतर्राष्ट्रीय समझौतों और दोनों कंपनियों के बीच आकस्मिकताओं के अनुसार है। मै. फोशान हेनरी ट्रेडिंग जो उत्पादक कंपनी की निर्यात शाखा है, कोई घरेलू बिक्री नहीं करती है।

45. इस बात का सत्यापन किया गया था कि क्या फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. के अलावा ऐसी कोई अन्य कंपनी है, जो उत्पादक से संबद्ध हो और जिसने संबद्ध वस्तु का व्यापार किया हो। सत्यापन के दौरान यह पाया गया था कि मै. फोशान सर्विस सिरैमिक कं. लि., फोशान और मै. फोशान विडौली सिरैमिक कं. लि., फोशान लिहुआ के सिरैमिक एवं अन्य उत्पादों के व्यापार

हेनू गठित आवेदक उत्पादक के पारिवारिक सदस्यों द्वारा धारित शेयरों के कारण फोशान लिहुआ सिरैमिक की संबद्ध कंपनियाँ हैं। ये कंपनियाँ '... आरएमबी के पूंजी अंशदान से पंजीकरण सं. '... और '... के तहत चीन के प्राधिकारियों के पास पंजीकृत हैं। यह बताया गया था कि इन कंपनियों ने आज तक कोई व्यापार प्रतिष्ठान स्थापित नहीं किया है। मै. फोशान लिहुआ सिरैमिक कं. लि. ने इस आशय का एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया है। आवेदक द्वारा जांच की शुरुआत से पूर्व इन कंपनियों के साथ संबंध का प्रकटीकरण किया था।

46. जहाँ तक भूमि का संबंध है, यह उल्लेख किया गया था कि इसे लियाकसिन विलेज कलेक्टिव एसेट्स मैनेजमेंट कमेटी, जिकियाओ टाऊन, नन्हाई जिला, फोशान सिटी से पट्टे पर लिया गया है। वर्तमान पट्टा सविदा '... वर्ष के लिए है और पट्टा किराया '... युआन प्रति वर्ग मीटर प्रति वर्ष है। कुल भू क्षेत्र '... वर्ग मीटर है।

47. निदेशक मंडल कंपनी में सर्वोच्च निकाय है। यह बोर्ड कंपनी के समस्त प्रमुख मामलों को तय करता है। प्रमुख मामले कंपनी की संस्था के अंतर्नियमों में निर्धारित नियमों के अनुसार निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित होने के बाद ही लागू होंगे। न तो सरकार का कोई हस्तक्षेप है और न ही विक्री तथा उत्पादन का कोई मात्रात्मक प्रतिबंध है।

48. मै. अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगपुर (उत्पादक) का सत्यापन भी किया गया था। यह कंपनी सिंगपुर कं. अधिनियम के अंतर्गत 16 अक्टूबर, 1997 को शेयर के अनुसार एक प्राइवेट कं. लि. के रूप में स्थापित हुई थी। आज की तारीख तक कंपनी में तीन निदेशक हैं जिनकी पूंजी '... डॉलर प्रति शेयर के शेयर मूल्य के साथ '... डॉलर की है।

49. अपनी स्थापना से ही कंपनी सामान्य थोक व्यापार (सामान्य आयातक एवं निर्यातक सहित) के रूप में व्यापार में संलग्न रही है। उनके द्वारा व्यापारित वस्तुओं में परिधान सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉच के उत्पाद हैं और नवीनतम संस्करण व्यापारिक रूप में चीनी टाइलों में व्यापार का रहा है।

50. मै. अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगपुर, मै. फोशान लिहुआ सिरैमिक कं. लि. (उसकी संबद्ध कंपनियों सहित) से या भारतीय आयातक मै. कजारिया सिरैमिक्स लि. से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित नहीं हैं। यह कंपनी भारत को '... वर्ग मीटर की '... टाइलों तथा '... वर्ग मीटर की '... टाइलों के निर्यात में एक मध्यवर्ती व्यापारी थी जिसका उत्पादन फोशान लिहुआ सिरैमिक्स चीन जन. गण. द्वारा किया गया था और चीन जन. गण. से निर्यात फोशान हेनरी ट्रेडिंग द्वारा किया गया था। वस्तु का सीधे पोतलदान चीन से भारत को किया गया था। मै. अंजनेय ट्रेडिंग, सिंगपुर ने भारतीय आयातक से पूर्ण भुगतान प्राप्त कर लिया है और चीन के निर्यातक मै. फोशान हेनरी ट्रेडिंग को सविदा की राशि अदा कर दी है।

51. **वित्तीय लेखे :** कंपनियों के बारे में यह पाया गया था कि वे सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार अपने लेखे रख रही हैं। चीन का उत्पादक और निर्यातक मासिक लाभ एवं हानि विवरण रखते हैं जिसे बैट दायर करते समय लाभ एवं हानि विवरण दायर करने के लिए अपेक्षित माना जाता है। जांच अवधि के प्रत्येक माह के लिए लाभ एवं हानि विवरण की जांच की गई थी और बैट विवरणी के साथ कंपनी द्वारा दायर लाभ एवं हानि विवरण के साथ उसकी प्रति-जांच की गई थी। चीन का उत्पादक संबद्ध वस्तु तथा अन्य वस्तु के लिए अलग लाभप्रदता निर्धारित करता है। रिकॉर्डों की जांच करने पर यह पाया गया था कि यह कंपनी संबद्ध वस्तु पर लाभ कमाने में समर्थ है। कंपनी के वार्षिक लेखों की लेखापरीक्षक नियमित लेखा परीक्षा करते हैं

और कंपनी द्वारा अनुपालित लेखा सिद्धांतों के बारे में लेखापरीक्षा रिपोर्ट में कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं पाई गई है।

52. **बिक्री कीमत :** बिक्री कीमत निर्धारण के मुद्दे की जांच की गई है। यह पाया गया था कि फोशान लिहुआ सिरैमिक कं. लि. द्वारा घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री की जा रही है और वह बाजारी माँग के अनुसार उत्पादन एवं बिक्री मुक्त रूप से तय करती है और इस संबंध में उनके रिकॉर्डों से कोई प्रतिकूल चीज नहीं पाई गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि फोशान लिहुआ सिरैमिक कं. लि. द्वारा उत्पादित वस्तु की भारत को समस्त निर्यात बिक्री में, फोशान हैनरी ट्रेडिंग कं. लि. (निर्यातक) द्वारा की गई थी। घरेलू या निर्यात कीमत के निर्धारण में राज्य की संभावित भूमिका का कोई साक्ष्य नहीं पाया जा सका। यह पाया गया है कि ग्राहक, शामिल उत्पाद की मात्रा, प्रकार आदि के अनुसार कीमत में अंतर होता है। कंपनी ने यह स्पष्ट किया था कि घरेलू और निर्यात बिक्री के लिए कोई कीमत सूची नहीं है क्योंकि यह ग्राहक-दर-ग्राहक अलग-अलग होती है जो पूर्णतः बाजार में माँग और आपूर्ति की स्थिति पर निर्भर होती है।

53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह कंपनी उत्पाद के अलग-अलग प्रकार और आकार के लिए उत्पादन लागत निर्धारित करती है। उत्पादन लागत का निर्धारण लागत लेखा सिद्धांतों को ध्यान में रखकर किया जाता है जो उत्पाद के स्वरूप और उत्पादन प्रक्रिया को देखते हुए उचित और पर्याप्त है। कंपनी वास्तविक लागत रखती है। इसके अलावा, उत्पादन लागत कच्ची सामग्री, उपयोगिताओं और अन्य कारकों की कीमतों में उतार-चढ़ाव के अनुसार माह-दर-माह अलग-अलग होती है।

54. **कच्ची सामग्री :** यह दावा किया गया था कि कच्ची सामग्री की खरीद खुले बाजार से की गई थी और राज्य कच्ची सामग्री की खरीद या कीमत निर्धारण में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं था। यह भी दावा किया गया था कि प्रमुख कच्ची सामग्री के प्रमुख आपूर्तिकर्ता न तो आवेदक कंपनियों से और न ही राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों से संबंधित हैं। किसी कच्ची सामग्री की आपूर्ति के बारे में कंपनी कोई दीर्घावधिक संविदा नहीं करती है। इसके अलावा, सामग्री कई आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त की जाती है जिसमें रेत, रसायन, पैकिंग सामग्री आदि शामिल हैं। यह पाया गया था कि कंपनी कच्ची सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं की बेहतर पसंद रखती है और बेहतर कीमत प्राप्त करने के प्रयास कर रही है।

55. **विद्युत :** यह नोट किया जाता है कि कंपनी ने बिजली की खरीद राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी मै. ग्वांग डांग पावर कंपनी, फोशान नन्हाई शाखा से की थी। चूंकि बिजली की खरीद राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों से की गई थी इसलिए प्राधिकारी ने उन टैरिफ दरों की जांच की जिन पर कंपनी बिजली ले रही थी। नमूना बीजक लेकर कंपनी द्वारा प्रदत्त टैरिफ सुनिश्चित किया गया था। यह पाया गया था कि बिजली प्रभार खपत की पद्धति और संबंधित विद्युत आपूर्तिकर्ता कंपनी द्वारा प्रभारित प्रचलित कीमत के अनुसार है। यह भी देखा गया था कि आपूर्तिकर्ता द्वारा प्रभारित कीमत अलग-अलग समयांतरालों में अलग-अलग है, व्यस्ततम समय में प्रति यूनिट कीमत सामान्य समय की तुलना में अधिक थे।

56. विनिमय दर परिवर्तनों का सत्यापन भी लेखा बहियों से किया गया था और यह पाया गया था कि निर्यात प्रेषण सौदे की तारीख को प्रचलित विनिमय दर के अनुसार चीनी मुद्रा में परिवर्तित की गई है। सत्यापन दौरे के दौरान निर्यात बीजक का सत्यापन किया गया था ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या प्राप्त की गई राशि लेखा बहियों में जमा की जा रही है। प्राधिकारी ने यह पाया कि मुद्रा परिवर्तन मौजूदा दर पर किया गया है जो कमोबेश स्थिर है। जहाँ तक घरेलू

अभिमान द्वारा चीनी मुद्रा के कम मूल्यांकन के बारे में किए गए अनुरोध का संबंध है, कोई सांख्यिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है।

57. जहाँ तक श्रमिकों का नियोजित करने का संबंध है, कंपनी ने दावा किया है कि वे रोजगार संधियों अभी निर्णय लेते हैं। श्रमिकों को किराए पर लेने के तरीके के बारे में उन्हें पूर्ण स्वतंत्रता है और वे किसी अन्य सूचना पर उन्हें बाहर भी कर सकते हैं। श्रमिकों को नियोजित करने की इस समझौते पर कंपनी और कर्मचारी के बीच निष्पादित श्रम संधि द्वारा शासित होती है। उन्होंने दावा किया कि चीन की सरकार आवास, चिकित्सा सुरक्षा आदि जैसा कोई लाभ प्रदान नहीं करती है क्योंकि कंपनी आवास मूल्या करती है और इसकी लागत को व्यय के रूप में लेखा बहियों में दर्ज करता है। वेतन प्रति माह दिया गया था जिसमें मूल वेतन तथा बेहतर कार्य हेतु प्रोत्साहन शामिल है। परंतु कर्मियों को बीमा एवं आयकर के संबंध में किए जाने का दावा किया गया है।

58. दिवालियापन एवं संपत्ति वस्तुओं की जांच की गई थी और यह पाया गया था कि कंपनी स्वतंत्रता के अर्जन हेतु स्वतंत्र है। कंपनी का दावा था कि किसी कर्म पर दिवालिया कानून तब लागू होता है जब कोई कर्म दिवालिया हो जाती है और बकाया राशि के निपटान से संबंधित ब्यौरे दिवालिया कानून के अंतर्गत दिवालिया कानून द्वारा शासित होते हैं। चीन के दिवालिया कानून तथा भारत के संपत्ति कानून के अंतर्गत व्यवधान का कोई साक्ष्य सत्यापन की कार्यवाही के दौरान नहीं मिल पाया।

59. वित्त व्यय : उत्पादन सुविधाएं शुरू करते समय फॉशन विद्युत सिरेमिक कं. लि. के पास शक्ति संधि से वित्तपोषित केवल एक उत्पादन लाइन है। कंपनी ने यह बताया था कि उसने समय-समय पर क्षमता बढ़ाई है जो वर्ष 2000 में विचारधीन उत्पाद के संबंध में कुल 6 लाइनें हो गई थी। वर्षों तक विचारधीन उत्पाद का संबंध है उस समय से लेकर आज की तारीख तक क्षमता में कोई वृद्धि नहीं हुआ है। निवेदन की प्रकृत के अनुसार शेयर धारक अपनी व्यक्तिगत निधियों से बकाया की अग्रिम प्रदान करते हैं। तूफ़ि ये निधियाँ ब्याज मुक्त प्रदान की जाती हैं इसलिए जाँच प्रकृत के दौरान बकाया इस प्रकार की निधियों के लिए बैंक दर पर ब्याज लागत निकालकर उसे स्वतंत्रता की उत्पादन लागत में जोड़ा गया है।

60. अल्ट्रापुट-उत्पाद : इस बात का सत्यापन किया गया था कि क्या उत्पादन के संबंध में कंपनी का कोई नियंत्रण या हस्तक्षेप है। यह सत्यापन किया गया था कि कंपनी बाजारी माँग और क्षमता के अनुसार विभिन्न आकारों और शृंखलाओं का उत्पादन करती है। यह देखा गया है कि उत्पादन पर शक्ति का कोई नियंत्रण नहीं है। कंपनी जरूरत और बाजारी स्थिति के अनुसार क्षमता को उत्पादन बढ़ा सकती है। कंपनी जरूरत के अनुसार किसी आकार या प्रकार का उत्पादन करने में पूर्ण स्वतंत्र है और उत्पादन में कोई निर्देशन या नियंत्रण नहीं है।

61. विक्री भावना : इस बात का सत्यापन किया गया था कि क्या कंपनी उस कीमत पर बाजार में उत्पाद संधि में उत्पाद की विक्री करना के लिए स्वतंत्र है जिससे वह बाजार में प्राप्त कर सकती है। इसका इस संबंध में सत्यापन का कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष स्पष्ट या अस्पष्ट हस्तक्षेप है। यह सत्यापन किया गया था कि कंपनी अपने कीमत पर बाजार में उत्पाद की विक्री करती है और इस समय में भारतीय राज्य की सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। सत्यापन के दौरान इस दावे के प्रमाण कोई बात नहीं देखा गया। विचारधीन उत्पाद के लिए परिशिष्ट 1 के विश्लेषण से यह देखा गया है कि कंपनी बाजारी स्थितियों के अनुसार विभिन्न आकारों को धरेलू बाजार में संबंधित उत्पादों की विक्री कर रही है और राज्य या प्रान्तीय सरकार की कोई मुद्रिका नहीं है। प्रत्येक प्रकार

के संबंध में आगे और विश्लेषण किया गया है जिससे यह पता चलता है कि कंपनी माँग के अनुसार संबंधित उत्पाद के विभिन्न आकारों और शृंखलों की बिक्री कर रही है।

62. निम्नलिखित और मापदंडों का सत्यापन किया गया था :

(i) परिसम्पत्तियों का मूल्य ह्रास : कंपनी के मूल्य ह्रास लेखों का सत्यापन किया गया था और यह पाया गया था कि कंपनी अपनी परिसम्पत्तियों का मूल्य ह्रास कर रही है जो जीएएपी के अनुरूप प्रतीत हुआ। नीति के अनुसार मूल्य ह्रास बहियों में दर्ज किया जा रहा है और यह सतत रूप से लागू किया जा रहा है। कंपनी समस्त परिसम्पत्ति लेखा बहियों में मूल्य ह्रास प्रभारित कर रही है। मूल्य ह्रास उत्पादन लागत का भाग पाया गया है।

(ii) बट्टा खाता : यह पाया गया है कि कंपनी क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों तथा अशोध्य ऋणों के लिए बट्टा खाता नीति अपनाती है।

(iii) वस्तु विनिमय व्यापार : सत्यापन की कार्यवाही के दौरान किसी प्रकार का वस्तु विनिमय व्यापार नहीं पाया गया था। कंपनी की लेखा बहियों से भी वस्तु विनिमय व्यापार का कोई संकेत नहीं मिला है।

(iv) ऋण क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान : ऋण क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान का कोई साक्ष्य नहीं मिला था। कंपनी की लेखा बहियों से भी ऋण क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान का कोई संकेत नहीं मिला है।

### सामान्य मूल्य

63. धारा 9क(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

(i) समान वस्तु के लिए व्यापार की साधारण प्रक्रिया में तुलनीय कीमत जब वस्तु निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र में उपभोग के लिए हो जैसा कि उप- धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारण किया गया है; या

(ii) जब निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की साधारण प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्रियां न हों अथवा जब निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र के घरेलू बाजार में बाजार की विशेष स्थिति या बिक्रियों की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्रियों से उचित तुलना की अनुमति न मिले, सामान्य मूल्य या तो

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधि कीमत जब वस्तु निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र या किसी उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात की गई हो जैसा कि उप- धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारण किया गया है; या

(ख) प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों और लाभों के लिए यथोचित वृद्धि के साथ- साथ उद्गम के देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत होगी, जैसा कि उप- धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारण किया गया है;

64. प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क(1)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ फोशान लिहुआ सिरैमिक्स कं. लि. (उत्पादक), फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि. (निर्यातक), अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर (निर्यातक) को निर्यातक प्रश्नावली भेजी। प्रश्नावली के उत्तर में न्यू शिपर्स ने निर्यातक प्रश्नावली में सूचना दायर की। जांच अवधि के दौरान मै. फोशान लिहुआ सिरैमिक्स कं. लि. ने संबद्ध वस्तु का उत्पादन और भारत को उसका निर्यात किया। इस सामग्री का निर्यात फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि. तथा मै. अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि. के जरिए किया गया है। उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के लोकप्रिय आकार के दो प्रकारों का निर्यात किया है। उनके घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु के सभी आकारों/प्रकारों की समूची घरेलू बिक्री से संबंधित विस्तृत सूचना उपलब्ध कराई गई है। आवेदकों ने संबद्ध वस्तु के समस्त आकारों/मॉडलों/प्रकारों के उत्पादन की लागत का ब्यौरा भी उपलब्ध कराया है जिनका उत्पादन जांच अवधि में किया गया है। मौके पर सत्यापन की कार्यवाही के दौरान सौदे-वार घरेलू बिक्री का सत्यापन उनके रिकॉर्ड से किया गया था। घटक-वार उत्पादन लागत का सत्यापन भी किया गया था और उसका मिलान कंपनी द्वारा रखी गई लेखा बहियों से किया गया था। प्राधिकारी ने यह पाया कि घरेलू बिक्री असंबद्ध पार्टियों को की गई हैं और इन्हें सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु स्वीकार किया गया है। कंपनी के लाभ एवं हानि लेखों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि कंपनी ने जांच अवधि और कैलेंडर वर्ष के दौरान संबद्ध वस्तु की बिक्री पर समग्र लाभ कमरा है। प्रति इकाई लागत से अधिक बिक्री मात्रा (80/20 की जांच लागू कर) पर विचार करने के बाद घरेलू बिक्री के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये बिक्रियाँ व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में हुई हैं। भारत को निर्यातित तथा घरेलू बाजार में बिक्री गई विट्रीफाइड टाइलों के मॉडलों/प्रकारों के लिए लाभ योग्य सौदों हेतु भारत औसत कारखाना घरेलू बिक्री प्राप्ति पर सामान्य मूल्य निकालने के लिए विचार करने का प्रस्ताव है क्योंकि घरेलू बाजार सौदे घरेलू बाजार में हुई बिक्री के 20% से अधिक रहे थे।

65. जैसाकि ऊपर उल्लेख किया गया है, कंपनी ने जांच अवधि के दौरान भारत को विट्रीफाइड टाइलों के एक आकार के अलग-अलग मॉडलों/प्रकारों का निर्यात किया है। ऊपर उल्लिखित कारखाना की आधार पर विट्रीफाइड टाइलों के इन मॉडलों/प्रकारों के आकार-वार/मॉडल/प्रकार-वार कारखाना सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नानुसार है :-

आकार	शृंखला	सामान्य मूल्य अम. डा./वर्ग मीटर
...X...	...	...
...X...	...	...

#### निर्यात कीमत

66. प्रश्नावली के उत्तर में निर्यातकों ने परिशिष्ट 2 में जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों के बीजक-वार/आकार-वार ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। निर्यातकों ने इसके समर्थन में बीजकों की प्रतियाँ भी प्रस्तुत की हैं। भारत के लिए कारखाना निर्यात कीमत निकालने हेतु सत्यापित आंकड़ों के आधार पर समायोजनों पर विचार किया गया है और इसकी अनुमति देने का प्रस्ताव है। फोशान हेनरी कं. लि. द्वारा मै. अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि. के जरिए भारतीय ग्राहकों के लिए भारत को किए गए निर्यातों का सत्यापन गृह रिकॉर्ड से किया गया था और इसका मिलान उनके द्वारा दायर किए गए समायोजनों से किया गया था। समायोजन के दाये से संबंधित ब्यौरों का सत्यापन जांच अवधि के दौरान कंपनी द्वारा रखे गए रिकॉर्डों से किया गया था। यह पाया गया था कि निर्यात बिक्री की समग्र सशुद्ध सलाह के जरिए प्राप्त की गई है। आवेदकों द्वारा भारत को

निर्यातित विट्रीफाइड टाइल के प्रत्येक प्रकार के लिए अलग-अलग निर्यात कीमत निर्धारित की गई है। तदनुसार, निर्यात कीमत निम्नानुसार निकाली गई है।

आकार	शृंखला	कारखाना निर्यात कीमत अम. डा./वर्ग मीटर
***X***	***	***
***X***	***	***

67. उपरोक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निम्नानुसार निर्धारित किया गया है। यह पाया गया है कि निर्यातकों ने संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से अधिक कीमत पर किया है और इस प्रकार पाटन मार्जिन नकारात्मक निर्धारित किया गया है।

अम. डा./वर्ग मी.

निर्यात					
आकार	शृंखला	कारखाना निर्यात कीमत	सामान्य मूल्य	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन (%)
***X***	***	***	***	नकारात्मक	(-)नकारात्मक
***X***	***	***	***	नकारात्मक	(-)नकारात्मक
भास्ति औसत पा. मा.					(-)2.69%

68. आवेदकों का पाटन मार्जिन नकारात्मक पाया गया है।

### प्रकटन विवरण पर टिप्पणियाँ

69. प्रकटन विवरण के उत्तर में मै. एचआर जॉनसन की ओर से एपीजे-एलएसजी लॉ ऑफिस ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- (i) उच्च अपीलीय प्राधिकारियों के आदेशों के मदेनजर जांच की भविष्यलक्षी अवधि का निर्धारण कानूनन दोषपूर्ण था।
- (ii) उक्त निर्णय के खिलाफ निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा दायर एसएलपी स्वीकार्य नहीं है क्योंकि अर्धन्यायिक संस्तुतकर्ता प्राधिकारी का इसमें कोई हित नहीं है और उसके पास उसकी सिफारिश के खिलाफ पारित किसी आदेश पर अपील दायर करने का अधिकार नहीं है।
- (iii) प्रदत्त अवसर प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की जरूरत के अनुसार कारगर नहीं था। कोई नया अवसर प्रदान नहीं किया गया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध किया गया था कि वह वर्तमान कार्यवाही की स्वीकार्यता पर हमारी प्रारंभिक आपत्ति का निर्णय करें।
- (iv) लिखित अनुरोध तथा उत्तर संबंधी अनुरोधों के लिए माँगे गए दस्तावेज अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं। स्पष्ट तौर पर ये दस्तावेज कानूनी अपेक्षाओं के अनुसार उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं और ऐसे दस्तावेजों पर लिए गए निर्णय रोके जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप कानून में परिकल्पित कारगर अवसर की मनाही की गई है। इस प्रकार ऐसी कार्यवाही कानूनन दोषपूर्ण है।
- (v) उत्तर संबंधी अनुरोध न्यू शिपर्स ने दायर किए हैं। उन्हें उपलब्ध नहीं कराया गया है।

- (vi) इससे निकाले गए निष्कर्ष रिकॉर्ड में उपलब्ध सामग्री के संदर्भों के बिना न्यू शिपर्स के दावों पर पूर्णतः आधारित हैं ।
- (vii) न्यू शिपर्स ने आवेदन में संबद्ध कंपनियों के बारे में सूचना नहीं दी है । स्पष्ट तौर पर इसे वर्तमान जांच की समाप्ति के आधार पर तैयार किया गया है । हमारा हर हालत में यह अनुरोध है कि अंजनेय ट्रेडिंग ने वस्तुतः पूर्ववर्ती आवेदन दायर किया था और उसे न्यू शिपर के रूप में माना नहीं जा सका जिसकी उपेक्षा की गई है ।
- (viii) जांच अवधि 31.12.2008 को समाप्त हो गई है । निर्दिष्ट प्राधिकारी को ऐसे समय की समाप्ति से पूर्व सर्वोत्तम कारणों की जानकारी होने के कारण निर्दिष्ट प्राधिकारी ने आश्चर्यजनक ढंग से सार्वजनिक सुनवाई पहले ही निर्धारित कर दी ।
- (ix) गोपनीयता का कोई आदेश एनरित नहीं किया गया जिससे अतिरिक्त गोपनीयता के दावों की भंजरी हेतु हमारी टिप्पणियों का आधार बनाया जा सके । अतिरिक्त गोपनीयता से संबंधित हमारे अनुरोधों पर भी कार्यवाही नहीं की गयी है ।
- (x) मूल जांच में दायर प्रश्नावली का उत्तर हमें उपलब्ध नहीं कराया गया था । यह सार्वजनिक फाइल का भाग भी नहीं है ।
- (xi) यह अनुरोध कि संबद्ध कंपनियों हैं जांच की शुरुआत करते समय की गई घोषणाओं का प्रतिकूल हैं । इसके अलावा, इन संबद्ध कंपनियों के वेब साइट से यह पता चलता है कि संबद्ध कंपनियाँ संबद्ध वस्तु में शामिल हैं और इस प्रकार आवेदकों ने इस वास्तव भी निर्दिष्ट प्राधिकारी को भ्रमित किया है । मौखिक दावों को स्वीकार करने का यह आधार कि इन संबद्ध कंपनियों ने कोई व्यापार नहीं किया है भी नकार है ।
- (xii) निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए मूल जांच अवधि के लिए न्यू शिपर्स के रिकॉर्डों और निर्णायक समीक्षा जांच अवधि के लिए भी उनके रिकॉर्डों की जांच अपेक्षित थी । ऐसे आंकड़ों के अभाव में निष्कर्ष अनुमानों पर आधारित हैं और रागत सामग्री का स्थापन नहीं किया गया है ।
- (xiii) इस बात से इन्कार किया गया है कि हमने उस विवरण के समर्थन में वास्तविक साक्ष्य दायर नहीं किया है कि पूर्व शर्तों के बारे में आरंभिक घोषणाएं गलत और भ्रामक हैं ।
- (xiv) कंपनी तथा नाम में परिवर्तन आदि की सूचना के बगैर न्यू शिपर्स द्वारा दायर आवेदनों के जरिए प्रदर्शित नहीं किए गए हैं । स्पष्ट तौर पर नियम 22 के अंतर्गत जांच शुरुआत के समय वास्तविक सूचना रोक ली गई थी ।
- (xv) हमें इस बात की जानकारी नहीं है कि किस आधार पर किस वास्तविक साक्ष्य को निर्दिष्ट प्राधिकारी ने रिकॉर्ड किया है और यह कि कंपनी के गठन में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है ।
- (xvi) आयातक एक ज्ञात आयातक है और हमें आश्चर्य है कि उसे एक भी प्रश्नावली जारी नहीं की गई है । इसके अलावा, सीमाशुल्क से वास्तविक आयात कीमत का भी पता नहीं लगाया गया है जो जरूरी था क्योंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कई जांचों में यह पाया है कि निर्यातक द्वारा घोषित कीमत डीजीसीआई एण्ड एस के आंकड़ों में प्रदर्शित आयात कीमत अथवा निजी पार्टियों से प्राप्त आंकड़ों से मेल नहीं खाती है ।
- (xvii) निर्दिष्ट प्राधिकारी के इस निष्कर्ष को नोट करते हुए आश्चर्य होता है कि अंजनेय ट्रेडिंग के रिकॉर्ड से कटवारियां राशय से प्रचालित अंजनेय के साथ कोई संबंध नहीं पाया गया है । निर्दिष्ट प्राधिकारी को निर्यातक से सूचना माँगने के लिए निर्दिष्ट प्रश्न जारी करने चाहिए थे और उन्हें दिल्ली स्थित कंपनी से सूचना माँगने के लिए टेलीफोन पर पूछताछ करनी चाहिए थी । तभी कुछ तर्कसम्मत निष्कर्ष निकाले जा सकते थे ।
- (xviii) गोपनीयता से संबंधित निष्कर्ष दोषपूर्ण हैं ।
- (xix) सामान्य मूल्य के संबंध में सेस्टेट के निर्णय के आधार पर माननीय उच्चतम न्यायालय के स्पष्ट निर्णय की उपेक्षा की गई है जबकि जांच अवधि के वक्त में सेस्टेट के निर्णय की इस



आधार पर उपेक्षा की गई है कि उच्चतम न्यायालय में एसएलपी दायर की गई है। नियम 22 के अंतर्गत समूची प्रक्रिया सुविधा पर आधारित प्रतीत होती है न कि पूर्ववर्ती सिद्धांतों के आधार पर।

- (xx) गैर बाजार-अर्थव्यवस्था के बारे में दिए गए अनेक विवरण और प्रश्नावली के उत्तर हमें प्रदत्त दस्तावेजों के अगोपनीय रूपांतरण से प्राप्त नहीं होते हैं।
- (xxi) प्रकटन विवरण में उल्लिखित सूचना सार्वजनिक फाइल में दस्तावेजों की ऐसी सूची में प्रदर्शित नहीं होती है जैसी कि लिखित अनुरोध में दी गई है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे किसी दस्तावेज पर भरोसा नहीं कर सकते जो सार्वजनिक फाइल का भाग नहीं है।
- (xxii) निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा समस्त वर्तमान मामलों में अपनाए गए गोपनीयता संबंधी नए दिशानिर्देशों पर हमारे अनुरोधों की पूर्ण उपेक्षा की गई है।
- (xxiii) हमारे इस अनुरोध पर कोई जाँच परिणाम दर्ज नहीं किया गया है कि :
  - क. संयुक्त आवेदन अहस्ताक्षरित और बिना तारीख का है।
  - ख. गोपनीयता के बारे में आवेदन 59 पृष्ठों में है जबकि आवेदन का अगोपनीय रूपांतरण केवल 7 पृष्ठ में है।
  - ग. उत्पादक ने इस बात की पुष्टि हेतु रिकॉर्ड में कोई सामग्री नहीं रखी है कि उत्पादक कंपनी मूल जाँच अवधि या निर्णायक समीक्षा जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं कर सकी।
  - घ. उत्पादक कंपनी यह घोषित करने में भी विफल रही है कि उसने वस्तुतः जाँच शुरुआत के चरण पर मूल जाँच अवधि में प्रश्नावली का उत्तर दायर किया था।
  - ड. न्यू शिपर्स ने चालाकी से इस आशय की घोषणा नहीं दी है कि वे चीन के ऐसे किसी निर्यातक या उत्पादक से संबंधित नहीं हैं जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है।
  - च. निर्दिष्ट प्राधिकारी इस आशय का स्पष्टीकरण भी माँग सकते हैं कि क्या आवेदक किसी अन्य कंपनी द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित हैं या दोनों आवेदक किसी तीसरे व्यक्ति द्वारा नियंत्रित हैं।
  - छ. प्रश्नावली का त्रुटिपूर्ण उत्तर दायर किया गया था।
  - ज. हमें गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उचित उत्तर दायर करने से वंचित किया गया।
  - झ. न्यू शिपर्स से शीघ्रातिशीघ्र सूचना/दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए कहा जाए।

- (xxiv) गोपनीयता के दावों के समर्थन में कोई कारण नहीं बताया गया है।
- (xxv) गोपनीय सूचना का अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध न कराने का कोई कारण नहीं दिया गया है।
- (xxvi) इस आशय का कोई कारण नहीं दिया गया है कि सूचना सारांश हेतु व्यवहार्य क्यों नहीं है।
- (xxvii) उत्पादक कंपनी ने दावा किया है कि उन्होंने कोई निर्यात बिक्री नहीं की है। ऐसे दावे के मद्देनजर आवेदन ही स्वीकार्य नहीं है क्योंकि निर्यात बिक्री के बिना कोई पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं किया जा सकता।
- (xxviii) चीन के दोनों उत्पादक और निर्यातक ने दावा किया है कि उन्होंने वैट वापसी प्राप्त की है।
- (xxix) व्यापार व्यवस्थाओं से संबंधित एक विशिष्ट प्रश्न पर कोई उचित उत्तर दायर नहीं किया गया है।
- (xxx) कच्ची सामग्री की सूची गोपनीय रखी गई है।

- (xxxix) न्यू शिपर्स ने यह बताया है कि भारत तथा अन्य देशों को निर्यातित वस्तु के बीच कोई अंतर नहीं है। हम यह अनुरोध करना चाहेंगे कि उत्पादक या निर्यातक ने अपने दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।
- (xxxix) शामिल उत्पाद के उत्पादन में संलग्न सभी कारखानों के नाम घोषित नहीं किए गए हैं।
- (xxxix) इस समय जिस प्रपत्र में प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं उसमें प्रक्रियाओं के परिणाम तथा किए जाने के लिए अपेक्षित निर्धारणों पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालने वाले विशिष्ट प्रश्नों का उत्पादक तथा निर्यातक ने कोई उत्तर दायर नहीं किया है।
- (xxxix) संबद्ध कंपनियों के नाम घोषित नहीं किए गए हैं और यह उल्लेख किया गया है कि उन्हें उत्तर में अन्यत्र घोषित कर दिया गया है।
- (xxxix) यह उल्लेख किया गया है कि उत्पादित और घरेलू बाजार में बेची गई वस्तु तुलनीय है। हम इस बात के प्रति आश्चर्य नहीं हैं कि वे समनुरूप हैं या केवल तुलनीय हैं क्योंकि ग्रेडों/मॉडल के बारे में कोई सूचना नहीं दी गई है।
- (xxxix) व्यापार व्यवस्थाओं के बारे में किसी ब्यौरे का खुलासा नहीं किया गया है। छूट, कमीशन, रिबेट या भुगतान की शर्त के बारे में किसी ब्यौरे का खुलासा नहीं किया गया है।
- (xxxix) न्यू शिपर्स ने कंपनी द्वारा जारी वस्तु सूची या पुस्तिकाएँ उपलब्ध नहीं कराई हैं।
- (xxxix) घरेलू बाजार में बिक्री तथा भारत को निर्यात हेतु वितरण माध्यम उपलब्ध कराने अपेक्षित थे।
- (xxxix) प्रत्येक न्यू शिपर्स ने घरेलू बाजार में तथा भारत को हुए निर्यात के बारे में बातचीत की प्रक्रिया उपलब्ध नहीं कराई है।
- (xli) घरेलू बाजार में की गई बिक्री और भारत को किए गए निर्यात के मामले में तैयार किए गए/प्राप्त हुए दस्तावेजों के पूर्ण सैट का अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध नहीं कराया गया है और यह कारण नहीं बताया गया है कि इसका सारांश संभव क्यों नहीं है।
- (xli) निवेशों से संबंधित तालिका को गोपनीय होने का दावा किया गया है।
- (xlii) तुलन पत्र के बारे में गोपनीयता का दावा करने के कारण नहीं बताए गए हैं।
- (xliii) इस बात की पुष्टि नहीं की गई है कि बेची गई मात्रा, बिक्री के निबंधन एवं शर्तों, व्यापार के स्तर आदि के लिए लाभ के निर्धारण में किस प्रकार अंतर नहीं आया है। अंतर्राष्ट्रीय रूप से ऐसे कारकों की वजह से अंतर आता है।
- (xlii) खंड ट का कोई उत्तर दायर नहीं किया गया है और न्यू शिपर्स ने केवल यह उल्लेख किया है कि यह लागू नहीं होता है।
- (xlii) अनेक प्रश्नों के उत्तर में न्यू शिपर्स ने यह उल्लेख किया है कि ब्यौरे जांच शुरूआत के समय उपलब्ध कराए जा चुके हैं। कृपया नोट करें कि हमें ऐसे ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए गए हैं और इस प्रकार हम ऐसे अनुरोध करने तथा उचित उत्तर दायर करने में समर्थ नहीं हैं।
- (xlii) चीन के निर्यातक ने कंपनी के विधिक स्वरूप पर गोपनीयता का दावा किया है जिसकी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अनुमति नहीं दी जा सकती है।
- (xlii) न्यू शिपर्स का उत्तर मूल भावना के अनुसार दायर नहीं किया गया है अपितु यह प्रतीत करने के एकमात्र उद्देश्य से किया गया है कि सभी प्रश्नों के उत्तर दे दिए गए हैं।
- (xlii) प्रश्नावली के किसी भी उत्तर में निर्णायक समीक्षा जांच की अवधि के दौरान किए गए निर्यातों के बारे में तथ्यों का उल्लेख नहीं है।
- (xlii) परिशिष्ट 1, 2, 2क, 3, 3क, 3ख, 3ग, 4, 5, 6, 8 और 9 कोरे हैं और इस प्रकार कोई टिप्पणी नहीं दी जा सकती।

- (I) इस अनुरोध पर कोई जांच परिणाम दर्ज नहीं किया गया है कि उत्पादक ने यह उल्लेख नहीं किया है कि क्या यह नया संयंत्र है अथवा ऐसे किसी उत्पादक से लिया गया पुराना संयंत्र है जिस पर मूल शुल्क लागू था ।
- (li) इस अनुरोध पर कोई जांच परिणाम दर्ज नहीं किया गया है कि जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना से यह स्पष्ट नहीं होता है कि पाटन मार्जिन के पृथक निर्धारण का दावा कौन कर रहा है ।
- (lii) यह नोट करना प्रासंगिक है कि सिंगापुर एक संबद्ध देश नहीं है और इस प्रकार वह न्यू शिपर समीक्षा का पात्र नहीं है । इस अनुरोध पर कोई जांच परिणाम दर्ज नहीं किया गया है कि नियम 22 के अंतर्गत निर्धारण तभी किया जा सकता है जब पृथक पाटन मार्जिन की माँग करने वाली पार्टी का अपना खुद का सामान्य मूल्य और भारत के लिए निर्यात कीमत हो । इस प्रकार शुल्क के संयोजन की मंजूरी नियम 22 की स्कीम के प्रतिकूल है ।
- (liii) हम यह दोहराकर मुद्दे को जीवित रखना चाहते हैं कि नियम 22 के अनुसार न्यू शिपर समीक्षा हेतु कोई मामला हर बार किसी न्यू शिपर से प्राप्त आवेदन पर शुरू नहीं किया जा सकता । यह उल्लेखनीय है कि प्राधिकारी वार्षिक या अर्द्ध-वार्षिक आधार पर अथवा प्राधिकारी द्वारा निर्धारित आवधिक अवधि के आधार पर न्यू शिपर्स के लिए मामला शुरू करने का निर्णय ले सकते हैं ।
- (liv) हम इस मुद्दे को दोहराना चाहते हैं और उसे जीवित रखना चाहते हैं कि चीन “ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश ” है और उसे मूल जांचों में ऐसा ही माना गया है और इस प्रकार निर्दिष्ट प्राधिकारी रिलायंस इंड. के मामले के मद्देनजर अलग सामान्य मूल्य प्रदान नहीं कर सकते हैं ।
- (lv) कार्यवाहियाँ क्षेत्राधिकार से परे हैं और इन्हें शीघ्र समाप्त किया जाना चाहिए ।
- (lvi) प्रकटन विवरण से यह प्रतीत होता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने न्यू शिपर्स से विभिन्न ब्यौरे माँगे हैं । न्यू शिपर्स द्वारा दायर ऐसा कोई पत्राचार या उत्तर का गोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध है ।
- (lvii) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने वैट वापसी के आधार पर जो निष्कर्ष निकाले हैं वह आधारहीन है ।
- (lviii) प्रकटन विवरण में अनेक नए तथ्य जोड़ दिए गए हैं जिनके बारे में हमें जांच के किसी चरण पर कभी नहीं बताया गया है । प्रश्नावली का उत्तर सत्यता के प्रमाण पत्र के बिना स्वीकार्य किए गए हैं जो कि एक अनिवार्य जरूरत थी । उपर्युक्त के मद्देनजर कार्यवाहियाँ कानूनन दोषपूर्ण हैं क्योंकि जांच परिणामों को वास्तविकता पर आधारित करने का प्रस्ताव है जिन्हें हितबद्ध पार्टियों को उपलब्ध नहीं कराया गया है और ये रिकॉर्ड में उपलब्ध नहीं हैं ।
- (lix) संगत सूचना संगृहीत या प्राप्त नहीं की गई थी ।
- (lx) मूल जांच अवधि के दौरान संबद्ध कंपनियों के नाम और उनके निर्यातों के ब्यौरे न्यू शिपर्स द्वारा दायर आवेदन में उपलब्ध नहीं थे । यह नहीं कहा जा सकता कि निर्दिष्ट प्राधिकारी नियम 22 की पूर्व शर्तों से प्रथम दृष्ट्या संतुष्ट हो सकते हैं ।
- (lxi) निर्दिष्ट प्राधिकारी के अनुसार निर्यातों की मात्रा की जांच अपेक्षित नहीं होती है क्योंकि यह कानूनन अपेक्षित नहीं है । ऐसे निष्कर्ष पर पहुंचते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी माननीय न्यायाधिकरण द्वारा निर्णीत प्रथम न्यू शिपर समीक्षा मामले के निर्णय के अनुपात को समझने में विफल रहे हैं जिसमें न्यू शिपर समीक्षा के प्रावधान पर उल्लंघन या उसके दुरुपयोग की संभावना के मुद्दे पर चर्चा की गई है ।

- (ixii) उत्तर के अगोपनीय समांतरण में आकाश/ग्रेडों के आधार पर कोई सूचना निहित नहीं है जैसा कि न्यू शिपर द्वारा दायर की गई बतायी गयी है ।
- (ixiii) लिखित अनुरोधों के साथ रिकॉर्ड में दर्ज साक्ष्य की पूर्ण उपेक्षा की गई है जब प्रकटन विवरण में निष्कर्ष दर्ज किए गए हैं ।
- (ixiv) न्यू शिपर्स के साथ कम्पै संबंधी पत्र या किया गया पत्र व्यवहार सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध नहीं है ।
- (ixv) प्राधिकारी ने अब तक न्यू शिपर के लिए कई सामान्य मूल्य निर्धारित किए हैं जो रिलायंस इंड. मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश के पूर्णतः विपरीत है ।
- (ixvi) निर्दिष्ट प्राधिकारी को ऐसे निदेशकों के नामों की जांच करनी चाहिए थी और उनके द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए हित की जांच करनी चाहिए थी । ऐसा प्रतीत होता है कि प्राधिकारी ने उनसे कोई आंकड़े या सूचना दायर करने की माँग नहीं की है ।
- (ixvii) आवेदकों की विशिष्ट संरचना से संबंधित पैराग्राफ नए प्रकटन हैं और वे आवेदन या प्रश्नावली के उत्तर के भाग नहीं हैं । उन्हें उस स्थिति में रिकॉर्ड में नहीं लिया जा सकता जब वे आवेदन या प्रश्नावली के उत्तर के अनुसार विचाराधीन तथ्य न हों ।
- (ixviii) प्राधिकारी एक कंपनी के सामान्य मूल्य तथा दूसरी कंपनी की निर्यात कीमत के आधार पर अलग-अलग पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं कर सकते ।
- (ixix) निर्यातक से यह अपेक्षा की गई थी कि वह आवेदन तथा निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में समस्त संबद्ध कंपनियों के पते उपलब्ध कराए ।
- (ixx) उत्पादक ने यह सुनिश्चित करने के लिए नगण्य बिक्री की है कि वे अव्यवस्थित योजना द्वारा भविष्यलक्षी अयधि के लिए ऋणात्मक पाटन मार्जिन प्रदर्शित करने में सक्षम हैं । ऐसी किसी नीति से 6 माह तक निर्यात कीमत तथा सामान्य मूल्य को कम करके शुल्क अपवंचन हेतु उत्पादक की बदनीयती का स्पष्ट पता चलता है ।
- (ixxi) संबद्ध कंपनियों के बारे में गोपनीयता के कारण दायर नहीं किए गए हैं । इसके मद्देनजर हम उस आधार पर टिप्पणी देने में असमर्थ हैं जिस आधार पर यह दावा किया गया है कि ऐसी कंपनियों मूल जांच के दौरान संबद्ध करतु का निर्यात नहीं कर सकती हैं ।
- (ixxii) प्रकटन विवरण में यह उल्लेख किया गया है कि परसू उद्योग को जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था । भारत के किसी भी उत्पादक को जांच की शुरुआत के बारे में ऐसी सूचना नहीं मिली यद्यपि निर्णायक समीक्षा जांच के जरिए निर्दिष्ट प्राधिकारी के रिकॉर्ड में अधिकांश के नाम उपलब्ध थे ।
- (ixxiii) उत्पादक/निर्यातक द्वारा ऐसे स्पाष्टीकरण प्रतिवेदन पर दायर टिप्पणियों के साथ स्थापन रिपोर्ट को प्रति भी उपलब्ध नहीं कराई गई है या उपलब्ध नहीं है ।
- (ixxiv) संबंध के बारे में आरोपों को छिपाने के तथ्य को देखते हुए प्राधिकारी को स्पष्ट तौर पर भ्रमित किया गया है और इसके अलावा, ऐसे दावों की प्रमाणिकता भी प्रथम दृष्टया सुनिश्चित नहीं की गई है । इस प्रकार, निर्दिष्ट प्राधिकारी अपनी ओर से वास्तविक सूचना छिपाए जाने के आधार पर शुरू की गई न्यू शिपर समीक्षा को तुरंत समाप्त कर सकते हैं ।
- (ixxv) इस बात का कोई उल्लेख नहीं है कि प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर कैसे पहुँचे हैं कि विद्युत प्रवर्धित विद्युत प्रभासों पर खरीदी गयी थी । चीन में जल दरों की जांच के बारे में कोई व्योरे दर्ज नहीं किए गए हैं ।
- (ixxvi) चीन में विनिमय दर चीन की सरकार द्वारा नियंत्रित होती है और इसे जाहिर तौर पर कृत्रिम रूप से नियंत्रित स्तर पर रखा जाता है । इस विषय पर पर्याप्त अनुसंधान हुए हैं

जिससे स्पष्टतः यह पता चलता है कि चीनी युआन का मूल्य कम-से-कम 30% तक कम दर्शाया जाता है।

- (lxxvii) इस बात की जांच करने के लिए कोई जांच की गई प्रतीत नहीं होती है कि क्या भूमि हेतु प्रदत्त किराया बाजार दर के अनुसार था क्योंकि उसे राज्य की स्वामित्व वाली समिति से प्राप्त किया गया था।
- (lxxviii) निर्दिष्ट प्राधिकारी किस आधार पर इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि सिंगापुर के निर्यातक ने मूल जांच में और निर्णायक समीक्षा जांच अवधि में निर्यात नहीं किया था। ऐसे निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए कोई आंकड़ा प्रस्तुत नहीं किया गया है और न ही जांच की गयी है।
- (lxxix) निर्दिष्ट प्राधिकारी किस आधार पर इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि कच्ची सामग्री की खरीद राज्य के किसी नियंत्रण के बिना खुले बाजार से की गयी थी।
- (lxxx) चीन के व्यापारी के सामान्य मूल्य पर गौर करने के लिए कोई जांच की गई प्रतीत नहीं होती है।
- (lxxxi) सामान्य मूल्य की गणना हेतु अपनाई गई कार्य प्रणाली आधारहीन है। ऐसी गणनाओं के उचित अगोपनीय रूपांतरण के साथ अपनाई गई कार्यप्रणाली के बारे में कोई उचित प्रकटन नहीं किया गया है।
- (lxxxii) निर्यात कीमत से संबंधित निष्कर्ष भ्रामक हैं क्योंकि निष्कर्ष निकालने के लिए कंपनियों के नामों का उल्लेख नहीं किया गया है।
- (lxxxiii) यह रिकॉर्ड किया गया है कि प्रमुख कच्ची सामग्री के प्रमुख आपूर्तिकर्ता न तो आवेदक कंपनियों से संबंधित थे और न ही राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों से। ऐसा उल्लेख करते समय ऐसे निष्कर्ष पर पहुँचने का आधार दर्ज नहीं किया गया है क्योंकि ऐसे निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी हेतु ऐसी कंपनियों के बारे में कोई सूचना दायर नहीं की गई है।
- (lxxxiv) न्यू शिपर ने जांच की शुरुआत से पूर्व और जांच की समूची कार्यवाही के दौरान प्राधिकारी को भ्रमित करने के लिए महत्वपूर्ण सूचना की गलत घोषणा की है।
- (lxxxv) इस तथ्य को प्रमाणित करने वाली घोषणाएं भी वस्तुतः झूठी हैं कि प्रदत्त सूचना सत्य और सही है।
- (lxxxvi) हमने यह पाया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सत्यापन की कार्यवाही से पूर्व पूर्ण सूचना दायर करने के बारे में उत्पादक/निर्यातक से कहा भी नहीं है।
- (lxxxvii) हितबद्ध पार्टियों को मूलभूत सूचना भी उपलब्ध नहीं कराई गई है जो कानून के विशिष्ट उपबंधों तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है।
- (lxxxviii) आवेदकों को प्रदत्त छूट तुरंत वापस ली जाए और उन्हें चीन के सभी अन्य असहयोगी निर्यातकों पर अन्यथा लागू पाटनरोधी शुल्क का भुगतान करने के लिए बाध्य किया जाए।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

70. मै. एच एण्ड आर जॉनसन की ओर से एपीजे-एलएसली लॉ ऑफिस के अनुरोधों का अध्ययन करने के बाद और प्रकटन विवरण के बाद किए गए अनुरोधों में उठाए गए मुद्दों की जांच करते समय प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि सुनवाई के बाद किए गए अनुरोधों में उठाए गए अधिकांश मुद्दों को घरेलू उद्योग ने दोहराया है। यह भी नोट किया गया है कि अधिकांश मामलों में प्राधिकारी के रिकॉर्ड में कोई सामग्री उपलब्ध कराए बिना केवल आरोप लगाए गए हैं। सुनवाई के बाद के चरण पर किए गए अनुरोधों की जांच प्रकटन के चरण पर की गई है और इसे इस जांच

परिणाम में दर्ज भी किया गया है। तथा प्राधिकारी ने इन जांच परिणामों में प्रकटन विवरण पर किए गए समस्त संगत अनुरोधों पर कार्यवाही की है।

- i. प्राधिकारी के पास उसकी सिफारिशों के खिलाफ पारित आदेशों के विरुद्ध माननीय उच्चतम न्यायालय में एसएलपी दायर करने का क्षेत्राधिकार है। इस मामले में अंतिम निर्णय शीर्षस्थ न्यायालय पर छोड़ दिया गया है और एच एण्ड आर जॉनसन इस मुद्दे पर दिए गए निर्णय पर कायम नहीं रह सकता।
- ii. भविष्यलक्षी जांच अवधि से संबंधित मुद्दे पर प्रकटन विवरण जारी करते समय विचार-विमर्श किया गया था और उसे जांच परिणामों में ही दर्ज किया गया था।
- iii. प्राधिकारी ने समस्त हितबद्ध पार्टियों को अनुरोध करने के लिए जांच की कार्यवाही के दौरान उन्हें पर्याप्त अवसर दिया था।
- iv. जहाँ तक अनुरोध आदि की प्रति का संबंध है, यह नोट किया गया है कि यह सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध है। नियम 6(7) के अनुसार रखी गई सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण करने का दायित्व हितबद्ध पार्टियों पर होता है और प्राधिकारी पर यह सूचना व्यक्तिगत रूप से हितबद्ध पार्टियों या उनके परामर्शदाता को भेजने का दायित्व नहीं होता है।
- v. उनके द्वारा लगाए गए ये आरोप कि प्राधिकारी ने उनके अनुरोधों की अनदेखी की है, केवल वक्तव्य है और इसकी पुष्टि वास्तविक तथ्यों के साथ नहीं की गई है। तथापि, उनके द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर प्राधिकारी ने जांच करते समय और उसे संपन्न करते समय विचार किया है।
- vi. प्राधिकारी यह मानते हैं कि कंपनी की संरचना में कोई परिवर्तन न होने से संबंधित निष्कर्ष सहित अन्य निष्कर्ष सत्यापित आंकड़ों तथा रिकॉर्ड में उपलब्ध सामग्री के आधार पर निकाली गई है और ये लगाए गए आरोप के अनुसार न्यू शिपर्स के दावों पर पूर्णतः आधारित नहीं है।
- vii. न्यू शिपर के रूप में संबद्ध कंपनियों तथा अंजनेय ट्रेडिंग से जुड़े मुद्दे पर प्रकटन विवरण के साथ कार्यवाही की जा चुकी है। यह कथन आधारहीन है कि संबद्ध पार्टियों के बारे में सूचना प्रकट न किए जाने से वर्तमान कार्यवाही समाप्त कर दी जानी चाहिए। इस संबंध में प्राधिकारी यह मानते हैं कि न्यू शिपर समीक्षा की जांच आवेदकों की इन घोषणाओं के आधार पर की गयी थी कि आवेदक या संबद्ध पार्टियों द्वारा मूल जांच अवधि या निर्णायक समीक्षा जांच अवधि के दौरान कोई निर्यात नहीं किया गया था और इस संबंध में समर्थनकारी साक्ष्य प्रस्तुत किए गए थे। प्राधिकारी ने इस संबंध में स्थापित प्रक्रिया का पालन किया है और पूरक सामग्री पर भरोसा किया है। जैसाकि ऊपर उल्लेख किया गया है, प्राधिकारी की जानकारी में ऐसी कोई सामग्री नहीं आई है कि मूल जांच अवधि या निर्णायक समीक्षा जांच अवधि के दौरान आवेदक या संबद्ध पार्टी ने कोई निर्यात किया था। अतः घरेलू उद्योग द्वारा दिया गया विवरण तथ्यरहित है।
- viii. नियमों के तहत प्राधिकारी जांच अवधि की समाप्ति के 40 दिन की समाप्ति से पूर्व सार्वजनिक सुनवाई की तारीख तय करने से वंचित नहीं हैं। सार्वजनिक सुनवाई प्रत्येक मामले में जांच अवधि की समाप्ति की तारीख से 40 दिनों की समाप्ति के बाद ही की जाती है। सार्वजनिक सुनवाई में हितबद्ध पार्टियों को विचार व्यक्त करने का अवसर भी प्रदान किया जाता है। निर्यातक या सत्यापन हितबद्ध पार्टियों की सुनवाई के बाद टिप्पणियाँ प्राप्त होने के बावजूद 2 से 6 मार्च, 2009 तक किया गया था।
- ix. गोपनीयता के मुद्दे पर प्रकटन विवरण में विस्तार से चर्चा की गई है और उसे इस जांच परिणाम में भी दर्ज किया गया है।

- x. जांच के बाद प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि वैट विवरणी इस बात को सुनिश्चित करने का एक तरीका था कि क्या निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को कोई बिक्री की है। इसके अलावा, निर्णायक समीक्षा जांच अवधि के दौरान मै. फोशान हेनरी द्वारा की गई बिक्री के ब्यौरों का भी सत्यापन किया गया था ताकि यह सुनिश्चित की जा सके कि उक्त अवधि के दौरान भारत को कोई निर्यात किया गया है। जांच के बाद प्राधिकारी की जानकारी में ऐसी कोई सामग्री नहीं आई जिससे यह पता चल सके कि फोशान हेनरी ने निर्णायक समीक्षा जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का कोई निर्यात किया है।
- xi. जहाँ तक ज्ञात आयातक को जारी न की गई आयातक प्रश्नावली के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि चीन के निर्यातक तथा उत्पादक और सिंगापुर के व्यापारी/निर्यातक ने आवेदन दायर किया है। इस वितरण व्यवस्था में पार्टियों के बिक्री बीजकों का सत्यापन किया गया था ताकि किसी क्षतिपूर्क व्यवस्था से इनकार किया जा सके और सही निर्यात कीमत सुनिश्चित की जा सके। ऐसी कोई बात जानकारी में नहीं आई है जिससे यह पता चल सके कि बिक्री सौदों के दौरान कोई घाटा हुआ है। अतः प्राधिकारी आयातक से उत्तर माँगना आवश्यक नहीं समझते हैं। उत्तर दायर करने के लिए आयातक पर कोई दायित्व नहीं है। इसके अलावा, निर्यातक कीमत की गलत घोषणा उल्लंघन है और उल्लंघन न करना प्राधिकारी के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है।
- xii. अनुरोधों के संबंध में प्रकटन विवरण में जांच परिणाम दर्ज न किए जाने के आरोप के बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि उसने आवश्यकतानुसार घरेलू उद्योग द्वारा किए गए समस्त संगत अनुरोधों पर अपने जांच परिणाम दर्ज किए हैं।
- xiii. प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु अपनाई गई कार्यप्रणाली का विस्तार से उल्लेख किया है।
- xiv. प्राधिकारी ने आवेदक उत्पादक के संयंत्र की आरंभिक स्थापना के ब्यौरे दर्ज किए हैं।
- xv. जहाँ तक सत्यापन के दौरान संगृहीत सूचना तथा तथ्यों का प्रकटन न किए जाने और सत्यापन रिपोर्ट सार्वजनिक फाइल में न रखे जाने का संबंध है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि गोपनीय आधार पर प्राप्त सूचना का प्रकटन नहीं किया जा सकता अथवा उसे सार्वजनिक फाइल में नहीं रखा जा सकता है। तथापि, किए गए सत्यापन से संबंधित सूचना का उल्लेख प्रकटन विवरण में किया गया था।
- xvi. जहाँ तक न्यूनतम मात्रा एवं किए गए उल्लंघन पर विचार न किए जाने का संबंध है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि विधिक समर्थन के बिना मात्रा की न्यूनतम जरूरत पर जोर देना संभव नहीं है। उल्लंघन के बारे में प्रवर्तन एजेंसियों की जानकारी में उल्लंघन का मामला आने पर कानूनी कार्यवाही की जाती है।
- xvii. जहाँ तक न्यू शिपर को भेजे गए कमी संबंधी पत्रों और उसके साथ किए गए पत्र व्यवहार को सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध न कराने के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि जांच की शुरुआत से पूर्व किए गए समस्त पत्र व्यवहार को गोपनीय रखा जाता है तथापि जांच की शुरुआत के बाद आवेदन एवं अन्य प्रमुख अनुरोध सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध करा दिए जाते हैं। तथापि ऐसे समस्त पत्रों को सार्वजनिक फाइल में रखना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है जिनका जांच पर खास प्रभाव नहीं पड़ता है।
- xviii. प्राधिकारी ने चीन के उत्पादक/निर्यातक के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दर्जे की जांच हेतु अपनाई गई कार्यप्रणाली का विस्तृत प्रकटन विवरण में और इन जांच परिणामों में किया है।

### निष्कर्ष एवं सिफारिशें

71. नियमावली के नियम 22 के अनुसार यह समीक्षा पूरी करने और पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

(i) उत्पादक मै. फोशन लिहुआ सेरामिक्स कं. लि., चीन जन.गण., निर्यातक मै. फोशन हेनरी ट्रेडिंग कं. सिंगापुर तथा मै. अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर ने स्वयं को भारत के लिए संबद्ध वस्तु को न्यू शिपर के रूप में स्थापित किया है और इसलिए वे अलग पाटन मार्जिन के पात्र हैं ।

(ii) मै. फोशन लिहुआ सेरामिक्स कं. लि., चीन जन.गण. द्वारा विनिर्मित और मै. फोशन हेनरी ट्रेडिंग कं. सिंगापुर को आपूर्त तथा बाद में मै. अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर के जरिए भारत को निर्यातित विट्रीफाइड पोर्सिलेन टाइलों का पाटन मार्जिन समीक्षा अवधि के दौरान नकारात्मक पाया गया था ।

72. अतः नियमावली के नियम 22 के अनुसार प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि मै. फोशन लिहुआ सेरामिक्स कं. लि., चीन जन.गण. द्वारा उत्पादित और मै. फोशन हेनरी ट्रेडिंग कं. को आपूर्त तथा बाद में मै. अंजनेय ट्रेडिंग पीटीई लि., सिंगापुर द्वारा भारत को निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाली विट्रीफाइड पोर्सिलेन टाइलों के आयातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क लागू न किया जाए या उसे वसूल न किया जाए ।

73. इस आदेश से उत्पन्न होने वाली केन्द्र सरकार के आदेशों के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी



**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 25th April, 2009

**Final Findings**

**Subject.—New Shipper Review (under Rule 22 ) of Anti-Dumping duty imposed on imports of Vitrified/Porcelain Tiles from China PR in respect of M/s. Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd., China PR (Producer), M/s. Foshan Henry Trading Company, China PR (exporter) through M/s. Anjaneya Trading PTE Ltd., Singapore (exporter).**

**No. 15/23/2008-DGAD**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in-1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

2. The procedure described below has been followed.

i. M/s Foshan Lihua Ceramics Company Limited (Producer) and Foshan Henry Trading Company Ltd. (Exporter) China and Anjaneya Trading Pte. Limited Singapore (Exporter), filed an application and requested the Designated Authority for determination of individual dumping margin under Rule 22 of the Rules and to initiate a 'new Shipper' review of notification no 37/1/2001 dated 4.2.2003.

ii. The applicants claimed that they are not related to any of the exporters/producers in China PR subject to anti dumping measures in force with regard to product concerned. Furthermore, they claimed that they have not exported the product concerned during the period of investigation of original investigation. The Authority prima facie examined the information submitted by the applicants and considered it sufficient to justify the initiation of a new shipper review investigation in accordance with the provisions of Rule 22 of Anti Dumping Rules.

iii. The Designated Authority initiated the New Shipper Review on the basis of request made by M/s Foshan Lihua Ceramics Company Limited and Foshan Henry Trading Company Ltd., China and Anjaneya Trading Pte. Limited Singapore, under Rule 22 vide notification No. -DGAD dated 11<sup>th</sup> November, 2008.

- iv. The aforesaid new shipper investigation was initiated in the matter concerning import of Vitrified / Porcelain tiles falling under Chapter 69 of the Customs Tariff Act, 1975 originated in or exported from China PR and UAE where the Designated Authority vide its final finding no. 37/1/2001-DGAD dated 04.02.2003 had come to conclusion that
- Vitrified/ Porcelain Tiles have been exported to India from UAE and China PR below its normal value resulting in dumping;
  - The Indian industry has suffered material injury;
  - The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject counties.
- v. The Central Government imposed anti-dumping duty vide Notification No. 73/2003-Customs, dated 1.5.2003, in the original investigation on imports of vitrified and porcelain tiles from UAE and China PR, other than vitrified industrial tiles, falling under Chapter 69 of Customs Tariff Act, with effect from the date of imposition of the provisional anti dumping duty i.e., 2.5 2002;
- vi. The Authority recommended provisional assessment of all exports of Vitrified / porcelain tiles by Foshan Lihua Ceramics Company Limited (Producer) and Foshan Henry Trading Company Ltd. (Exporter) China and Anjaneya Trading Pte. Limited Singapore (Exporter), till the completion of the review initiated in accordance to the Rule 22 of Indian Anti Dumping Rules.
- vii. The Authority recommended continued imposition of antidumping duties after conducting sunset review investigation vide notification No. 15/17/2006-DGAD dated 21<sup>st</sup> April, 2008. Based on such recommendations, the Central Government imposed anti dumping duties vide notification no Notification No.82/2008-Customs, dated 27<sup>th</sup> June, 2008.
- viii. The Ministry of Finance issued notification on 22<sup>nd</sup> December 2008 implementing the decision of the Designated Authority vide notification No 134/2008 – Customs, which inter-alia provided that pending the outcome of the review by the Designated Authority, all imports of vitrified/ porcelain tiles other than vitrified industrial tiles falling under Chapter 69 of the Customs Tariff Act by M/s. Foshan Lihua Ceramics Company Limited (Producer) and Foshan Henry Trading Company Ltd. (Exporter) China and Anjaneya Trading Pte. Limited Singapore (Exporter) would be subjected to provisional assessment till the review was completed.
- ix. The Authority sent a copy of exporter questionnaire and market economy questionnaire to M/s. Foshan Lihua Ceramics Company Limited, Foshan, China PR (Producer), Foshan Henry Trading Company Ltd. and a copy of exporters questionnaire to M/s. Anjaneya Trading Pte. Limited Singapore to elicit relevant information. The Authority sought and verified all information it deemed necessary for the purpose of determination of dumping margin. The Authority conducted on-the-spot verification of the data furnished by M/s. Foshan Lihua Ceramics Company Limited (Producer) and Foshan Henry Trading Company Ltd. (Exporter) China and Anjaneya Trading Pte. Limited Singapore (Exporter).

- x. The period of investigation in this new shipper review investigation is 1<sup>st</sup> July, 2008 to 31<sup>st</sup> December, 2008 – 6 months for dumping margin determination.
- xi. The Authority officially intimated the authorities of the exporting countries of the initiation of the new shipper review investigation and gave an opportunity to all the interested parties concerned to make their view known in writing within 40 days from the expiry of the POI i.e. 1<sup>st</sup> July 08 – 31<sup>st</sup> December 08.
- xii. The Authority provided an opportunity to all the interested parties to present their views orally in the public hearing held on 12<sup>th</sup> February, 2009. All parties who attended the hearing and presented the views orally were requested to file written submissions. The parties were also advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties in their submissions and offer rejoinders, if any.
- xiii. Subsequent to the public hearing domestic industry filed their comments and the same was exchanged with the applicant.
- xiv. The Authority made available the public file as per Rule 6(7) of the Rules containing non – confidential version of the information submissions made by various interested parties.
- xv. \*\*\*\* in the Notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by Authority under the Rules. The information concerning prices and costing filed by respective interested parties claimed confidential and the Authority treated these as confidential.

### **Product under Consideration & Like Article**

3. The product under consideration in the original investigation and sunset review is “Unglazed tiles in polished or unpolished finish and Glazed Porcelain / Ceramic tiles both with less than 3% water absorption (commonly known as Vitrified Tiles / Porcelain Tiles)” (also referred to as subject goods). Glazed and unglazed tiles are used primarily for coverings for floors as well as on walls. These tiles are used in buildings, homes, restaurants, cinema halls, airports, swimming pools, railway stations etc. All types of subject goods are classified within chapter heading 69. The classification is, however, indicative and in no way binding on the scope of the present investigations.

4. The product under consideration in this investigation is a Vitrified/Porcelain tiles as determined in the original case, i.e., “vitrified/porcelain tiles”. There is no argument made by any of the interested parties on the product under consideration and like article. It is noted that the Vitrified/porcelain Tiles produced by the domestic industry is ‘like article’ to Vitrified/porcelain Tiles being exported by M/s. Foshan Lihua Ceramics Company Limited (Producer) and Foshan Henry Trading Company Ltd. (Exporter) China and Anjaneya Trading Pte. Limited Singapore (Exporter) within the meaning of the Rules. In view of the foregoing, the Authority holds that product under consideration in the present investigations is the same as considered in the original

investigation i.e., “Vitrified/Porcelain Tiles”, classifiable under Chapter 69 of the Custom Tariff Act, 1975.

**Views expressed by interested parties and examination by the Designated Authority**

**View of the Applicants: -**

5. The applicants have made following submissions.

- a. The Applicant Producer (Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd., China PR) was incorporated and set-up a plant in 1992 for production of polished porcelain tiles. The product under consideration in the present application and the product subject to anti dumping duties.
- b. The producer commenced commercial production in 1993.
- c. The Applicant producer has not exported subject goods to India during the original period of investigation and in the sunset review investigation period either directly or indirectly through any other company or trading house etc..
- d. The Applicant producer company had responded to the Designated Authority at the time of original investigations. A copy of the questionnaire response filed by the company at the time of original investigations is already on record and the same is referred to and relied upon. However, the Authority did not determine dumping margin in respect of exports made by the company as these exports fell outside the investigation period.
- e. The exporter company was incorporated in 2005. Given that the exporter company was incorporated in 2005, the company could not have exported subject goods to India during the period of investigation of original investigation. Further, the company has not exported the subject goods in the investigation period of the sunset review investigation.
- f. M/s. Anjaneya Trading PTE Ltd is from Singapore has not exported the subject goods to India during the period of investigation of either original investigation or of the sunset review investigation.
- g. All the applicant companies have not exported during the original investigation period and in the sunset review investigation, the only condition remains to be seen is whether the applicants are related to any other entity that had exported during the investigation period of original investigation and in the sunset review investigation period.
- h. Details of related companies had been provided along with application. It was thus shown that except Foshan Lihua Ceramics Co. and Foshan Henry Trading Company, none of other related company are involved in either production or sale of the subject goods.
- i. Exports to India have been made by Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd after the original period of investigation, but before the sunset review period of investigation.

j. The applicants consider the information with regard to names of the related company and their business activities as highly business sensitive information and the information cannot be disclosed in its entirety. However the applicants are disclosing the following information:

- i. All the Applicants are private companies registered under respective laws. There has been no change in legal or organizational structure in the preceding three years. All the shareholders in Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd. and Foshan Henry Trading Company are private Chinese Nationals. In case of Anjaneya Trading, all the shareholders are of Singapore National.
- ii. None of the shareholders are holding any position in any other company engaged in production or sales of the product under consideration.
- iii. The producer company has 5 shareholders and all are directors in the company.
- iv. The Chinese exporter company has the same share shareholders as in producer company and all are Chinese national.
- v. The Singapore exporter company has 3 shareholders and all are Singapore nationals.
- vi. The applicant companies do not have any State ownership/holding either directly or indirectly.
- vii. Decision of both the companies regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without any State interference in this regard.
- viii. Costs of major inputs required for production of the product under consideration purchased by the producer company substantially reflect market values.
- ix. The production costs and financial situation of both the companies are not subject to any distortions carried over from the former non-market economy system.
- x. The applicant companies are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms.
- xi. The exchange rate conversions are being carried out at the market rate.
- xii. The applicants are providing a number of documents with the present applicant to show that both the applicants are entitled to market economy status.

#### **Views of H. R. Johnson, a constituent of the domestic industry**

6. M/S H.R.Jhonson, one of the constituents of the domestic industry both in the original investigation as well as sun set review, made the following submissions before the Authority.

a. The questionnaire response filed by the new shippers received only after 9.2.2009. Only two days time provided to make the submissions on detailed response of the new shippers. Hence, opportunity is not provided in terms of the requirements of principles of natural justice.

b. We have not been disclosed the outcome of the proceedings that were earlier initiated by the Designated Authority for Anjaneya Trading Pte. Limited Singapore for which the disclosure statement was issued on 4.11.2008. It appears the new shippers are attempting to get access to the market through multiplicity of proceedings by claiming it to be a new shipper each time which is not permissible under Rule 22.

c. If there is any other additional document in the public file, then the same may be provided to us at the earliest so that we are in a position to offer our comments on the same. Further, it appears from the submissions made during the public hearing that the present new shippers from China have filed certain documents without filing non-confidential version of such documents. We request that all such documents may be placed in the public file and inspection may be granted to enable us to offer our comments. Non-confidential version of all correspondence exchanged with the new shippers and responses received may also be provided.

d. The non-confidential version of the application filed by the new shippers which has been supplied to us is not in accordance with the new guidelines being followed by the Designated Authority in all the current cases which require that the non-confidential version should be an exact replica of the confidential application.

e. Our preliminary response on the issues emanate from the Application and questionnaire response including market economy questionnaire response same are as under:

- i. No certifications are filed by each of the applicants regarding the information and data contained therein.
- ii. The joint Application is unsigned, and is undated.
- iii. At the time of making of the application and initiation, there was no material to examine whether the producer had any exports during the original period of investigation or period of investigation of sunset review. Prima facie determinations made for fulfillment of conditions of Rule 22 are hence flawed.
- iv. The Producer Company failed to disclose that they had in-fact filed a questionnaire response in the original period of investigation at the stage of seeking initiation. The non-confidential version of the same referred to during the hearing has not been provided to us.

- v. Information on circumstances that necessitated change of name of producer, details about change shareholding pattern, or change in place of business or shifting of factory etc. are not disclosed.
- vi. There is no material in the non-confidential version of the application about relationship between producer and exporter. Further, the condition of no exports in view of such relationship could not have been examined at the time of initiation in the context of the exporter from China being setup in 2005.
- vii. Names and details about related companies have been kept confidential without stating reasons for such claims. The claim that these related companies could not have also exported the product concerned to India is without any substantiation.
- viii. The test of relationship is in the context of such related party being subject to duty. In view thereof, the declarations made in the application are not in terms of the requirements of Rule 22.
- ix. If there is even one entity related to the producer or exporter then the applicants are not eligible for the present proceedings as all producers and exporters from China are subject to duties except to the extent of names mentioned in the sunset review investigations.
- x. No reasons are stated in support of claims of confidentiality on business license, certificate of approval, certificate of change in name, Articles of Association, annual reports, list of related parties and details of exports to India. No non-confidential version for such documents is filed or reasons provided for non-summarization or indexation.
- xi. The Hon'ble Tribunal in the case of H&R Johnson (India) Limited Vs. Ministry of Finance & Ors reported at 2007 (218) E.L.T. 273 (Tri. - Del.) has clearly held that fixing of period of investigation after the initiation is bad in law and contrary to Rule 22. In view thereof, the present proceedings are without jurisdiction.
- xii. No information has been provided in the application as to what percentage of the total production of the producer was exported during the POI. No information is also filed if the producer in China is also exporting to other countries.
- xiii. The Designated Authority has not called upon the importer to file his questionnaire response to cross check information filed by the new shippers and verify at what prices the goods actually landed in India.
- xiv. The Designated Authority has not sought import statistics for the new shippers from Customs to cross check prices actually declared to Customs.

**f.** The producer, trader from China and the exporter from Singapore have got the initiation done by mis-declaration and falsification of records and withholding of material information which would have had a direct bearing on the determination of the Designated Authority for initiation of the present case as apparent from the following submissions:

- i. New Shippers get an opportunity to plan their normal value and export price as they are granted partly prospective period of investigation by the Designated Authority. In view thereof, the present initiation is contrary to Rule 22 and against the principle of judicial discipline and doctrine of precedents.
- ii. The new shippers from China are operating as a group under other names and have more than one factory which is not disclosed in the present questionnaire response.
- iii. Our intelligence and other information from China indicate that the producer does not only operate under the name for which it is seeking new shipper review.
- iv. The producer in various web sites has claimed itself to be manufacturer and exporter set up in 1992 while in response they have claimed that they have no exports. Further, the former name and details about their predecessor company may be obtained to reach correct determinations not only for examination of pre-conditions of Rule 22 but also for para 7 of Annexure-I of the Rules.
- v. Designated Authority has not been provided full information about the exporter Company from Singapore and its history in subject goods to India and other destinations. It is not clear what role they play and who compensates them.
- vi. Joint Applications are filed to create confusion and avoid holding of specific statement to any particular new shipper. Further, we find that no mandatory certification has been provided about the accuracy of the information contained therein. Most of the questions are not answered by each of the participating new shipper.

**g.** Conditions of Rule 22 not satisfied: It is our respectful submission that the initiation of the present New Shipper Review is bad in law. The mandatory requirements and pre-conditions of Rule 22 have not been satisfied prior to initiation. Some material in the form of evidence or document must be placed before the authority in support of all claims made in the application.

**h.** Deficient Questionnaire Response: The questionnaire responses filed by the new shippers is grossly inadequate and unsubstantiated.

**i.** The information has been treated confidential without providing reasons in support of claims of confidentiality.



- j. The producer company has claimed that they have no export sales. In view of such claim, the application itself is not maintainable as without export sales, no dumping margin can be determined.
- k. We have specific information that the related export company has local sales. They may be put to strict test that they have not made local sales.
- l. New Shippers have stated that there is no difference between the goods exported to India and to other countries in support of which no evidence has been placed. Grade-wise information has not been provided without which no proper comparison can be undertaken by the authority.
- m. The name of all the factories involved in production of the product involved has not been disclosed. The names of other factories engaged in other products have also not been disclosed. The website of the producer and exporter from China admits to several factories.
- n. It has been stated that the goods produced or sold in the domestic market are comparable. We are not too sure if they are identical or only comparable as no information on grades/model has been provided.
- o. No details about the trading arrangements are disclosed. No details about discounts, commission, rebates, or terms of payment have been disclosed.
- p. In response to number of questions it has been mentioned by the new shippers that details have already been provided at the time of initiation. We have not been provided with such details and hence we are unable to deal with such submissions and file appropriate response. We request such details or their non-confidential version may be provided to us so that we can file appropriate response.
- q. Misleading answers have been given to ensure that relevant questions are not responded. For example, the Trading Company from Singapore has stated that they are a private company registered under Chinese Companies Act. In response to a question on legal representative of trading entity from Singapore, it has been stated that a letter from Lihua Ceramics is attached while the company is from Singapore. In response to a question on channels of distribution the trading company from Singapore has stated that it procures goods from its related producer companies and thereafter sells it to overseas customers. This statement is totally contrary to rest of the statements made by the trader in the application and questionnaire response.
- r. None of the questionnaire response state facts about exports made during the period of investigation of sunset review investigations.

- s.** Appendices 1, 2, 2A, 2B, 3, 3A, 3B, 3C, 4, 5, 6, 8 & 9 are blank and hence no comments can be offered.
- t.** The producer has not stated that whether it is the new plant or has been an old plant taken over from a producer who was subject to the original duties. It is very important in view of the fact that the new shipper review is initiated only for the new exporter but not the exporters who were party to the original investigations or exported the subject goods in the period of investigation of the original or sunset review investigation or were subject to duties.
- u.** Designated Authority has not been issuing importer questionnaire response in New Shipper Review investigations. The reasons for deviating from practice adopted in other cases are not discernable from the face of the records of new shipper review proceedings.
- v.** No non-confidential version of the quantities proposed to be exported was provided for the authority to examine whether such applicants were serious players in this business or were merely looking for ways and means for circumvention of duties already imposed.
- w.** In terms of Rule 22, only the exporter from exporting country in question can request for the separate determination of dumping margin. The combination determination for more than one entity is not envisaged under the rules.
- x.** Rule 22 has been abused.
- y.** As per Rule 22, a case for new shipper review cannot be initiated each time an application is received from a new shipper. The word 'periodical' used in the Rule 22 makes it amply clear that the authority is required to review periodically (as fixed by the authority) all the applications for new shipper review received prior to that period.
- z.** China is a "non-market economy country" and has been treated as such in the original investigations. The Designated Authority cannot grant any individual normal value in view of the interpretation resorted to by the Designated Authority in Reliance Industries case. The Authority is presently interpreting the decision of the Hon'ble Supreme Court in the case of RIL Vs. Designated Authority to mean that there can be only one normal value for each country as per Hon'ble Supreme Court.
- aa.** The new shippers have claimed excessive confidentiality in their common response. The new shippers have not disclosed the reasons for such claims of confidentiality on almost all documents. There are also no reasons provided as to why the information on which confidentiality has been claimed and apparently allowed in not susceptible to summarization.
- bb.** The initiation is bad in law as the pre-conditions of Rule 22 have not been examined for a valid initiation. The proceedings are hence without jurisdiction and must be terminated at the earliest.

cc. Alternatively and without prejudice to the aforesaid, it is submitted that the new shippers may be asked to provide the information/documents immediately. The same may be provided to us, subject to specific orders of the Designated Authority allowing confidentiality, for comments.

7. In the rejoinder submissions of this one representative of the domestic industry, most of the views as stated by them in written submission have been reiterated. The same are summarized below:

- i. Since, appropriate material was not placed before the Designated Authority it cannot be said that pre-conditions of Rule 22 were examined in the present case prior to initiation. Hence, to that extent, the present initiation is contrary to requirements of Rule 22 and bad in law.
- ii. None of the submissions made at the time of public hearing have been reproduced in the written submissions. The paper book given during public hearing has also not been submitted and hence the same cannot be taken on record of the case to reach any conclusions.
- iii. The new shippers have not given any declaration that they are related to any exporters or producers in China who are subject to the anti-dumping duty. As per our web research the relationship did exist at the time of filing of the application and also at the time of filing of the questionnaire response but the same was not disclosed.
- iv. The following facts (that are duly supported by web print outs) were not disclosed which lead to misleading the Designated Authority in securing the initiation of present investigations:-
  - The producer company is listed as a state owned company in the web site of State Information Center contrary to a declaration by the new shippers that there is no direct or indirect state control.
  - Name of Foshan Weiduoli Ceramics Ltd., Foshan Svice Ceramics Co. Ltd., Foshan Lihua Ceramics Group Corporation as producers and sellers of subject goods using the same address and telephone numbers has been withheld from the authority.
  - New investments reflected in various web sites and interviews with reporters are not reflected in the response.
  - the producer company has exporters to over 40 countries and have overseas marketing centers. In response to questionnaire it has been stated that that they have no exports.
  - The various types of products are listed in web site while the same have been claimed confidential in their response.
  - The numerous show rooms and marketing centers are shown in such web sites. The cost of all such show rooms etc. is not disclosed.

- Indicative rates of various types of tiles are also given in web sites while the same are claimed confidential.
  - Henry Trading has not disclosed all its offices. Web print goes to show that they operate also from No. 64 Jinhong St. Textile City, Xiqiao, Foshan City, China. The cost and other aspects hence could not have been examined without providing information about their offices.
  - Anjaneya Trading has not disclosed its relationship with another firm Anjaneya operating from Katwaria Sarai, Delhi. This entity has also in its web advertisements claimed to be dealing in similar goods.
  - The web advertisement of Anjaneya Trading indicates that they have just been setup to deal in subject goods for reasons best known to the new shippers. Further, no information about total turnover of such goods for period of investigation and past period has been given as per requirements of Appendix of Questionnaire response.
  - Anjaneya Trading has listed itself as a manufacturer while such fact has not been disclosed in the present proceedings.
  - No evidence that has been placed on record to show that there were no exports during the original period of investigation or in sunset review investigation.
  - For the first time it has been disclosed in the written submissions of new shippers that the producer had filed a questionnaire response in the original investigations. This fact was withheld in the application and ought to have been disclosed prior to initiation together with details filed earlier. Non-confidential version of such details and response has not been filed even today for us to offer comments.
  - exports by such entities cannot be ruled out specifically when the trading related entity was setup in 2005 while the producer is in the business of subject goods since 1992.
  - “ In the chart relating to legal structure given with the written submissions of the new shippers, interestingly they have withheld information about exports by the producer while for Henry Trading it has been mentioned that they are engaged in exporting. Further, details of all the items that are exported by Henry Trading are also withheld.
- v. There is ample evidence to show that the present exporter and the producer in China are part of a group and related to other entities not disclosed in the present proceedings. Such undisclosed entities are subject to duties and such relationship has been suppressed from the authority.
- vi. Any proceeding under Rule 22 which is based on a prospective period of investigation is contrary to Rule 22 as per the ruling of the Hon'ble Tribunal.
- vii. Information/ documents/ data sought in our written submissions dated 19.02.2009 not yet been provided. Thereof, we are handicapped to file full and meaningful rejoinder submissions.

- viii. We also wish to point out that in New Shipper Review proceedings conducted by MOFCOM; an opportunity is given to the Domestic Industry in China, even prior to initiation of new shipper review proceedings as per Chinese codified rules. No such opportunity is given to Domestic Industry in India.
- ix. The period of investigation has to be prior to the date of initiation and cannot be prospective is based on sound principles of law and internationally settled precedents on the same.
- x. On the issue of prospective period of investigation, the decision of the Hon'ble Tribunal is not followed under the pretext of Delhi High Court order dated 14.5.2008. Hence, the Designated Authority is bound by decision of H&R Johnson (India) Ltd. Vs. Designated Authority reported at 2007 (218) E.L.T. 273 (Tri. - Del.).
- xi. The new shippers cannot be allowed to keep adding data/information/ or evidence which was required to be filed along with the application after the stage of public hearing and written submissions.
- xii. The Designated Authority may at the earliest issue final findings terminating the investigation.
- xiii. Once the issues of confidentiality are decided and documents/ information/ data/ correspondence etc. is made available, a fresh opportunity for public hearing and written submissions may be granted in the interest of fair play and natural justice.
- xiv. We would once again request the Designated Authority to seek import data from Customs for the original period of investigation and sunset review investigations with names of all exporters and also import data for the present new shippers for the period of investigation fixed for the present proceedings.
- xv. No data duly certified has been submitted by admittedly related companies about when they were set up and their total exports country-wise. The accuracy of the information has not been examined in terms of the requirements of Rule 8.
- xvi. No further examination ought to be done when it is found that such relationships were in fact suppressed at the stage of filing of the application, filing of questionnaire responses, filing of written submissions. We therefore pray that this is a fit case for termination of new shipper review investigation with adverse remarks and strict penalties for distorting market prices by seeking interim exemption from duties.
- xvii. That Designated Authority cannot grant any individual normal value in view of the interpretation resorted to by the Designated Authority subsequent to the case of Reliance Industries Vs. Designated Authority.

- xviii. We also pray that a copy of rejoinder submissions filed by the new shippers may be provided to us to be in a position to file effective comments to disclosure statement which is likely to be issued. Without prejudice to the above, we also request the authority to kindly provide us verification report and seek our comments before proceeding further with the investigation.
- xix. The new shipper is already aware of the level of duties and other details through the final findings in the original case and has an opportunity to contrive his prices in a pre-determined manner and hence the need for a special care before initiation has been emphasized time and again.
- xx. We notice that the Designated Authority takes on record new responses and entirely new information during the verification or after oral hearing. This deprives the interested parties an effective opportunity as contemplated under the law.
- xxi. In the aforementioned circumstances, it is requested that the exemption granted to Applicants may be withdrawn immediately and they may be compelled to pay the anti-dumping duties otherwise applicable to all other non-cooperative exporters from China. Strict action may also be taken against the importers in India for being party to such serious fraud on the revenue and a cause of serious injury to the domestic industry

### **Examination by the Authority**

8. The Designated Authority initiated new shipper review keeping in view the provisions of the anti dumping rules, which are reproduced below:

*“Rule 22: (1) If a product is subject to anti-dumping duties, the designated authority shall carry out a periodical review for the purpose of determining individual margins of dumping for any exporters or producers in the exporting country in question who have not exported the product to India during the period of investigation, provided that these exporters or producers show that they are not related to any of the exporters or producers in the exporting country who are subject to the anti dumping duties on the product.*

*(2) The Central Government shall not levy anti dumping duties under sub-section (1) of section 9A of the Act, on imports from such exporters or producers during the period of review as referred to in sub-rule (1) of this rule:*

*Provided that the Central Government may resort to provisional assessment and may ask a guarantee form the importer if the designated authority so recommends and if such a review results in a determination of dumping in respect of such products or exporters, it may levy duty in such cases retrospectively from the date of initiation of the review”.*

9. Rule 22 clearly specifies the circumstances under which a new shipper investigation can be carried out for the purpose of calculating individual dumping margin. Individual dumping margin in

respect of any exporter or producer from the exporting country in question can be determined provided the following two conditions are satisfied;

(a) that the exporter or producer has not exported the product under consideration during the period of investigation and,

(b) that exporter or producer shows that they are not related to any of the exporter or producer in the exporting country who are subject to the anti dumping duties on the product concerned.

10. It is evident from the above that the intention of Rule 22 is to determine individual dumping margin in respect of an exporter or producer who did not export the subject goods in the period of original investigation. Since such producers/ exporters did not export subject goods in the period of original investigation, the Designated Authority could not have determined dumping margin in respect of their exports at the time of original investigations. The purpose of the new shipper review provision is therefore to provide an opportunity to such an exporter to claim their own dumping margin considering that these exporters have been granted residual dumping margin during the original investigations.

11. In the instant case, the following applicants made the application for new shipper review:

- i) Foshan Lihua Ceramics Company Limited (Producer)
- ii) Foshan Henry Trading Company Limited (Exporter)
- iii) Anjaneya Trading Pte. Limited, Singapore (Exporter)

11.1 In their application, the applicants made, inter-alia, the following claims: -

- (a) That the applicants had not exported the material during the period of original investigation;
- (b) That the applicants were not related to any exporter or producer who had exported during the period of original investigations.

12. The Designated Authority in the present case on the basis of information filed by the applicant found that the exporters and producer has not exported the product under consideration during the period of investigation and provided certification that they are not related to any of the exporters or producers in the exporting country who are subjected to anti dumping duties. The Authority also did not find any adverse material regarding their claim of a new shipper.

13. The applicants provided business license of the applicants, i.e., M/s. Foshan Lihua Ceramics Company Limited China PR (Producer), Foshan Henry Trading Company Limited (Exporter) and Anjaneya Trading Pte. Limited, Singapore (Exporter) before initiation of investigation and the information has in no way established that the initiation or investigation is vitiated.

14. It was verified whether any other company besides Foshan Henry Trading Company is related to the Foshan Lihua Ceramics Company Limited (producer). During verification, it was

found that M/s Foshan Svice Ceramic Co. Ltd., Foshan and M/s Foshan Weiduoli Ceramic Co. Ltd., Foshan are related companies of Foshan Lihua Ceramics by virtue of shareholdings by the family members of the applicant producer. These companies have been registered with Chinese authorities. It was stated that these companies have been set up for trading of ceramic and other products of Foshan Lihua but have not taken up any business establishment even today. **M/s Foshan Lihua Ceramic Co. Ltd. has given a certificate to this effect.** The relationship with these companies was disclosed by the applicant before initiation of the investigation. The verification of the records has not revealed that the new shipper operates under any other name.

15. Claims with regard to eligibility of the applicant as a new shipper were examined whether the company has directly or indirectly exported the product to India in the investigation period of original investigation or of sunset review investigation. The applicants were asked to establish their claim that the company or any of its related company had not exported the product concerned to India in the investigation period of the original investigation or of SSR investigation. It was stated that even though the company was established in 1992, it does not have the export license till now. The claim was also verified from the VAT return documents for each of the month of POI and it is observed that there were no export sales and also no VAT refund had been claimed. In particular, it was shown that the VAT Return provides for reporting (a) export goods free of tax sales amount, (b) VAT on exports. It was shown that the amounts in these columns for all the months of the POI were nil, thus indicating that M/s Foshan Lihua Ceramic Co. Ltd. had no exports during the period of original POI. As regards the exporter, M/s Foshan Henry Trading Co. Ltd. is concerned; it was incorporated in 2005 and hence was not in existence at the time of the original investigation. The relevant records of Foshan Henry Trading were verified to establish the fact that they have not exported the subject goods to India during the investigation period of sunset review investigation.

16. The Authority holds that the Authority has prima facie satisfied itself with the fact that the applicants satisfied the contentions laid down under Rule 22 before initiating the new shipper review investigations. The detailed investigations have been carried out after initiation in order to establish whether the applicants fully satisfied the requirement laid down under rule 22 and to determine the individual dumping margins. The Authority holds, based upon verification of records, that the applicants meet the requirement laid down in Rule 22.

### **Other Issues**

#### **Examination of Procedural Issues**

17. With regard to various procedural issues raised by HR Johnson, the Authority holds as follows:

- (i) M/s HR Johnson, the Indian producer of the subject goods on record of the Authority, was provided an opportunity to express their views on initiation notification and the non-confidential version of petition received was kept in the public file. The Authority is under no obligation to send the petition to the domestic industry when the same is available in the public file. No comments were however, made by HR Johnson till the stage of oral hearing.



(ii) The outcome of some other case is not relevant in the present case. As far as M/s Anjanaeya Trading Pte Limited, Singapore is concerned, it is the first time they have applied for new shipper review investigation as an intermediate trader for Chinese producer/ exporter. The only occasion they had approached the Authority prior to this was when they sought inclusion of their name as exporter, supported by the producer M/S Qingyuan Southern Building Materials and Sanitary Ware Company Limited along with New Zhongyuan Ceramic Import and Export Company Limited. The request was subsequently withdrawn and case closed.

(iii) Interested parties had the freedom to inspect the public file and take the note of the documents available in the same.

(iv) M/S H&R Johnson has not provided any material evidence in support of their statement that initial declarations about pre-conditions for initiation of new shipper investigation were wrong and misleading and material information having a direct bearing on the maintainability of the present proceedings has been suppressed from the authority.

(v) The fact that the Producer Company, M/s Foshan Lihua had filed a questionnaire response in the original period of investigation is on record of Authority and the same was examined at the stage of initiation.

(vi) The company was incorporated in 1992 as Nanhai Lihua Superior Wall & Floor Tiles Factory, which was re-named as Nanhai Lihua Ceramic Industry Co. Ltd. in Jan, 2001. The name of the company was further changed to Foshan Lihua Ceramic Industry Co. Ltd. on 19<sup>th</sup> June 2003. The name was further changed to Foshan Lihua Ceramic Co. Ltd. based on the application dated 25<sup>th</sup> September 2003. The change of name was not found to have brought any change in constitution of the company as there has neither been any change in the shareholders or their shareholdings and the company remained as a private company since inception.

(vii) There is no basis on the allegation that the fixation of prospective period of investigation provides an opportunity to an exporter to contrive their prices. No evidence has been provided establishing that either the normal value or the export price was contrived in any manner. In this regard, Hon'ble High Court in its decision dated 14<sup>th</sup> May 2008, while disposing off writ petition opined that the language and intention of rule 22 of the Anti-dumping rules does no prima facie, support the conclusion arrived at by the Tribunal. However, the Designated Authority has filed an SLP against the orders of Hon'ble CESTAT on the issue of prospective period of investigation.

(viii) With regard to calling upon the importer to file his questionnaire, it is noted that Authority cannot insist upon unrelated importer to file his questionnaire response.

(ix) M/S H&R Johnson has not provided any material evidence that the export prices have been manipulated by the new shippers that need cross-checking from other sources.

(x) The applicants provided business license of the applicants, i.e., M/s. Foshan Lihua Ceramics Company Limited China PR (Producer), Foshan Henry Trading Company Limited (Exporter) and Anjaneya Trading Pte. Limited, Singapore (Exporter) before initiation of investigation and the information has in no way established that the initiation or investigation is vitiated.

(xi) The Authority holds that the Authority has prima facie satisfied itself with the fact that the applicants satisfied the contentions laid down under Rule 22 before initiating the new shipper review investigations. The detailed investigations have been carried out after initiation in order to establish whether the applicants fully satisfied the requirement laid down under rule 22 and to determine the individual dumping margins.

(xii) With regard to the argument made by M/S H R Johnson that producer has not placed any evidence in support of their claim that there were no difference between the goods exported to India and to other countries, it is noted that the new shippers have filed the information in the form of Appendix 1 & 2 respectively containing details of sizes/grades on a transaction to transaction basis. Foshan Lihua Ceramics has filed information regarding the sales made to Foshan Henry Trading for exports including to India during the POI.

(xiii) With regard to the issue that no indication about the quantity proposed to be exported was provided to the Authority, it is noted that there is no requirement to pre-decide the volume of exports proposed to be made by the applicants.

(xiv) As regards the argument that the Authority is required to conduct periodic reviews, the Authority notes that the CESTAT has already decided this issue.

(xv) As regard the opportunity given by the MOFCOM to the Domestic Industry in China in New Shipper Review proceedings conducted by MOFCOM, even prior to initiation of new shipper review proceedings as per Chinese codified rules and no such opportunity is given to Domestic Industry in India, the Authority has noted that M/s IIR Johnson had made no efforts to offer any comment even after the issue of public notice of initiation where 40 days time was given. The company till the stage of post hearing written submission filed no comments.

(xvi) The verification of records of Anjaneya Trading has not revealed any relationship with another firm Anjaneya operating from Katwaria Sarai, Delhi.

(xvii) With regard to possible abuse of the Rule 22, the Authority notes that it is important to ensure that the provisions are not being abused by conducting an adequate investigation into the genuineness of the 'new shippers'. The Authority needs to examine that such applicants are not related to the exporters or producers in the exporting country who are

subject to the anti-dumping duty. Determination of individual dumping margin for such applicants is contingent upon such applicants establishing that they are not related to any exporter attracting ADD. With respect to possible false declarations being made by new shippers, it is noted that after examination of the facts of the case, no misuse or abuse of rule 22 in the investigations conducted in this case so far has been brought to the notice of the Authority. More over, the Authority has not come across any misuse by the new shipper during the process of investigations. It is also noted that the Rules itself also provides sufficient safeguards in this regard, wherein it provides that such importers may be asked to furnish bond or guarantee, as the Central Govt. deem fit in facts and circumstances of each case.

### **Examination of the issue of Confidentiality**

18. The Designated Authority holds that M/s H R Johnson has raised issue of confidentiality of information by the applicants at various places in their written submissions filed subsequent to the oral hearing and also in its rejoinder submissions. The Designated Authority further holds that the Hon'ble CESTAT in their order dated 19.5.2005 in the matter concerning H R Johnson v/s. Designated Authority dated 19.5.2005 has observed that:

- i) In terms of Rule 7(1) information submitted on a confidential basis shall be treated as confidential only when the Designated Authority is satisfied as to its confidentiality.
- ii) The Designated Authority is not required to mechanically treat the information provided by a party as confidential merely because that party has desired it to be kept confidential.
- iii) The Designated Authority has to be satisfied about the confidentiality of the information on the basis of various factors such as nature of the information and whether such type of information is by law custom, usage or practice treated as confidential.
- iv) The Designated Authority has not passed any formal order in the matter of confidentiality in this particular case.

19. The Authority holds that Rule 7(1) provides that the Designated Authority shall treat any information submitted on a confidential basis as confidential upon the Designated Authority being satisfied as to its confidentiality. Rule 7(1) also enjoins a duty on the Designated Authority that if the Authority is satisfied about its confidentiality, such information shall not be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

20. Further, Rule 7(2) states that the Authority "may" require the parties providing confidential information to furnish non-confidential summary thereof. It also provides that if such confidential information is not susceptible of summary, the interested party may submit a statement of reasons as to why summarization is not possible.

21. Further, Rule 7(3) provides that if the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or where the supplier of the information is unwilling to make the information public or authorize its disclosure in a generalized or summary form, the Authority may disregard the information.

22. In the light of the above, the Authority has examined the confidentiality claim of the applicant by taking into account submissions made by interested parties. After examination the Authority has considered the information relating to customers, cost, financial and the information of business sensitive nature as confidential.

### **Methology For Determination of Normal Value , Export Price and Calculation Of Dumping Margin**

#### **Views of M/S H R Jhonson**

23. The China is a 'non-market economy country' and has been treated as such in the original investigation. The Designated Authority cannot grant any individual normal value in view of the interpretation resorted to by the Designated Authority in Reliance Industries case.

24. In view of the decision of Hon'ble Supreme Court in the case of RIL vs. Designated Authority, there can be only one normal value for each country. An exporter-specific normal value cannot be determined and, therefore, there is no question of invoking Rule 8(3). The authority may take only the normal value, which has been established for China in the original investigation as the same was operative during the period of investigation in the present case.

#### **Views of exporter/producer(New shipper),**

25. Views of appellant and opposing parties with regard to dumping have been noted in Annexure 1 to this disclosure.

#### **Examination by the Authority**

26. The Authority considers that normal value under the rules is defined as under:

9A(1)(c) "normal value", in relation to an article, means -

(i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either -

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or [territory to] an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6) :

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

26.1. While it is evident that the Authority has to apply ordinary course of trade test, for which information on cost of production is vital, it is noted that the applicant during the process of investigation submitted details of the subject goods that are exported to India and that which are produced but not sold to India. During the investigation process, it was noted that M/s Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd. has significant domestic sales.

27. With regard to applicability of Hon'ble Supreme Court judgement in Reliance case in new shipper review cases for determination of normal value, the Authority notes that CESTAT in its judgement dated 27.08.2007 held that the observation of the Hon'ble Supreme Court in the Reliance case does not apply in the new shipper reviews under Rule 22.

28. The Designated Authority, as per para 8(2) of Annexure I of the AD Rules for the purpose of determination of Normal Value, proceeded with a presumption that any country that has been determined to be or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three years period preceding the investigation is a non-market economic country. In the past three years WTO members such as EU and USA have treated China PR as a non-market economy country in anti- dumping investigations. In the instance case, China PR has been proposed to be investigated as non-market economy Country.

29. The Authority sent market economy treatment (MET) questionnaires and exporters questionnaires to M/s. Foshan Lihua Ceramics Company Limited (Producer) and Foshan Henry Trading Company Ltd. (Exporter) China and Anjaneya Trading Pte. Limited, Singapore (Exporter). They filed the response in support of their claim of market economy treatment and requested for determination of normal value as per para 1 to 6 of annexure-I of AD Rules on the basis of export of subject goods to countries other than India since there was no domestic sales of subject goods in their home market. In view of their claim of MET treatment, on-the-spot verification was carried out at the premises of the responding producer and exporter. The Chinese producer has claimed individual treatment on the grounds that they are operating under market economy condition irrespective of

prevailing economy situation in the country without any direct or indirect State interference or influence in their business activity.

30. In anti-dumping investigations normal value concerning imports originating in China PR, shall be determined in accordance with para 7 & 8 of Annexure I of the AD Rules. The Authority notes that para 7 of Annexure I of AD Rules provides that:

*"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin."*

30.1. Further Para 8 of Annexure I of the AD Rules (as amended) provides that:

*"8 (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph(3)*

*(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economic country;*

*Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country, on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)."*

31. It is noted that the applicants furnished /evidences and information as mentioned in para 8 (3) of Annexure I of Anti Dumping Rules to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether

- a) The decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

- c) Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
- d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate;

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the Designated Authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in this paragraph.

32. Detailed questions regarding ownership, management, control, determination of commercial and business policies and on financial situation etc. were addressed to the applicant. The responses filed by the new shipper were analyzed to determine whether the applicant exercised a degree of independence from the Chinese Government comparable to what would prevail in a market economy country. The applicant provided information in respect of M/s. Foshan Lihua Ceramics Company Limited (Producer) and Foshan Henry Trading Company Ltd. (Exporter) China and Anjaneya Trading Pte. Limited, Singapore (Exporter). The Authority sought general and certain specific information with regard to the following parameters from the applicants:-

- Ownership details
- Shareholding patterns
- Information on promoter/holding company/companies
- Constituents of Board of Directors, their legal status and person/party being represented by them.
- Raw Material Inputs and Costs
- Existence or otherwise of any minimum wage stipulation by the State and if the enterprises are free to decide wages as per market demand.
- Production Facilities and Costs
- Loans and subsidies
- Barter Trade/ Counter Trade
- Profit Distribution
- Bankruptcy and property laws
- Exchange rates conversions

33. Verification at the premises of the applicants companies was conducted from 2<sup>nd</sup> March 2009 to 6<sup>th</sup> March 2009. The exporters were asked to provide complete details of all the related companies, including their present and past ownership, establishment date, product involved, the manner in which these companies were set up, source of funds, etc.

34. It was seen that M/s Foshan Lihua Ceramics is undertaking responsibility for production, while Foshan Henry Trading undertakes exporting activity.

35. In order to examine whether there was any degree of State influence or interference over the allocation of resources and decisions of the applicant, whether directly or indirectly, the ownership

pattern of the applicant was examined. The claims/ counter claims of the interested parties were taken into account and details in this respect were verified. The Authority examined the composition of Board of Directors of these companies, identity of persons in the Board, their functions, other position held by these persons etc. to determine whether there is any interference or involvement of the State in the management and working of the companies. The Authority relied upon the relevant provisions relating to constitution of Board of Directors, Board of Supervision, General Manager, their functions & powers, appointment & dismissal, autonomy of the company in matters of appointment etc and the role which State or State owned/controlled persons/bodies plays, if any, in such companies whether directly or indirectly.

36. It is found that the M/s. Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd. Foshan, China PR (Producer) and Foshan Henry Trading Company Limited, China P.R. (Exporter) are having common shareholding i.e, the shareholding are controlled by common set of persons. The shareholders of these companies are private individuals holding Chinese identity.

37. Verification of the information submitted concerning Market Economy Status and as contained in the response to Exporters Questionnaire has been conducted to cover the following aspects:-

- (a) Legal Structure of group companies (including all related companies).
- (b) Activities of group Companies and inter-linkage, if any.
- (c) To satisfy the test contained in the parameters listed in Annexure I (8) of Indian Anti Dumping Rules.
- (d) Operating structure of group companies (including all related companies).
- (e) Data/information submitted in response to the questionnaire.
- (f) Others Misc information called on the spot.

#### **Legal structure of the applicants:**

38. The Authority has verified legal structure of the applicant and it has noted as under:

39. The company was incorporated in 1992 as Nanhai Lihua Superior Wall & Floor Tiles Factory. the copy of business license of 1992 No \*\*\*, issued by Nanhai Administration Bureau of Industry and Commerce, dated 21st Sept., 1992. issued in favour of M/s Nanhai Lihua Superior Wall & Floor Tiles Factory was verified. According to this business license, the registered capital was RMB \*\*\* millions and the company were shown as private enterprise with the business scope of Ceramic products. The business license No. \*\*\* dated 15th January 2001 showing the company as private company with capital of RMB \*\*\* millions and the business scope has been shown as manufacture. sale & export of polished porcelain tiles was also verified. Currently this business license is in force.

40. The copy of the capital verification report of CPA dated 14th August 1992 was also verified. which states that the registered capital of the company is RMB \*\*\* millions contributed equally by the five individual shareholders. According to the capital valuation report, the above shareholders



deposited the capital money in \*\*\* A/c No. \*\*\*\*. The company also produced Chinese identity of all the above shareholders.

41. The company could not provide the original certificates issued in 1992 as it was explained that due to flood in 1998, most of the documents were washed away. To substantiate this, the company provided the insurance claim documents in support of the same. As per this claim document, the reported loss due to flood was approx. RMB \*\*\* million including RMB \*\*\* million fixed assets & equipments and current assets in the form of running stock for RMB \*\*\* millions. The company got the claim of RMB \*\*\* millions from the insurance company. The report also stated that the factory is a ceramic manufacturer established since the end of 1992 and put into production in August 1993.

42. The company also produced a photocopy of certificate issued by Nanhai Administration Bureau of Industry & Commerce, Xiqiao Branch stating that Nanhai Lihua Superior Wall & Floor Tiles Factory has been re-named as Nanhai Lihua Ceramic Industry Co. Ltd. in Jan, 2001. The name of the company was further changed to Foshan Lihua Ceramic Industry Co. Ltd. vide Notification of Approval of Enterprise Registration Alteration issued by Administration for Industry & Commerce of Nanhai District, Foshan City on application of the company dated 19<sup>th</sup> June 2003. The name was further changed to Foshan Lihua Ceramic Co. Ltd. based on the application dated 25<sup>th</sup> September 2003. The change of name has not found to be brought any change in constitution of the company as there has neither been any change in the shareholders or their shareholdings.

43. In 2005, the company decided to start exportation and for this purpose, a new company, M/s Foshan Henry Trading was formed as export arm of the Foshan Lihua Ceramics (producer). M/s Foshan Henry Trading Co. Ltd. was incorporated on 29th April 2005. The business license of Foshan Henry Trading Co. Ltd. shows the registered capital as RMB \*\*\* Millions. The scope of business has also been mentioned as import & export of commodities and technologies. The export license (Registration form for Foreign Trade Business Operators) issued on 30th May 2005 under the seal of Archive Filing and Registration Authority was also verified.

44. The basic aim of M/s Foshan Henry Trading is to only perform the export function for the producer company and internal transfer of pricing of the product is in accordance with internal understanding and exigency of the two companies. M/s Foshan Henry Trading, Export Arm of Producer Company does not make any domestic sales.

45. It was verified whether any other company besides Foshan Henry Trading Company is related to the producer, which are involved in the business of subject goods. During verification, it was found that M/s Foshan Svice Ceramic Co. Ltd., Foshan and M/s Foshan Weiduoli Ceramic Co. Ltd., Foshan are related companies of Foshan Lihua Ceramics by virtue of shareholdings by the family members of the applicant producer set up for trading of ceramic and other products of Foshan Lihua. These companies have been registered with Chinese authorities under registration no. \*\*\* and \*\*\* with the capital contribution of RMB \*\*\* each. It was stated that these companies have not taken up any business establishment even today. M/s Foshan Lihua Ceramic Co. Ltd. has given a

certificate to this effect. The relationship with these companies was disclosed by the applicant before initiation of the investigation.

46. As regards land is concerned, it was stated that the same has been obtained on lease from Lianxin Village Collective Assets Management Committee of Xiqiao Town, Nanhai District, Foshan City. The present lease contract is for \*\*\* years, and the lease rent is \*\*\* yuan per square meter per year. The total land area is \*\*\* sq. meters.

47. Board of Directors is the highest body in company. The Board decides all important matters of the company. The important matters would be effective only after being approved by the Board of Directors in accordance to the rules is set out in Articles of Association of the company. There is neither any interference of the government nor any quantity restrictions on sales and production.

48. The verification of M/s Anjaneya Trading Pte. Limited, Singapore (Exporter) was also conducted. The company was setup as a Private company limited by shares on 16th Oct 1997 under the Singapore Companies Act. As on date, the company has 3 directors with capital of \*\*\* S\$.with share value of \*\*\* S\$ per share.

49. From the very inception, the company has been involved in the business as general wholesale trade (including general importers & exporters). The goods traded by them include garment accessories, electronics, glass products and the latest addition has been trading in Chinese tiles as trader.

50. M/s Anjaneya Trading Pte. Limited, Singapore is not related either directly or indirectly with the Foshan Lihua Ceramics Company Limited (including its related companies) or Indian importer M/s. Kajaria Ceramics Limited. The company was an intermediate trader in the export of \*\*\* SQM \*\*\* tiles and \*\*\* SQM \*\*\*tiles to India, which was produced by Foshan Lihua Ceramics, China PR and exported from China PR by Foshan Henry Trading. Goods were directly shipped from China to India. M/s Anjaneya Trading, Singapore has received the full payment from Indian Importer and has paid the contracted amount to the Chinese exporter, M/s Foshan Henry Trading.

51. **Financial Accounts:** The companies were found to be maintaining its accounts as per Generally Accepted Accounting Principles. The Chinese producer and exporter maintain monthly profit & loss statement, which is required to file profit & loss statement along with VAT filing. The profit & loss statement for each of the months of the investigation period was examined and cross-verified with the profit & loss statement filed by the company along with its VAT return. The Chinese producer determines a separate profitability of the subject goods and other goods. On examination of records it was found that the company was able to post profits on the subject goods. Annual Accounts of the company are audited regularly by the Auditors and no adverse comments were found in their Auditor Report with regard to the accounting practices followed by the company.

52. **Selling Price:** The issue of selling price determination has been examined. It was found that Foshan Lihua Ceramic Company Ltd has been selling the subject goods in the domestic market and freely decides regarding the output and sales depending upon market demand and nothing adverse had been found in this regard from their records. The Authority notes that the entire export sales to

India of the goods produced by Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd. were affected by M/s Foshan Henry Trading Co. Ltd. (exporter). No evidence of possible role of State in determination of domestic or export price could be found. It is found that there are variations in prices depends upon customer, volume, type of product involved etc. It was explained by the company that there is no price list either for domestic or export sales as it varies from customer to customer which entirely depends on demand and supply position in the market.

53. The Authority noted that the company determines the cost of production for different type and size of product. The cost of production is determined having regard to principles of cost accounting which appeared reasonable and sufficient considering the nature of product and the production process. The company maintains actual cost. Further cost of production varies from month to month due to movement in prices of raw material, utilities and other factors.

54. **Raw Materials:** It was claimed that the raw materials were purchased from the open market and State was not involved directly or indirectly either in procurement or pricing of raw materials. It was also claimed that major suppliers of major raw materials were neither related with the applicant companies nor State owned enterprises. The company does not have any long-term contract with regard to any raw material supplier. Further, material is being sourced from a number of suppliers, including for sand, chemicals, packing material etc. It was found that the company has maintained wider choice of raw material suppliers and is making efforts to get better prices.

55. **Electricity:** It is noted that the company procured electricity from State owned company M/s. Guangdong Power Company, Foshan Nanhai Branch. Since electricity procurement was from State owned enterprises, the Authority examined the tariff rates at which the company was getting electricity. Sample invoices were collected and tariff paid by the company was ascertained. It was found that the electricity have been charged according to the consumption pattern and the prevailing prices charged by the concerned electricity supply company. It was also seen that the price charged by the supplier is different in different time legs like for peak hours, price per unit is higher than non-peak hours.

56. The exchange rate conversions were also verified from their books of accounts and found that the export remittances were converted into the Chinese currency as per the exchange rate prevailing on the date of transaction. During the verification visit the export invoices were verified to see whether the realized amounts are credited into their books of accounts. The Authority observed that exchange conversions have taken place at the existing rate, which was more or less stable. As regard the submission made by the domestic industry on under valuation of Chinese Currency, no positive evidence has been provided.

57. As regards engaging labour, the company claimed that they took all employment decisions. There is full freedom to the company with regard to its mode of hiring employees and they can be fired also on a very short notice. The terms of engagement of labour were generally governed by the labour contract entered between the company and the employee. They claimed that the Chinese Government did not provide any benefit like housing, medical care etc. However; the company

provided accommodation and the cost of the same was reflected in the books of accounts as an expense. Salary was paid every month, which includes basic pay, and incentive for good work, however, deductions were found to be claimed in respect of insurance and income tax.

58. The bankruptcy and property laws were examined and found that the company is free to acquire property. The company claimed that bankruptcy law is applicable to a firm when a firm becomes bankrupt and the details regarding the settlement of the dues is governed by law maintained under bankruptcy law. No evidence of any violation of bankruptcy law of China and property law of China were found during the course of the verification.

59. **Finance expenses:** At the time of takeover of production facilities, Foshan Lihua Ceramic Company Ltd has 1 production line only financed from the share capital. The company was stated to have added capacity from time to time, which has become a total of 6 lines for PUC in the year 2000. There has been no capacity expansion thereafter till date as far as to PUC is concerned. Depending upon the funds requirements, the shareholders provide advances to the company from their personal funds. Since such funds are provided free of interest, the interest cost at the bank rates have been worked out on such funds outstanding during POI and added to cost of production of the subject goods.

60. **Output – Production:** It was verified whether there is any control or interference by the government relating to production. It has been clarified that the company produces various sizes and series as per demand and supply in the market. It has been seen that there is no control over production by the State. The company can increase the capacity and production as per requirement and market situation. The company is free to produce any size and type as per requirement and there is no direction or control of the government.

61. **Sales Volume:** It was verified whether the company is free to sell the product in desired volume in the market at price the company can fetch in the market or there was any direct or indirect, explicit or implicit government interference in this regard. It was clarified that the company sells its product in the market at its own price and there is no control of State or provincial government in this regard. Nothing contrary to this claim was observed during verification. Analysis of Appendix 1 for the product under consideration shows that the company is selling product concern in the domestic market to various customers as per market forces and there is no role of state or provincial government. Further analysis has been done with regard to each size, which shows that the company is selling various sizes and series of product concern as per demand.

62. Following further parameters were verified:

(i) **Depreciation of assets** – Depreciation accounting of the company was verified and It was found that the company is depreciating its assets, which appeared consistent with GAAP. Depreciation is being charged in the books as per policy and it is being applied consistently. The company is charging depreciation on all assets booked in the accounts. Depreciation is found to be a part of cost of production.

- (ii) **Write offs:** It is found that the company follows write off policy for damaged assets and bad debts.
- (iii) **Barter trade:** No evidence of any type of barter trade was found during the course of the verification. The books of accounts of the company also did not show any indication of barter trade.
- (iv) **Payment via compensation of debts** – No evidence of payment via compensation of debts was found. The books of accounts of the company also did not show any indication of payment via compensation of debts.

### **NORMAL VALUE**

63. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section(6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either –
- (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

64. The Authority sent exporter questionnaire to M/s. Foshan Lihua Ceramic Company Limited (Producer), Foshan Henry Trading Co. Ltd. (Exporter) and M/s Anajaneya Trading PTE Ltd., Singapore (Exporter) for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1) (c) of the Custom Tariff Act. In response to the questionnaire the new shippers filed the information in exporter questionnaire. During the investigation period, M/s. Foshan Lihua Ceramic Company Limited produced the subject goods exported to India. The material has been exported through Foshan Henry Trading Co. Ltd. and M/s Anajaneya Trading PTE Ltd. They have exported two types of a particular size of the subject goods to India during the period of investigation. The detailed information regarding the entire domestic sales of all sizes/ types of the subject goods in

their home market has been provided. The applicants have also provided break up of costs of production of all the sizes/models/types of the subject goods that have been produced during the period of investigation. The transaction wise domestic sales were verified from their records during the course of on the spot-verification. The element wise cost of production was also verified and reconciled from the books of account maintained by the company. The Authority found the domestic sales have been made to unrelated parties and the same has been adopted for determination of normal value. An analysis of the profit and loss account of the company shows that the company has made an overall profit on the sale of subject goods during the period of investigation and calendar year. The Normal Value based on domestic sales has been determined after considering the volume of sales above per unit cost (applying 80/20 test) so as to determine that these sales are in the ordinary course of trade. For the models/types of vitrified tiles exported to India and sold in the domestic market the weighted average ex factory domestic sales realization for profitable transactions is proposed to be considered for arriving at the normal value as loss making transactions were found to be more than 20% of the sales in the domestic market.

65. As indicated above the company has exported different models/types of one size of Vitrified Tiles to India during the period of investigation. Based on the methodology explained above size wise/ model/type wise ex-factory normal value for these models/ types of Vitrified Tiles is determined as under:

Size	Series	Normal Value USD/ Sq. Mtr.
*** X ***	***	***
*** X ***	***	***

#### **EXPORT PRICE:**

66. In response to the questionnaire, the exporters have furnished invoice-wise/ size-wise details of exports made to India during the period of investigation in Appendix-2. The exporters have also furnished copies of invoices in support of the same. Adjustments have been considered based on verified data and are proposed to be allowed to arrive at the ex-factory export price to India. The exports to India made by Foshan Henry Co. Ltd through M/s Anajaneya Trading PTE Ltd, to Indian customers were verified from the original records and reconciled along with the adjustments claimed by them. Details regarding their claim of adjustments were verified during the course of verification from the records maintained by the company. It was found that the aggregate amount of the export sales has been realized vide Bank advice. Export price has been determined separately for each type of vitrified tile exported to India by the applicants. The export price accordingly has been worked out as under:

Size	Series	Ex-factory Export Price
		USD/ Sq. Mtr.

***X***	***	***
***X***	***	***

67. Considering the normal value and export price as determined above, dumping margin has been determined as under. It has been found that the exporters have exported the subject goods above its Normal Value and hence the dumping margin has been determined as negative.

USD/Sq. Mtr.					
Exports					
Size	Series	Ex-factory EP	Normal Value	Dumping Margin	Dumping Margin(%)
***X***	***	***	***	Negative	(-)Negative
***X***	***	***	***	Negative	(-)Negative
Weighted average DM					(-)2.69%

68. The dumping margin of the applicants has been found to be negative.

#### Comments to Disclosure Statement

69. In response to the disclosure statement, APJ-SLG Law Offices on behalf of M/S H&R Johnson has made following Submissions.

- (i) In view of orders of the higher appellate authorities, fixation of prospective period of investigation was bad in law.
- (ii) The SLP filed by the Designated Authority against the said decision is not maintainable as a quasi-judicial recommendatory authority has no interest in the matter and has no right to file an appeal against an order passed against his recommendation.
- (iii) The opportunity provided was not effective in terms of the requirements of principles of natural justice. No fresh opportunity has been provided. The Designated Authority was requested to decide our preliminary objection on maintainability of the present proceedings
- (iv) The documents sought written submissions and rejoinder submissions till date have not been supplied. Clearly, documents are being not provided in terms of the requirements of the law and decisions taken on such documents are being withheld. This has resulted in denial of an effective opportunity as contemplated under law. Such proceedings are hence bad in law.
- (v) The rejoinder submissions filed by the new shippers. The same have not been provided.
- (vi) The conclusions drawn herein are purely based on claims of the new shippers without reference to the material placed by us on record.

- (vii) The new shippers in the application withheld information about related entities. Clearly this ought to have formed the basis of termination of the present investigations. In any case, our submission that Anjaneya Trading had in fact filed earlier application and could not have been treated as new shipper has not been ignored.
- (viii) The POI expired on 31.12.2008. Strangely for reasons best known to the Designated Authority, before expiry of such time, the Designated Authority had already fixed the public hearing.
- (ix) No order on confidentiality was passed which could have formed the basis of our comments for grant of illegitimate confidentiality claims. Our submissions on excessive confidentiality have also not been dealt with.
- (x) The questionnaire response filed in original investigations was not provided to us. The same is not also part of the public file.
- (xi) Admission that there are related entities is contrary to declarations made at the time of getting the case initiated. Further, the web prints of these related entities goes to show that the related entities were engaged in subject goods and hence the applicants mislead the Designated Authority even on this count. The basis of acceptance of oral claims that these related companies had not taken up any business is absent.
- (xii) The Designated Authority was required to examine the records of the new shippers for the original period of investigation and also for the period of investigation of sunset review investigations. Without seeking such data the conclusions are based on assumptions and not verification of relevant material.
- (xiii) It is denied that we did not file material evidence in support of statement that initial declarations about pre-conditions were wrong and misleading.
- (xiv) The details of information of the company and change in name etc. are not reflected through the applications filed by the new shippers. Clearly material information was withheld at the time of seeking initiation under Rule 22.
- (xv) We do not know on what basis and what material evidence the Designated Authority has recorded that there was no change in constitution of the company.
- (xvi) The importer is a known importer and we are surprised that even a questionnaire has not been issued to him. Further, the actual import price has not been ascertained from the customs which was necessitated as Designated Authority in many investigations has found that the price declared by the exporter did not match with the import price reflected in DGCI&S data or data obtained from private parties.
- (xvii) It is surprised to note the conclusion of the Designated Authority that no relationship was found from the record of Anjaneya Trading with Anjaneya operating from Katwaria Sarai. The Designated Authority ought to have raised



specific questions to seek information from the exporter and ought to have made telephonic enquires to seek information from the Delhi entity. Only then some reasoned conclusions could have been drawn.

- (xviii) The conclusions on confidentiality are flawed.
- (xix) On normal value, a clear decision of the Hon'ble Supreme Court is ignored on the basis of CESTAT decision while on POI the decision of the CESTAT is ignored under the premise that an SLP is filed in Supreme Court. The whole exercise under Rule 22 it appears has been based on convenience and not principles of precedents.
- (xx) Numerous statements made on Non-market economy and questionnaire response do not emanate from the non-confidential version of the documents provided to us.
- (xxi) The information referred to in disclosure statement is not reflected in such list of documents in Public File as given in written submission Designated Authority cannot rely on any documents that were not part of public file.
- (xxii) Our submissions on new guidelines on confidentiality being followed by the Designated Authority in all the current cases are totally ignored.
- (xxiii) No findings are recorded on our submission that:
  - a. Joint Application is unsigned, and is undated
  - b. Application filed confidentially runs into 89 pages while non-confidential version of the application contains only 7 pages
  - c. no material placed on record by the producer to substantiate that the producer company could not have exported subject goods during the original period of investigation or period of investigation of sunset review
  - d. the Producer Company even failed to disclose that they had in-fact filed a questionnaire response in the original period of investigation at the stage of seeking initiation
  - e. new shippers have craftily not given a declaration that they are not related to any exporters or producers in China who are subject to the anti-dumping duty
  - f. Hon'ble Designated Authority may also seek clarifications whether the applicants are directly or indirectly controlled by any other company or both the applicants are controlled by a third person.
  - g. Deficient Questionnaire Response was filed
  - h. we are prevented from filing appropriate response to non-market economy questionnaire
  - i. the new shippers may be asked to provide the information/documents on expedited basis.
- (xxiv) No reasons in support of claims of confidentiality are provided
- (xxv) No reasons for not providing non-confidential version of confidential information have been provided.

1611 28/09-10

- (xxvi) No reasons as to why information is not susceptible to summarization have been provided.
- (xxvii) The producer company has claimed that they have no export sales. In view of such claim, the application itself is not maintainable as without export sales, no dumping margin can be determined.
- (xxviii) Both the producer and exporter from China have claimed that they get VAT refund.
- (xxix) No appropriate response has been filed on a specific question on trading arrangements.
- (xxx) The list of raw materials has been kept confidential.
- (xxxi) New Shippers have stated that there is no difference between the goods exported to India and to other countries. We would like to submit that the producer or exporter has not placed any evidence in support of their claim.
- (xxxii) The name of all the factories involved in production of the product involved have not been disclosed.
- (xxxiii) Presently, in the form in which questions have been answered, no answer has been filed by the producer and exporter to specific questions having a direct bearing with the outcome of the proceedings and determinations required to be made.
- (xxxiv) The name of the related companies is not disclosed and it is mentioned that they are disclosed elsewhere in the response.
- (xxxv) It has been stated that the goods produced or sold in the domestic market are comparable. We are not too sure if they are identical or only comparable as no information on grades/model has been provided.
- (xxxvi) No details about the trading arrangements are disclosed. No details about discounts, commission, rebates, or terms of payment have been disclosed.
- (xxxvii) The new shippers have not provided catalogues and brochures issued by the company
- (xxxviii) The channel of distribution for sales in the home market and exports to India were required to be provided.
- (xxxix) Each of the new shippers has not provided negotiation process in home market and export to India.
- (xl) The non-confidential version of complete set of documents generated/received in case of sales in the home market and export to India are not provided and no reasons as to why summarization is not possible has been offered.

- (xli) The table relating to investments has been claimed confidential
- (xlii) Reasons for claiming confidentiality on balance sheet are not disclosed.
- (xliii) It has not been substantiated as to how there are no differences in profit determination on account of quantities sold, conditions and terms of sale, level of trade etc. Internationally there are differences on account of such factors
- (xliv) No response has been filed to Section K and the new shippers have merely stated that the same is not applicable.
- (xlv) In response to number of questions it has been mentioned by the new shippers that details have already been provided at the time of initiation. Please note that we have not been provided with such details and hence we are unable to deal with such submissions and file appropriate response.
- (xlvi) The exporter from China has claimed confidentiality on the legal form of the company which could not have been allowed by the Designated Authority.
- (xlvii) The response of the new shippers is filed not in the letter and spirit but with the sole object of making it appear that all questions have been answered.
- (xlviii) None of the questionnaire response state facts about exports made during the period of investigation of sunset review investigations.
- (xlix) Appendix 1, 2, 2A, 2B, 3, 3A, 3B, 4, 5, 6, 8 & 9 are blank and hence we are unable to offer any comments. The same are contrary to requirements of Rule 7
- (l) No findings are recorded on the submission that the producer has not stated that whether it is the new plant or has been an old plant taken over from a producer who was subject to the original duties.
- (li) No findings are recorded on the submission that it is not clear from the initiation notification as to who is claiming for the separate determination of dumping margin.
- (lii) It is pertinent to note that Singapore is not a subject country and hence is not eligible for a new shipper review. No findings are recorded on the submission that determinations under Rule 22 can be only when the party seeking an individual dumping margin has his own normal value and export price to India. The grant of combination duties is hence contrary to scheme of Rule 22.
- (liii) We wish to keep the issue alive by reiterating that as per Rule 22 a case for new shipper review cannot be initiated each time an application is received from a new shipper. It may be noted that the authority may decide to initiate cases for new shippers annually or semi-annually or based on a periodical basis fixed by the authority.

- (liv) We wish to reiterate and keep the issue alive that China is a “non-market economy country” and has been treated as such in the original investigations and hence Designated Authority cannot grant any individual normal value in view of Reliance Industries case.
- (lv) The proceedings are without jurisdiction and must be terminated at the earliest
- (lvi) From the disclosure statement it appears that Designated Authority sought various details about from the new shippers. None of such correspondence or non-confidential version of the response filed by the new shippers is available in the public file.
- (lvii) The conclusions reached by the Designated Authority on the basis of VAT return are misplaced.
- (lviii) A lot of new facts have crept in the disclosure statement, which were never made known to us at any stage of the investigations. the questionnaire responses have been accepted without the support of certificate of truthfulness which was a mandatory requirement. In view of the above, the proceedings are bad in law as findings are proposed to be based on material which has not been provided to interested parties or available on record.
- (lix) Relevant information was not at all collected or obtained.
- (lx) If the names of the related companies and the data of their exports during the original POI were not available in the application filed by the new shippers, it cannot be said that the Designated Authority could have prima facie satisfied himself on pre-conditions of Rule 22.
- (lxi) The quantum of exports as per Designated Authority is not required to be examined as the same is not a requirement under law. While reaching such conclusions the Designated Authority has failed to appreciate the ratio of decision of the first new shipper review case decided by the Hon'ble Tribunal wherein issues of circumvention and possibility of misuse of the provision of new shipper review has been discussed.
- (lxii) The non-confidential version of the response does not contain any information based on size/grades as stated to have been filed by the new shippers.
- (lxiii) The evidence placed on record along with written submissions have been totally been ignored while recoding conclusions in the disclosure statement.
- (lxiv) The deficiency letters or correspondence exchanged with the new shippers is not available in the public file.
- (lxv) The authority has till now determined several normal values for each new shipper which is totally in defiance of the order of the Hon'ble Supreme Court in Reliance Industries case.

- (lxvi) The Designated Authority ought to have examined the names of such directors and ought to have checked whose interest they represent. No data or information it appears has been filed regarding them or sought by the authority.
- (lxvii) The paragraphs dealing with legal structure of the applicants are fresh disclosures and did not form part of the application or questionnaire response. They same could not have been taken on record if they were not facts under consideration in terms of the application or questionnaire response.
- (lxviii) The authority cannot determine individual dumping margin based on normal value of one entity and export price of another entity.
- (lxix) The exporter was required to provide addresses of all its related entities in the application and exporter questionnaire response.
- (lxx) The producer has made negligible sales to ensure that they are able to show negative dumping margin for a prospective period by shrewd planning. Such an approach clearly goes to show *mens-rea* of the producer to circumvent duties by managing their export price and normal value for 6 months.
- (lxxi) No reasons for seeking confidentiality on related entities have been filed. In view thereof we are unable to comment on the basis on which it has been claimed that such entities could not have exported subject goods during the original investigation.
- (lxxii) It has been stated in the disclosure statement that domestic industry was notified about initiation. None of the producers in India received any such intimation about initiation though names of most of them were available on record of the Designated Authority through the Sunset Review Investigations.
- (lxxiii) Copy of the verification report along with comments filed by the producer/exporter to such verification report have also not been provided or made available.
- (lxxiv) In view of the suppression of details about relationship, clearly, the authority was mislead and further could not have ascertained even *prima facie* the authenticity of such claims. Hence, the Designated Authority may terminate the new shipper review immediately having been initiated based on suppression of material information from the Designated Authority.
- (lxxv) There is no mention as to how the authority reached a conclusion that electricity was bought at prevailing electricity charges. No details about examination of water rates in China have been recorded.
- (lxxvi) The exchange rate in China is controlled by the Chinese Government and is admittedly kept at an artificially controlled level. There is ample research on the subject which clearly reveals that the Chinese Yuan is under-valued by at least 30%.

- (lxxvii) No examination appears to have been done to examine whether rent paid for land was in terms of market rate as the same obtained from State controlled Committee.
- (lxxviii) On what basis did the Designated Authority come to a conclusion that exporter from Singapore did not export in original period of investigation and sunset review investigation period. No data has been furnished or examined to reach such conclusions.
- (lxxix) On what basis did the Designated Authority come to a conclusion that the raw material was procured from open market without any state control.
- (lxxx) No examination appears to have been undertaken to look at normal value of the trader from China.
- (lxxxi) The methodology adopted for normal value calculations is flawed. No proper disclosure has been made on the methodology adopted with proper non-confidential version of such calculations.
- (lxxxii) Conclusions on export price are misleading as names of entities are not mentioned for conclusions drawn.
- (lxxxiii) It has been recorded that major suppliers of major raw materials were neither related with the applicant companies nor were they state-owned enterprises. While stating so, the basis of reaching such conclusions has not been recorded as no information about such entities has been filed for the Designated Authority to reach such conclusions.
- (lxxxiv) The new shipper mis-declared vital information prior to the initiation and also during the entire investigations with a view to mislead the Authority.
- (lxxxv) The declarations certifying that the information provided was true and correct was actually false.
- (lxxxvi) We find that the Designated Authority has not even called upon the producer/exporters to file complete information before proceeding for verification.
- (lxxxvii) Even basic information has not been provided to the interested parties in violation of the specific provisions of law and the principles of natural justice.
- (lxxxviii) The exemption granted to Applicants may be withdrawn immediately and they may be compelled to pay the anti-dumping duties otherwise applicable to all other non-cooperative exporters from China.

#### **Examination By The Authority**

70. Having gone through the submissions of APJ-SLG Law Offices on behalf of M/S H&R Johnson, and while examining the issues raised in the post disclosure submissions, the Authority notes that most of the issues in post hearing submissions have been reiterated by the domestic

industry. It has also been noted that in most of the cases, mere allegations have been made without placing any material on record of the Authority. The examination of the submissions made at post hearing stage have been done at disclosure stage and the same has also been recorded in this finding. However, The Authority has dealt with all relevant submissions made to the disclosure statement in these findings.

- i. The Authority has the jurisdiction to file SLP in Hon'ble Supreme Court against the orders passed against his recommendations. The final decision in this case has to be left to be taken by the Apex Court and the H&R Johnson cannot sit on Judgement on this issue.
- ii. In respect of the issue relating to prospective POI, the same was discussed while issuing the Disclosure Statement and also been recorded in the findings
- iii. Authority has provided sufficient opportunity to all interested parties during the course of investigation to make their submissions.
- iv. Regarding copy of the submission etc., it has been noted that these are available in the public file. The onus is on the interested parties inspect to inspect the Public File maintained as per rule 6(7) and the Authority is under no obligation to send this information individually to the interested parties or their consultant.
- v. The allegations made by them that the Authority ignored the submissions made by them, is a mere statement and not substantiated with any material facts. However, the information made available by them has been considered by the Authority while conducting and concluding the investigations.
- vi. The Authority holds that conclusions including that there was no change in constitution of the company have been drawn on the basis of verified data and material on record and not purely based on the claims of the new shippers as alleged.
- vii. The issues related to the related entities and Anjaneya Trading as a new shipper have already been dealt with in the disclosure statement. The statement that non-disclosure of information about the related parties alone ought to have formed the basis of termination of the present proceedings is without substance. In this regard, the Authority holds that investigation of the New Shipper Review was initiated on the basis of declarations by the applicants that no exports were made by the applicant or related parties during the original POI and during POI of SSR investigation and supporting evidence was submitted in this regard. The Authority has followed the established procedure in this regard and relied upon back-up material. As has been noted above, no material has come to the notice of the Authority indicating that any export was made by the applicant or related party during the original POI or during the POI of SSR. Therefore, the statement made by the domestic industry is a devoid of any merit.
- viii. The Rules do not prevent the Authority to fix the date of Public Hearing before the expiry of 40 days of expiry of POI. In any case the PH was held only after the

expiry of 40 days time from the date of expiry of POI. Public hearing also provides an opportunity to the interested parties to express their views. The Exporter verification was conducted from 2nd to 6th March 2009 after receiving the post hearing comments of the interested parties.

- ix. The issue of confidentiality has been discussed at length in the Disclosure Statement and the same has also been recorded in this findings.
- x. The Authority after examination concludes that the VAT return was one of the methods to ascertain whether the exporter made any sale to India during POI. Further, the details of sales made by M/s Foshan Henry during the period of Investigation of Sunset Review were also verified to ascertain whether any export was made during that period to India. After examination, no material came to the notice of the Authority indicating that the Foshan Henry made any exports of subject goods to India during the POI of SSR investigation.
- xi. On the issue of Importer Questionnaire not having been issued to the known importer, The Authority holds that the producer & exporter in China PR and trader/exporter in the Singapore filed the application. The sale invoices of parties in this distribution arrangement were verified to rule out any compensatory arrangement and to ascertain correct export price. Nothing has been noticed indicating that any loss was made during the sales transactions. Therefore the Authority did not deem it necessary to call for the response from the importer. In any case there is no obligation for the importer to file a response. Moreover, mis-declaration of the export price amounts to circumvention and anti-circumvention is not the jurisdiction of the Authority.
- xii. As regards allegation of non recording of findings in the disclosure statement in respect their submissions, the Authority notes that it has recorded its findings on all relevant submissions made by the domestic industry wherever deemed necessary.
- xiii. The Authority has described in detail the methodology followed for determination of Dumping Margin in the disclosure statement.
- xiv. The Authority has recorded in detail the initial setting up of the plant of the applicant producer.
- xv. Regarding the information and facts collected by the Authority during verification not having been disclosed and the verification report not having been kept in the public file, the Authority holds that the information collected on confidential basis cannot be disclosed or placed in the public file. However, information about the verification conducted was indicated in the disclosure statement.
- xvi. On the issue of minimum quantities and circumvention not having been addressed, the Authority holds that without legal backing, it is not possible to insist on minimum requirement of the quantity. About the circumvention, the law would



take its own course in case the circumvention comes to notice of the enforcement agencies.

- xvii. On the issue of deficiency letters or correspondence exchanged with the new shipper not made available in the public file, the Authority holds that all correspondence before initiation of investigation is kept confidential however after initiation of investigation application and other major submissions are made available in the public file. However, it is practically not possible to place all the letters in the public file, which may not have major bearing on the investigation.
- xviii. The Authority has disclosed the methodology followed for examination of the market economy status of the Chinese producer/ exporter in detail in the disclosure statement as well as in these findings.

### **Conclusions and Recommendations**

71. Having conducting this review in terms of Rule 22 of the Rules and after considering the foregoing the authority concludes that

(i) The producer M/s Foshan Lihua Ceramics Company Limited, China PR, exporter M/s Foshan Henary Trading Company, China PR and M/s Anjaneya Trading PTE Limited Singapore have established themselves as new shipper of the subject goods to India and therefore, are eligible for separate dumping margin.

(ii) Dumping margin of vitrified porcelain tiles manufactured by M/s Foshan Lihua Ceramics Company Limited, China PR, and supplied to M/s Foshan Henary Trading Company, China PR and subsequently exported to India by routing the same through M/s Anjaneya Trading PTE Limited, Singapore, during the period of review was found to be negative.

72. Therefore, in terms of Rule 22 of the Rules, the Authority recommends that no antidumping duty be imposed or levied on imports of vitrified/porcelain tiles falling chapter 69 of customs tariff act 1975 produced by M/s Foshan Lihua Ceramics Company Limited, China PR, and supplied to M/s Foshan Henary Trading Company, China PR and subsequently exported to India by M/s Anjaneya Trading PTE Limited, Singapore.

73. An appeal against the orders of the Central Government arising out of this order shall lie before the Customs, Excise, and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Act.

**R. GOPALAN, Designated Authority**